Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 20 January 2025 ● Year : 03 ● Issue : 08 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

शांति तब आती है, जब आप दूसरों की बातों से प्रभावित होना बंद कर देते हो।

–ओशो

Deepika Padukone Shares Goodbye...

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

गणतंत्र दिवस में फ्लाईपास्ट करेंगे 40 एयरक्राफ्ट

NEW DELHI : देश के गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड के लिए सेना के जवान कड़ाके की ठंड में रिहर्सल करके पसीना बहा रहे हैं। परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर झांकियों के माध्यम से 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' को प्रदर्शित किया जाएगा। वायु सेना के 40 एयरक्राफ्ट फ्लाईपास्ट करेंगे, जिनमें 22 फाइटर एयरक्राफ्ट होंगे। इस बार एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव और स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस परेड के दौरान उड़ान भरते नहीं दिखेंगे। गणतंत्र दिवस परेड में इस बार भारतीय वायु सेना की कोई भी झांकी नहीं होगी। वायु सेना के विंग कमांडर मनीष शर्मा ने बताया कि कुल 40 एयरक्राफ्ट रिपब्लिक-डे परेड का हिस्सा बनेंगे। फ्लाईपास्ट में 22 लड़ाकू विमानों, 11 परिवहन विमानों और 7 हेलीकॉप्टरों की शक्ति का प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें राफेल, सुखोई-30 और सी-130जे हरक्यूलिस कर्तव्य पथ पर हवाई करतब दिखाएंगे।

भारत में बिजनेस करना हुआ मुश्किल: कांग्रेस

NEW DELHI : कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पिछले 10 साल में भारत में इज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी व्यापार करने में आसानी को अनइज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी व्यापार करने में असुविधा में बदल दिया गया है। कांग्रेस ने इसके तीन कारण बताते हुए आगामी बजट में रेड राज और कर आतंक को खत्म करने की मांग की। रविवार को कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि सरकार को आगामी बजट में ह्यरेड राजह्ण और ह्यकर आतंकह्ण को खत्म करना होगा। उत्पादन क्षेत्र की नौकरियों की रक्षा करने के लिए कार्रवाई करनी होगी और वेतन और क्रय शक्ति को बढ़ाने के लिए निर्णायक कदम उठाने होंगे। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि पिछले दशक में देश में निजी निवेश में कमी देखने को मिली है। निवेश का सबसे बड़ा भाग निजी घरेलू निवेश 2014 के बाद से लगातार कमजोर हो रहा है। डॉ मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान यह मजबूती से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 25 से 30 प्रतिशत के बीच में रहा था।

शपथ ग्रहण के बाद चीन जाएंगे डोनाल्ड ट्रंप

NEW DELHI : अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड शपथ लेने के बाद चीन के दौरे पर जाएंगे। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप, चीन के संबंधों को गहरा करने के लिए बीजिंग की यात्रा करना चाहते हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के 100 दिनों के अंदर ही ये दौरा करने की इच्छा जताई है। ट्रम्प ने चुनाव प्रचार के दौरान चीन पर टैरिफ बढ़ाने की बात कही थी। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है। ट्रम्प ने अपने शपथ ग्रहण के लिए जिनपिंग को आमंत्रित भी किया है। जिनपिंग ने उपराष्ट्रपति हान झेंग को शपथ ग्रहण में भेजने का फैसला किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने भारत का दौरा करने को लेकर भी अपने सलाहकारों से बात की है। पिछले महीने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की अमेरिकी यात्रा के दौरान, ट्रंप के भारत दौरे को लेकर प्रारंभिक बातचीत भी हुई थी।

तीन और वेंडर मार्केट बनाएगा रांची नगर निगम, एक का डीपीआर तैयार

सैकड़ों दुकानदारों को मिल जाएगा स्थायी आशियाना कर सकेंगे अपना बिजनेस

VIVEK SHARMA @ RANCHI :

राजधानी रांची को जाम मुक्त बनाने को लेकर रांची नगर निगम हर स्तर पर तेजी से काम कर रहा है। एक के बाद एक नई योजनाएं बनाई जा रही हैं। वहीं सड़क किनारे दुकान लगाने वालों को वेंडर मार्केट बनाकर उन्हें बसाया जा रहा है, ताकि सड़कों के किनारे लगने वाला जाम खत्म हो सके। इस कड़ी में रांची नगर निगम शहर में तीन और वेंडर मार्केट बनाने जा रहा है। इसे सैकड़ों दुकानदारों को स्थायी आशियाना मिल जाएगा। रोड किनारे का जाम भी खत्म होगा। बता दें कि रांची नगर निगम की नेशनल अर्बन लाइवलीहुड मिशन (एनयूएलएम) शाखा ने नए वेंडर मार्केट बनाने का प्रस्ताव दिया है।

शेष दो जगहों पर बनाने का दिया प्रस्ताव, चिह्नित की जा चुकी है जमीन

सड़कों पर लगने वाले जाम की समस्या से भी मिलेगी स्थायी मुक्ति

सुरेंद्रनाथ स्कूल के पास है खाली जमीन

निगम की तीन इलाके में वेंडर मार्केट बनाने की योजना है। इसके तहत एचबी रोड स्थित सुरेंद्रनाथ स्कूल की बाउंड्री से सटे खाली जगह पर मार्केट बनाया जाएगा। इसका डीपीआर तैयार हो गया है। वहीं दूसरा वेंडर मार्केट चुटिया थाना के बगल में और तीसरा मार्केट पुरुलिया रोड में बनाया जाना है। इन दोनों इलाके में जगह चिह्नित की जा चुकी है। जल्द ही इसका डीपीआर बनाया जाएगा। इसके बाद मार्केट बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

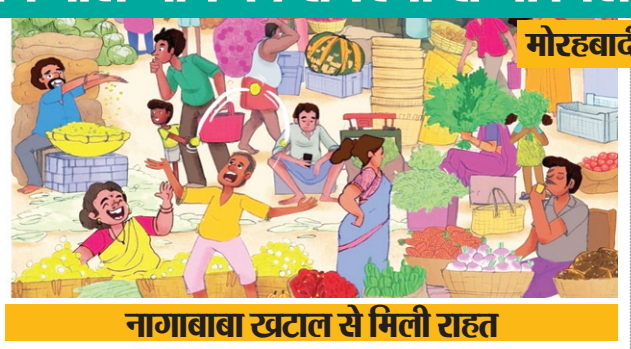

नागाबाबा खटाल से मिली राहत

राजभवन के पास नागाबाबा खटाल में भी सब्जी बाजार सजता था। इसके लिए नागाबाबा खटाल वेजिटेबल मार्केट का निर्माण कराया गया। उसमें भी सैंकड़ों दुकानदारों को जगह दी गई। इससे वहां पर लगने वाला जाम खत्म हो गया। बेसमेंट से लेकर ऊपर तक सब्जी और फल की दुकानें लग रही हैं। सड़क खाली हो गई। इससे जाम की समस्या में कमी आई है।

मोरहबादी में मार्केट बनकर तैयार

नगर निगम ने मोरहाबादी में नया वेंडर मार्केट बनाया है। यहां पर मोरहाबादी स्थित मिनी ट्रांसफर स्टेशन के पास वेंडर मार्केट का निर्माण पूरा होने को है। मोरहाबादी में दुकान लगाने वाले दुकानदारों को बसाने की तैयारी है। इससे मोरहाबादी में रोड पर दुकानें नहीं सजेंगी। इतना ही नहीं, सड़कें भी जाम मुक्त हो जाएंगी। मोरहाबादी मैदान में फिलहाल रोड किनारे सब्जी की दुकानें सज रही हैं। मार्केट बन जाने से दुकानों को मार्केट में शिफ्ट कर दिया जाएगा। इस मार्केट में 198 दुकानदारों के बैठने की व्यवस्था होगी। 4.8 करोड़ की लागत से इस मार्केट का निर्माण कराया जा रहा है।

कोकर डिस्टिलरी मार्केट के कारण जाम में आई कमी

बता दें कि लालपुर चौक से डिस्टिलरी पुल के बीच सड़क किनारे लगने वाले नॉनवेज मार्केट को हटाकर उन्हें डिस्टिलरी पुल के पास बने नए वेंडर मार्केट में शिफ्ट कर दिया गया। दुकानों का शिफ्ट होना सड़क किनारे की सफाई और ट्रैफिक की समस्या को सुलझाने में एक बेहतर कदम साबित हुआ। इसके साथ ही लालपुर से डिस्टिलरी पुल तक सड़क किनारे अब मांसाहारी दुकानों का कोई अतिक्रमण नहीं दिखता। वहीं सैंकड़ों सब्जी वेंडर्स को भी मार्केट के ऊपर शेड बनाकर दुकानें आवंटित की गईं, ताकि अब सड़क पर सब्जी बाजार नहीं लगे।

अटल वेंडर मार्केट में बसाए गए 600 दुकानदार

नगर निगम ने रांची यूनिवर्सिटी के पास में अटल वेंडर मार्केट का निर्माण कुछ साल पहले कराया। इसके बाद एक-एक कर अल्बर्ट एक्का चौक से लेकर शहीद चौक और सर्जना चौक के 600 से अधिक दुकानदारों को मार्केट में बसाया है। इन दुकानदारों के वेंडर मार्केट में शिफ्ट कराए जाने के बाद अल्बर्ट एक्का चौक से भी काफी हद तक जाम से राहत मिली है। हालांकि अब भी कुछ दुकानदार रोड किनारे दुकान लगाकर कारोबार कर रहे हैं। लेकिन, स्थिति पहले जैसी नहीं है।

'मन की बात' का 118वां एपिसोड प्रसारित, प्रधानमंत्री बोले-

विकास के साथ विरासत को भी सहेजना जिम्मेदारी

AGENCY NEW DELHI :

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 118वें एपिसोड में कई मुद्दों को प्रभावशाली अंदाज में प्रस्तुत किया। वर्तमान और भविष्य के माध्यम से विकास और विरासत के प्रति हर भारतवासी के कर्तव्य की ओर संकेत किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि देश के विकास के साथ विरासत को भी सहेज कर रखना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने अपने 30 मिनट के संबोधन में 23, 25 और 26 जनवरी के अलावा रामलला, स्टार्टअप इंडिया, स्पेस सेक्टर, हाथी बंधु, टाइगर रिजर्व, अरुणाचल प्रदेश और निकोबार में वर्जिन कोकोनट ऑयल का भी जिक्र किया। महाकुंभ और रामलला का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महाकुंभ में दुनियाभर से लोग आते हैं। यह सामाजिक समरसता का ऐसा संगम है, जहां ऊंच-नीच से परे लोग एक-दूसरे के साथ पवित्र स्नान करते हैं। भंडारों में भोजन और प्रसाद लेते हैं। कुंभ एकता का महाकुंभ है। उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम को यह एक सूत्र में बांधता है।

देशवासियों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने का आह्वान

- महाकुंभ और रामलला का जिक्र कर इसके सांस्कृतिक-आध्यात्मिक महत्व को समझाया
- संविधान सभा की चर्चा करते हुए गणतंत्र दिवस की प्रमुखता को किया रेखांकित
- अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में हाल के वर्षों की उपलब्धियों से युवाओं को किया प्रेरित

संविधान सभा की चर्चा हमारी बड़ी धरोहर

मोदी ने कहा कि इस बार का 'गणतंत्र दिवस' बहुत विशेष है। संविधान सभा के दौरान अनेक विषयों पर लंबी-लंबी चर्चाएं हुईं। वे चर्चाएं, संविधान सभा के सदस्यों के विचार, उनकी वो वाणी, हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। पीएम ने संविधान को लेकर बाबा साहब अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भाषण के क्लिप सुनाए। पीएम ने कहा- इन महान विभूतियों की वाणी हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 25 जनवरी को नेशनल वोटर्स डे है। इसी दिन चुनाव आयोग की स्थापना हुई थी। देश में जब 1951-52 में पहली बार चुनाव हुए तो कुछ लोगों को संशय था कि देश का लोकतंत्र जीवित रहेगा। लेकिन जनता ने इसे साबित कर दिया कि भारत मदर मर्डर ऑफ डेमोक्रेसी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 23 जनवरी यानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्म जयंती को अब हम 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाते हैं।

इजरायल-हमास में 14 महीने बाद सीजफायर

NEW DELHI : इजरायल और हमास के बीच जंग के 14 महीने बाद सीजफायर लागू हो गया है। इसमें तय समय से करीब 3 घंटे की देरी हुई है। इसे सुबह 11:30 बजे लागू होना था, जो दोपहर 2:45 बजे लागू हो पाया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने दावा किया है कि रेड क्रास की टीम बंधकों को लेने के लिए रवाना हो गई है। हालांकि इजराइल का कहना है कि इन बंधकों को अभी तक इजरायल भेजने की प्रोसेस शुरू नहीं हुई है। आज से लागू हुए सीजफायर के तहत पहले दिन हमास इजरायल के 3 बंधकों की रिहाई करेगा। इन्हें भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे रिहा किया जाना था। हमास की तरफ से जिन बंधकों को रिहा किया जाएगा उनके नाम रोमी गोनेन, एमिली दामारी और डोरोन स्टीनब्रेचर हैं।

गिरफ्तार युवक के बांग्लादेशी होने का शक

सैफ पर हमला करनेवाले एक आरोपी को पुलिस ने दबोचा

AGENCY MUMBAI :

रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुंबई पुलिस ने बताया कि बॉलीवुड एक्टर

सैफ अली खान के घर में घुसकर हमला करने के मामले में एक आरोपी को शनिवार रात 2 बजे ठाणे के एक लेबर कैंप से गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस के डीसीपी गेदाम दीक्षित ने बताया कि बताया कि आरोपी चोरी करने के इरादे से एक्टर के घर में घुसा था। उसके पास भारत का कोई वैध दस्तावेज नहीं है। उसके पास जो चीजें मिली हैं, उनके आधार पर बांग्लादेशी होने का शक है। पुलिस ने यह तो कहा कि आरोपी सैफ अली खान के घर में घुसा था, लेकिन पुलिस ने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि इसी आरोपी ने सैफ पर हमला किया था या नहीं। जब मीडिया ने पूछा कि वारदात के समय वह अकेला था या कुछ और लोग भी साथ थे, तो पुलिस ने कहा- जांच चल रही है।

खूंटी में मिनिमम टेंपरेचर रिकॉर्ड किया गया 6.9 डिग्री सेल्सियस

अभी नहीं मिलेगी कनकनी से राहत

PHOTON NEWS RANCHI :

सामान्य रूप से देखा जाता है कि मकर संक्रांति के बाद ठंड की गति धीमी होती है, लेकिन इस बार कुछ उल्टा हो रहा है। अभी भी कनकनी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं दिख रही है। राजधानी रांची सहित झारखंड के अन्य क्षेत्रों में सर्दी का सितम जारी है। कुछ इलाकों में तो ठंडी हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे चल रहा है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। सुबह में कोहरा छाया रहेगा। लेकिन, इस दौरान धूप रहने पर भी ठंड महसूस हो रही है।

- झारखंड के कई जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से चल रहा नीचे
- चाईबासा में अधिकतम तापमान रहा 30.4 डिग्री सेल्सियस

केंद्र से हरी झंडी, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दी जानकारी

धनबाद में बनेंगे दो 6-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर

PHOTON NEWS RANCHI :

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर जानकारी दी है कि धनबाद स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के बरवाअड्डा-पानागढ़ के पास निरसा और गोविंदपुर क्षेत्र में स्थित मौजूदा फुटपाथ पुनर्निर्माण होगा। इसके अलावा दो 6 लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर के निर्माण को भी केंद्र सरकार ने हरी झंडी दे दी है। इसकी लागत 1130.54 करोड़ रुपये होगी। **झारखंड-बंगाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा :** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जिस सिक्स-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर को मंजूरी दी है, वास्तव में वह झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-19, पुरानी जीटी रोड एनएच-02) का एक हिस्सा है। यह वर्तमान में निरसा और गोविंदपुर के क्षेत्रों से गुजर रहा है। इसमें मौजूदा प्रमुख क्रॉस रोड्स के साथ ग्रेड जंक्शन हैं। इस कॉरिडोर में सुचारू और सुगम यातायात का संचालन हो सकेगा। यह भीड़भाड़ को कम करने में सहायक सिद्ध होगा।

निरसा और गोविंदपुर क्षेत्र में स्थित मौजूदा फुटपाथ का भी होगा पुनर्निर्माण

बिहार को भी मिली है सौगात

इसके अलावा नितिन गडकरी ने बिहार को भी सौगात दी है। उन्होंने बिहार पटना जिले में आमस-दरभंगा राजमार्ग के हिस्से के रूप में, राष्ट्रीय राजमार्ग-119 डी पर रामनगर से कच्ची दरगाह तक सिक्स लेन एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के निर्माण के लिए भी स्वीकृति दी है। इसकी लागत 1082.85 करोड़ रुपए की होगी। इसके अलावा किशनगंज जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 और राष्ट्रीय राजमार्ग-32 ई को जोड़ने वाले एक स्पर के रूप में किशनगंज-बहादुर खंड के फोरलेन निर्माण के लिए स्वीकृति दे दी है।

असम में राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज

GUWAHATI : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ देश में एक और केस दर्ज हो गया है। उनके हाल के एक बयान को आधार बनाकर असम में गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई गई है। हाई कोर्ट के वकील शिकायतकर्ता मोनजीत चेतिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के बयान ने भाषण की उन सीमाओं को पार कर लिया है, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि राहुल ने भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले बयान दिए। बीएनएस की धारा 152 के तहत इसे गैर जमानती अपराध की कैटेगरी में रखा गया है। चेतिया ने शिकायत में लिखा है कि एक ऐसे व्यक्ति का सार्वजनिक मंच से दिया गया बयान, जो वर्तमान में विपक्ष के नेता का पद संभाल रहा है, कोई साधारण राजनीतिक टिप्पणी नहीं है।

- हाल के बयान को बताया देश की संप्रभुता एकता और अखंडता को खतरा में डालने वाला
- बीएनएस की धारा 152 के तहत इसे गैर जमानती अपराध की कैटेगरी में रखा गया

महाकुंभ मेले में लगी आग, जल गए गीता प्रेस के 180 कॉटेज

AGENCY PRAYAGRAJ :

रविवार को प्रयागराज में महाकुंभ के मेला क्षेत्र में शाम करीब साढ़े चार बजे आग लग गई। शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में ये आग लगी। गीता प्रेस के 180 कॉटेज आग में जल गए। अधिकारियों के अनुसार, खाना बनाते समय सिलेंडर ब्लास्ट हो गया था। इसके बाद कई सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। आग बुझाने के लिए 12 फायर ब्रिगेड भेजी गई थीं। फायर ब्रिगेड ने आग पर एक घंटे के भीतर काबू पा लिया। एक संन्यासी के एक लाख रुपये के नोट भी जल गए। मेला सीएफओ (चीफ फायर ऑफिसर) प्रमोद शर्मा ने बताया कि आग से करीब 500 लोगों को बचाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी को फोन कर घटना की पूरी जानकारी ली। आग लगने की घटना से कुछ देर पहले ही उन्होंने हेलिकॉप्टर से महाकुंभ मेला क्षेत्र का जायजा लिया था। महाकुंभ नगरी में फायर ऑपरेशंस के लिए एडवांस्ड फीचर वाले 4 आर्टिकुलेटिंग वॉटर टावर (एलडब्ल्यूटी) तैनात किए गए हैं। इनमें वीडियो-थर्मल इमेजिनिंग जैसा एडवांस सिस्टम है। इसका इस्तेमाल बहुमंजिली और ऊंचाई वाले टेंट की आग बुझाने के लिए किया जाता है।

- खाना बनाते वक्त हुआ सिलेंडर ब्लास्ट, एक घंटे में आग पर पाया गया काबू
- सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का लिया जायजा
- पीएम मोदी ने योगी को फोन कर ली पूरी घटना की जानकारी

खतरे में सेहत इस तत्व की अपेक्षा से अधिक मौजूदगी भविष्य के लिए चिंताजनक

बच्चों का आईक्यू लेवल घटा रही पानी में फ्लोराइड की मात्रा

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

यदि भोजन में पोषक तत्वों की दृष्टि से देखा जाए तो खनिज लवणों में क्लोरीन, फ्लोरीन और आयोडीन की उपयुक्त मात्रा अत्यंत जरूरी है। उनकी आवश्यकता भोजन में अत्यंत अल्प है, लेकिन जैविक क्रियाओं के संचालन में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर इनकी मात्रा किसी कारणवश अधिक होती है, तो यह लंबे समय के लिए अधिक खतरनाक भी साबित होते हैं। हाल में हुए रिसर्च में यह सच्चाई सामने आई है। पहली बार वैज्ञानिकों ने बच्चों में फ्लोराइड एक्सपोजर और आईक्यू लेवल के बीच संबंध का अध्ययन किया है। इस संबंध में व्यापक स्तर पर सबूत जुटाए गए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि वैसे तो पानी में फ्लोराइड की अधिक मात्रा हर किसी की सेहत पर नकारात्मक असर डालता है। कई बीमारियों को पैदा करने का मार्ग प्रशस्त करता है। लेकिन, इसकी चपेट में सबसे ज्यादा गंभीरता से बच्चों की सेहत आती है, क्योंकि इसके प्रभाव से उनका बौद्धिक विकास अवरुद्ध होने लगता है।

पहली बार वैज्ञानिकों ने फ्लोराइड एक्सपोजर और बौद्धिक विकास का किया अध्ययन

झारखंड के 16 और बिहार के 13 जिलों के जल में पाया गया है अधिक फ्लोराइड

- धीमी गति से प्रभाव डालने वाली यह स्थिति बाद में बन जाती है गंभीर
- जर्नल ऑफ द जेएएमए पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित की गई है विस्तृत जानकारी
- व्यापक स्तर पर जुटाए गए हैं निष्कर्षों के तथ्य सतर्कता बरतने पर जोर
- एक लीटर पानी में 1.5 मिलीग्राम फ्लोराइड की मौजूदगी मानी जाती है सुरक्षित

भारत सहित 10 देशों के शोधकर्ताओं ने संयुक्त रूप से की है व्यवस्थित स्टडी

भू-जल में आवश्यकता से अधिक उपस्थिति

रिपोर्ट से पता चलता है कि भू-जल या सरकारी जलापूर्ति में फ्लोराइड की मात्रा अगर तय सीमा से अधिक है और उसका एक्सपोजर बार-बार हो रहा है, तो बच्चों में उनका आईक्यू का स्तर उतना ही कम होने की आशंका बढ़ जाती है। यह अध्ययन जेएएमए पीडियाट्रिक्स में पब्लिश किया गया है।

क्वांटिटी में कमी भी पहुंचाती है हानि

शोध के दौरान यह पता चला है कि बच्चों के मूत्र में फ्लोराइड की मात्रा एक मिलीग्राम प्रति लीटर है। यह स्थिति आईक्यू लेवल में 1.63 अंक की कमी दर्ज करती है। उच्च मात्रा में फ्लोराइड की न्यूरो टॉक्सिसिटी के बारे में तमाम जानकारियां मौजूद हैं, लेकिन इस अध्ययन का एक सुझाव यह भी है कि 1.5 मिलीग्राम/लीटर से कम मात्रा भी बच्चों में आईक्यू लेवल को नुकसान दे सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन एक लीटर पानी में 1.5 मिलीग्राम तक फ्लोराइड को सुरक्षित मानता है। भारत के संदर्भ में इस नई स्टडी का महत्व इस रूप में है कि साल 2022 में केंद्र की एक रिपोर्ट में 23 राज्यों के 370 जिलों में पानी अधिक फ्लोराइड युक्त पाया था। इसमें उत्तर प्रदेश के 36 और मध्य प्रदेश में 44 जिले ऐसे हैं, जहां भूजल में फ्लोराइड जरूर से अधिक पाया गया।

BRIEF NEWS

बस पलटी, तीन की मौत, एक दर्जन घायल

GOMIA : बेरमो से हजारीबाग के लिए चलने वाली नेहा सवारी बस रविवार शाम को विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के नेरकी के पास पलट गई। घटना में मौके पर ही तीन सवारियों की मौत हो गई जबकि एक दर्जन से अधिक लोग बस में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें तीन लोग गंभीर हैं। बताया जा रहा है कि बस का टायर ब्लास्ट हो जाने से घटना घटी। घटना के बाद पहुंचे लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान यहां चीख पुकार से माहौल गमगीन हो गया। घायलों को गोमिया और विष्णुगढ़ अस्पताल ले जाया गया है।

गिरिडीह एसपी ने की रात्रि गश्त

GIRIDIH : पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार लगातार शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने शनिवार की रात खोरीमहुआ अनुमंडल क्षेत्र में गश्त की। इस दौरान देर रात उन्होंने धनवार थाने का औचक निरीक्षण किया। साथ ही सड़कों पर मिलने वाले लोगों से पूछताछ भी की। इसके बाद एसपी गिरिडीह-जमुआ पथ पर निकल पड़े। रास्ते में पड़ने वाले हिरोडीह थाने का भी निरीक्षण किया। उन्होंने काफी समय मंडरो बाजार और कोदबरी चौक पर बिताया। इस दौरान उन्होंने हीरोडीह थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हीरोडीह पुलिस से आवश्यक जानकारी ली। गश्त के दौरान एसपी ने देर रात ही देवरी के कई इलाकों का भी निरीक्षण किया। गश्ती के दौरान मिलने वाले पुलिस अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए।

इग्नू जन-जन का विवि है : क्षेत्रीय उपनिदेशक

LOHARDAGA : बलदेव साहु महाविद्यालय में इग्नू अभिप्रेरणा की बैठक रविवार को हुई। मौके पर इग्नू के क्षेत्रीय उप निदेशक डॉ मोती राम उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि इग्नू जन जन का विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा की विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय इग्नू है यहां के शिक्षार्थी विभिन्न जगह से आते हैं चाहे वह गृहिणी हो, नौकरी पेशा हो, व्यापार करने वाले हो, चाहे छात्र हो सभी के लिए इग्नू में पढ़ने की व्यवस्था भारत सरकार के जरिये की गई है। उन्होंने विस्तार से इग्नू के बारे में छात्रों को जानकारी दी नामांकन से लेकर असाइनमेंट बनाने के तरीके परीक्षा फॉर्म भरने री रजिस्ट्रेशन कराने परीक्षा फॉर्म भरने किसी प्रकार की कोई त्रुटि रहने पर सारी जानकारी इग्नू के वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने छात्रों को बताया कि इग्नू तीन भागों में विभक्त है। पहला स्टडी सेंटर दूसरा रीजनल सेंटर और तीसरा मुख्य कार्यालय दिल्ली छात्र तीनों से संपर्क स्थापित कर अपना कैरियर को बेहतर बना सकते हैं।

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

KHUNTI : नालसा दिल्ली और झालसा रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में रविवार को खूंटी जिले के सभी छह प्रखंड मुख्यालयों में प्रखंड स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य सुदूरवर्ती क्षेत्र कें लोगों को मुख्य धारा से जोड़ना है और उनके निकटवर्ती प्रखंड में सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ देना है। शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार, जिला जज प्रथम संजय कुमार, जिला द्वितीय राकेश कुमार मिश्रा, जिला जज तृतीय प्राची मिश्रा,,डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर, अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी विद्यावती के जरिये आम जनों के बीच कंबल, ट्राई साइकिल, धोती-साड़ी योजना, कृषि एवं वानिकी से संबंधित योजना, बकरी पालन, पशुधन गाय पालन, मातृत्व वंदना, सावित्रीबाई फुले योजना, किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, केसीसीसी योजना, जेएसएलपीएस एवं अन्य का लाभ आमजन को दिया गया। इन छह प्रखंडों में 489 लाभुकों ने शिविर में उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ लिया। इनके बीच कुल तीन करोड़, तीरपन लाख, बहतर हजार, तीन सौ की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

अपहर्ता ने बहन को पास कराने के लिए दिए थे दो लाख : एसपी

धनंजय ने जब पैसे नहीं लौटाए तो भाई ने बनाई अपहरण की योजना

AGENCY RAMGAH : रामगढ़ शहर के बाजारटांड़ में एक ठेकेदार धनंजय कुमार सिंह के अपहरण कांड पर एसपी अजय कुमार ने नया खुलासा किया है। रविवार को संवाददाता सम्मेलन में एसपी ने बताया कि अपहरणकर्ता अमित ने वर्ष 2017 में धनंजय कुमार को दो लाख रुपए दिए थे। इतनी मोटी रकम उसने अपनी बहन की परीक्षा पास कराने के लिए धनंजय को दिया था। क्योंकि धनंजय ने उसे शिक्षा विभाग में अच्छी पैठ होने की बात कही थी। जब उसकी बहन परीक्षा पास नहीं कर पाई, तब अमित ने धनंजय से दो लाख रुपए मांगना शुरू किया। पिछले आठ वर्षों में जब धनंजय ने उसे वह रुपए नहीं दिए, तब अमित ने अपहरणकर्ता और फिरौती मांगने की योजना बनाई।

मामले की जानकारी देते एसपी अजय कुमार ● फोटोन न्यूज

रामगढ़ शहर के बाजारटांड़ में कुलदीप साहू के घर में वह किराए पर रुका। यहां सांडी निवासी रवीश मुंडा के साथ मिलकर अपहरण की योजना बनाई। रवीश मुंडा कोयला का कारोबारी था। इसीलिए धनंजय को इन लोगों ने कारोबार का ही झांसा दिया। 18 जनवरी को जब धनंजय रामगढ़ पहुंचा तो रवीश और अमित ने उसे इस किराए के मकान में बंधक बनाकर रखा। इस दौरान उसकी कनपटी पर बंदूक तानी। पहले तो उसके मोबाइल से एक लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करने की कोशिश की गई। लेकिन नहीं होने पर 50 हजार रुपए फोन पे के माध्यम से ट्रांसफर किया गया। साथ ही नगद चार हजार ही उन लोगों ने छीन लिए। इस दौरान धनंजय को नशे का इंजेक्शन भी दिया गया, ताकि कुछ दस्तावेज पर हस्ताक्षर कराया जाए। धनंजय कुमार को कमरे में बंद कर अमित और रवीश जब बाहर निकले तो किसी तरह धनंजय ने अपना हाथ रस्सी से बाहर निकाला। इसके बाद मुंह पर लगे टेप को हटाया और खिड़की से राह चलते लोगों से मदद मांगी। शोर सुनकर लोगों ने सूचना पुलिस को दी।

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वह अपराधी घर के बाहर ही मौजूद था। रवीश और अमित को पुलिस ने मामले में गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से पुलिस ने नाइन एमएम पिस्टल, छह जिंदा गोली, नशीला इंजेक्शन बरामद किया है।

युवक का पेड़ पर लटका शव बरामद

CHATRA : प्रतापपुर थाना क्षेत्र के परहियाडीह जंगल से एक बरगद के पेड़ से लटका हुआ एक युवक का शव पुलिस ने रविवार को बरामद किया है। मृत युवक की पहचान प्रतापपुर थाना क्षेत्र के हरहद गांव निवासी रंजय पासवान (24) के रूप में की गयी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई राजकपुर पासवान ने हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि रंजय पासवान की हत्या कर साक्ष्य को छुपाने के लिए उसके शव को पेड़ से लटका दिया गया है। रंजय पासवान गत शुक्रवार को प्रतापपुर दोस्त से आधार कार्ड मांगने गया था। तब से वह अपने घर नही आया था। इसके बाद परिवार में काफी खोजबीन किया। मृतक मुंम्बई में मजदूरी का काम करता था।

पुलिस ने 5 एकड़ में लगी अफीम की फसल को कर दिया नष्ट

चौपारण थाना के जगोडीह जंगल में लगाई गई थी पोस्ता की खेती

AGENCY HAZARIBAG : जिले के चौपारण थाना क्षेत्र के जगोडीह जंगल में पुलिस ने लगभग पांच एकड़ वन भूमि पर लगे अवैध अफीम पोस्ता की खेती को रविवार को नष्ट किया गया। अफीम की खेती के खिलाफ जिले भर में निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई से तस्करों के मंसूबों को बड़ा झटका लगा है। एसपी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि चौपारण के आस पास अफीम तस्करों के जरिये अफीम की खेती की जा रही थी, जिसे अभियान चलाकर नष्ट कर दिया गया। पुलिस और वन विभाग के संयुक्त कारवाई करते हुए चिन्हित स्थान पर छापेमारी की। पुलिस जब स्थल पर पहुंची तो वहां पाया गया कि अफीम के पौधे उग आए हैं। एसपी ने कहा कि पुलिस के जरिये अफीम की खेती के खिलाफ लगातार कार्रवाई भी की जा रही है और उसे नष्ट भी किया जा रहा है। यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के जरिये अफीम की खेती करने वाले लोगों को भी चिन्हित करने का कार्य किया जा रहा है और ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

खेत में पहुंचे पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

पारा-मेडिकल स्टूडेंट को जल्द मिलेगा हॉस्टल

DHANBAD : पारा-मेडिकल स्टूडेंट को अब बहुत जल्द हॉस्टल मिल जाएगा। 3 वर्ष से बनकर तैयार नवनिर्मित पारा-मेडिकल हॉस्टल में बिजली का काम जल्द शुरू होगा। मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने इस संबंध में बिजली विभाग को 12 लाख रुपये का आवंटन कर दिया है। बिजली विभाग की ओर से यहां ट्रांसफर्मर और वायरिंग का काम जल्द शुरू किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट पिछले 3 वर्षों से हॉस्टल आवंटन को लेकर की मांग कर रहे हैं। हॉस्टल 2020 में बन कर तैयार हुआ था। इधर स्वास्थ्य विभाग के निदेशक प्रमुख डॉ. चंद्र किशोर शाही ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को पत्र लिखकर अतिशीघ्र हॉस्टल मुहैया कराने का निर्देश दिया है। पारा-मेडिकल स्टाफ एसोसिएशन के राजू कुमार महतो ने बताया कि हॉस्टल बनने के बात भी स्टूडेंट को अलॉट नहीं किया जा रहा है। स्थिति यह है कि पारा-मेडिकल की पढ़ाई करने वाले अधिकांश छात्र ग्रामीण इलाके से आते हैं। किराए के मकान में सभी को रहना पड़ रहा है। ऐसे में स्टूडेंट को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। कई बार स्टूडेंट ने इसे लेकर आंदोलन भी किया है।

उरीमारी के लुरुंगा जंगल में चाल धंसने से दो की मौत

इसी चाल के धंसने से गई मजदूरों की जान ● फोटोन न्यूज

RAMGARH : हजारीबाग जिले के उरीमारी थाना क्षेत्र अंतर्गत लुरुंगा जंगल में कोयले का अवैध कारोबार बड़े पैमाने पर चल रहा है। मजदूर अवैध माइंस में घुसकर कोयले का खनन कर रहे हैं। शनिवार की शाम लुरुंगा जंगल में अवैध माइंस में चाल धंसने से दो मजदूरों की मौत होने की खबर है। मृतको में लुरूंगा बस्ती निवासी राहुल कुमार गंझू और रवि कुमार गंझू नामक युवक शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव के लोग घटनास्थल पर जुड़ गए और सब को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में हजारीबाग एसपी अरविंद सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह यह पता चला है की मोटरसाइकिल से कुछ मजदूर कोयला निकालने के लिए गए हुए थे। जिसमें से दो मजदूर चाल धंसने से मरे हैं। इस मामले में ग्रामीणों के बयान के आधार पर कार्रवाई होगी।

मवेशी के शिकार को लगाया गया बम फटा, तीन अंगुलियां उड़ीं

PALAMU : पलामू में बम की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। बम मवेशी के शिकार के लिए लगाया गया था, मगर मवेशी चराने गया व्यक्ति के हाथ में बम फट गया। बम से जगदीश बैठा के हाथ की तीन अंगुलियां उड़ गई हैं। घटना नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र की रिसियप्पा गांव के जंगल में शनिवार की देर शाम हुआ। जगदीश अपने मवेशियों को लेकर जंगल में चराने गया था। इसी क्रम में जंगल में वह जिस स्थान पर बैठा था वहां पलाश के पत्ता का ढेर था। पत्तों पर हाथ रखने के साथ ही विस्फोट हो गया। जख्मी हालत में जगदीश अपने घर पहुंचा तो लोगों को घटना की जानकारी हुई। परिजन उसे इलाज के लिए छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। रविवार को प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है। नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने रविवार को बताया कि जंगली जानवर के शिकार के लिए किसी ने बम लगाया था। लेकिन बम की चपेट में ग्रामीण आ गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और बम लगाने वाले व्यक्ति का पता लगा रही है। जंगली इलाकों में जानवरों के शिकार के लिए लोग देसी बम का इस्तेमाल करते हैं।

घायल चरवाहा

ग्लोबल ट्राइबल क्वीन ऑफ अर्थ अभिजल कंडुलना सम्मानित

KHUNTI : ग्लोबल ट्राइबल क्वीन ऑफ इंडिया तथा ग्लोबल ट्राइबल क्वीन ऑफ अर्थ का खिताब जितने वाली रनिया प्रखंड की बलंकेल निवासी अभिजल कंडुलना को रविवार को तोरपा में सम्मानित किया गया। विधायक सुदीप गुड़िया, एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा तथा जिला बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद ने उसे शॉल ओढ़ाकर तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मौके पर विधायक ने कहा कि अभिजल ने अपने संघर्ष से जो मुकाम हासिल किया है, वह आदिवासी लड़कियों के लिए रोल मॉडल है। उन्होंने कहा उन्हें आगे बढ़ने के लिए जो भी मदद की जरूरत होगी, वे करेंगे। मौके पर तोरपा के एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने कहा कि ईमानदारी से प्रयास करने से सफलता जरूर मिलती है।

सऊदी अरब में मृत युवक के परिजनों से मिले पूर्व मंत्री, दिया मदद का भरोसा

AGENCY PALAMU : सऊदी अरब में मृत पलामू के डाल्टेनगंज के युवक सद्दाम हुसैन का शव वापस लाने में दिक्कत आ रही है। परिजनों से रविवार को पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने मुलाकात की, जिसमें उन्होंने शव मंगाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। पूर्व मंत्री ने इस मामले में राज्य के श्रम मंत्री से बात की है। भारतीय दूतावास से भी संपर्क साधा जा रहा है।

परिजनों से मिलने पहुंचे पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ● फोटोन न्यूज

17 जनवरी को सऊदी अरब में हुई थी मौत : मजदूरी करने के लिए सऊदी अरब गए डाल्टेनगंज के मुस्लिम नगर निवासी सद्दाम हुसैन की 17 जनवरी को अचानक मौत हो गई थी। घटना के 48 घंटे बाद से परिजन शव को वापस लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं और जिला प्रशासन, केंद्र एवं झारखंड सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

शव वापस लाने में आ रही बाधा : पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी मेदिनीनगर के मुस्लिम नगर स्थित मृतक के घर पहुंचे और परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि वे परिवार के साथ हैं और हरसंभव प्रयास करेंगे, ताकि सद्दाम का शव डाल्टेनगंज लाया जा सके। पूर्व मंत्री ने झारखंड के श्रम मंत्री से भी बात की और भारतीय दूतावास के माध्यम से शव लाने की दिशा में पहल करने की बात कही।

पिछले साल जुलाई में अरब गया था युवक : इसी बीच, मृतक के परिजनों ने रविवार को पलामू के श्रम अधीक्षक को आवेदन देकर घटना की पूरी जानकारी दी और शव मंगवाने के साथ-साथ परिवार को मुआवजा देने की मांग की।

पलामू मेडिकल कॉलेज की सदर एसडीओ ने की औचक छापेमारी, शराब और गांजा बरामद

हॉस्टल में छात्रों के कमरे में मिले लड़कियों के कपड़े

AGENCY PALAMU : पलामू जिले में मेदिनीनाराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में शनिवार की रात एक बड़ी कार्रवाई हुई, जब सदर एसडीओ सुलोचना मीणा ने पुलिस बल के साथ कॉलेज में औचक छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान मेडिकल कॉलेज के छात्रों में अफरातफरी की स्थिति पैदा हो गई। कई छात्र अपने कमरे बंद कर चुपचाप निकल गए। छापामारी में मेडिकल कॉलेज के हॉस्टलों से आपत्तिजनक सामान बरामद हुए। इसकी जानकारी मिलने के बाद छात्र-छात्राएं आक्रोशित हो गए और उन्होंने घंटों प्रदर्शन किया।

शिकायत मिलने के बाद हुई छापामारी

रविवार को सदर एसडीओ ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में नशेबाजी और विधि व्यवस्था को लेकर शिकायतें मिली थीं। इसके बाद दंडाधिकारी की मौजूदगी में हॉस्टल की तलाशी ली गई। सुलोचना मीणा और पुलिस टीम ने गर्ल्स और ब्वॉयज हॉस्टल के कमरों की जांच की। जांच के दौरान कई कमरे अंदर से बंद मिले, जिन्हें खोलने में परेशानी आई। अंततः इन कमरों से शराब की बोतलें, गांजा और लड़कों के कमरे से लड़कियों के कपड़े भी बरामद हुए।

मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से बरामद सिगरेट, गांजा व शराब की बोतलें ● फोटोन न्यूज

छात्रों ने किया हंगामा

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब तक छात्रों पर कोई पाबंदी नहीं थी, लेकिन जब उन्होंने कड़ी कार्रवाई की तो विद्यार्थी उन पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। प्रिंसिपल के कड़े कदम के विरोध में छात्रों ने हंगामा किया और उन्हें घेर लिया।

इंद्रियां माया रूपी जोंक है, जो विषयों में डालकर दुख देती हैं : महाराज

KHUNTI : महर्षि मेंही आश्रम शांतिपुरी मुरहू में चल रहे दो दिवसीय सत्संग में प्रवचन करते हुए रविवार को स्वामी प्रमोद जी महाराज ने कहा कि दुनिया में सभी सुख चाहते हैं। इसके लिए जतन भी करते हैं, पर इसके लिए सही युक्ति सद्गुरु का बताया गया भक्ति मार्ग ही है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि धरती का धूल गिना जा सकता है, पर परमात्मा के नाम की गिनती नहीं हो सकती। गुरु भी परमात्मा का ही एक नाम है और भगवान श्रीराम भी कहते हैं मोते अधिक संत कर लेखा, यानी बिना सच्चे संत का संग किये सच्चा सुख नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर से कोई स्थान खाली नहीं है। इंद्रियां माया रूपी जोंक है, जो हमें विषयों में डालकर दुःख देती हैं। सत्संग से मन निर्मल और मनुष्यों के सारे कष्टों का समाधान हो जाता है। हमें बस गुरु के बताए मार्ग पर चलकर नशा, हिंसा, झूठ, चोरी, व्यभिचार रुपी पांच पाप त्याग कर ध्यान भजन सत्संग करना चाहिए। स्वामी परमानंद जी महाराज ने कहा कि जीव परमात्मा का अंश है। जैसे एक मिट्टी के ढेले को उछाल दीजिए, वह नीचे गिर कर रुकता है, शांत हो जाता है, वैसे ही हमारी आत्मा परमात्मा से भक्ति मिलन को प्राप्त कर संतुष्ट होती है।

फिर शुरू होगा एकलव्य और आश्रम विद्यालय : चमरा लिंडा

मंत्री चमरा लिंडा का स्वागत करते लोग ● फोटोन न्यूज

RAMGARH : झारखंड के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा हजारीबाग जाने के दौरान रविवार को रामगढ़ के मांडू में रुके। यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव फागू बेसरा ने उनका स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए चमरा लिंडा ने कहा कि झारखंड में एक बार फिर एकलव्य विद्यालय और आश्रम विद्यालय की शुरूआत की जाएगी। जिन स्थानों पर पहले से इन विद्यालयों का निर्माण हो चुका है, वहां पढ़ाई अभी बंद है। लेकिन सरकार योजनाबद्ध तरीके से उन विद्यालयों में शिक्षा देने की शुरूआत करेगी। आदिवासी समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा उपलब्ध हो, इसके लिए हेमंत सोरेन की सरकार ने पहले भी बड़े फैसले लिए हैं। यहां के बच्चों को पढ़ने के लिए इंग्लैंड भेजने का फैसला भी सरकार ने लिया है। कई बच्चे स्कॉलरशिप पर वहां पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन देश में भी झारखंड के बच्चे बेहतर सेवा दे सकें, इसलिए यूपीएससी, इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई के लिए भी सरकार योजना बना रही है।

BRIEF NEWS

राजद की ओर से बुजुर्गों में किया गया कंबल वितरण

RANCHI : रविवार को कोकर राष्ट्रीय जनता दल द्वारा पूर्व महानगर अध्यक्ष अर्जुन यादव के नेतृत्व में कोकर अखड़ा कोचा तिरिल बस्ती में कंबल वितरण किया गया। इसमें ज्यादातर बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं शामिल थी। इस अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं और कार्यकताओं ने पार्टी के सिद्धांतों व नीतियों का प्रचार-प्रसार करते हुए बुजुर्गों को कंबल प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अर्जुन यादव ने कहा कि हमारी प्राथमिकता यही है कि हम घर-घर जाकर लालू जी की नीतियों और सिद्धांतों के बारे में लोगों को बताएं। मौके पर सुनील टोप्पो, अरुण यादव, मुरारी साहू, हरि राय, विजय लोहार, पप्पू लोहार, सुनील उरांव, लालू उरांव मौजूद थे।

ठगी के आरोपियों के खिलाफ इश्तेहार चस्पा

RANCHI : पिठोरिया पुलिस ने ठगी के आरोपियों- जय प्रकाश उरांव और हेमलता खलखो के घर पर इश्तेहार चस्पा किया है। पुलिस ने पिठोरिया थाना में दर्ज कांड संख्या 04/2023 में यह कार्रवाई की है। आरोपियों के खिलाफ आईपीसी धारा 406, 420, 504, 506, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। अब दोनों आरोपी फरार चल रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट से नोटिस निकालकर दोनों आरोपियों के घर पर इश्तेहार चिपकाया।

रांची से महाकुंभ के लिए चालू हो गई स्पेशल ट्रेन

RANCHI : रेलवे ने रांची से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ जाने के लिए रविवार से स्पेशल ट्रेन संख्या 08067 की शुरूआत की है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची रेलवे स्टेशन से टूंडला के लिए महाकुंभ स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। महाकुंभ स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। उन्होंने उनसे झारखंड की सुख-समृद्धि के लिए भगवान से आशीर्वाद मांगने का भी आग्रह किया।

गंगाधर राव हत्याकांड में तीन अपराधी गिरफ्तार

RANCHI : रांची के तमाड़ पुलिस ने गंगाधर राव हत्याकांड मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में विवेक सिंह मुंडा, विजय लोहरा, सचिन मुंडा शामिल हैं। गिरफ्तार तीन अपराधी मधुकम प्लांट के मैनेजर गंगाधर राव की हत्या में शामिल थे। पुलिस की पूछताछ में तीनों ने अपना अपराध स्वीकार किया।

34.5 एकड़ अफीम की खेती नष्ट, एक अरेस्ट

RANCHI : रांची पुलिस अफीम की खेती के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में तमाड़, बुंडू, राहे, नामकुम, सोनाहातु और दशामफॉल थाना क्षेत्र में अवैध रूप से किए जा रहे अफीम की खेती को ट्रैक्टर तथा ग्रास कटर मशीन ने नष्ट किया गया। सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र में जंगल झाड़ में लगभग 34.5 एकड़ लगे अफीम को विनष्ट किया गया। इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी धनीराम महतो को अरेस्ट कर जेल भेज दिया।

कुख्यात सजाउद्दीन के दो गुर्गों के घर पुलिस ने चस्पा किया इश्तेहार

CRIME REPORTER RANCHI : कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन अंसारी को जेल भेजने के बाद पिठोरिया पुलिस ने उसके गिरोह पर भी नकेल कसना शुरू कर दिया है। रविवार को पुलिस ने अपराधी शाहिद उर्फ छोटू और फारुक अंसारी के घर पर इश्तेहार चिपकाया है। पुलिस ने अपराधियों के परिजनों को जल्द से जल्द सरेंडर करवाने की हिदायत भी दी है। पिठोरियो थाना में दर्ज कांड संख्या 33/24 में पुलिस ने यह कार्रवाई की है। यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। अपराधी सजाउद्दीन अंसारी, शाहिद उर्फ छोटू और फारुख ने आजाद नाम के युवक के साथ मारपीट की थी। इसी मारपीट के मामले में ये नामजद हैं। शाहिद उर्फ छोटू और फाहरुख गिरफ्तारी की डर से फरार चल रहे हैं। सजाउद्दीन के जेल जाने के बाद गिरोह के सभी गुर्गों में डर बैठ गया है। बता दें कि पुलिस ने 14 जनवरी को कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन को कांके थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। वह अपना हुलिया बदलकर छिपा हुआ था। रांची के अलग-अलग थानों में सजाउद्दीन के खिलाफ दर्जनों मामले दर्ज हैं। प्रशासन ने उसे जिला बदर भी किया था।

फरार चल रहे हैं अपराधी शाहिद उर्फ छोटू व फारुख अंसारी, पिठोरियो थाना में दर्ज कांड संख्या 33/24 में की गई कार्रवाई

21 मार्च 2024 को दर्ज हुई थी एफआईआर

आजाद ने 21 मार्च 2024 को पिठोरिया थाना में एफआईआर दर्ज कराई थी। दरअसल, एक जमीन मामले की जांच करने सीआईडी के अधिकारी पिठोरिया थाना क्षेत्र के इलाके में पहुंचे थे। इस दौरान सीआईडी को अपना बयान दर्ज करा रहे वादी आजाद सहित अन्य लोगों पर कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन अंसारी, शाहिद उर्फ छोटू और फाहरुख अंसारी व अन्य अपराधियों ने हमला कर दिया था। इस हमले में आजाद घायल हो गया था। इसके बाद आजाद ने सात नामजद के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इसमें कुख्यात सजाउद्दीन, शाहिद उर्फ छोटू, फारुख अंसारी, तमजीद अंसारी, इरशाद अंसारी, बब्लू अंसारी और साहिल अंसारी को आरोपी बनाया गया था।

फरार अपराधियों के घर पर इश्तेहार चिपकाती पिठोरिया पुलिस।

चार को कोर्ट से मिली थी जमानत

घटना में शामिल सभी अपराधियों ने कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी। घटना में शामिल तमजीद अंसारी, इरशाद अंसारी, बब्लू अंसारी, साहिल अंसारी को कोर्ट ने जमानत दे दी थी। कुख्यात सजाउद्दीन अंसारी, शाहिद उर्फ छोटू और फारुक अंसारी की बेल कोर्ट ने रिजेक्ट कर दी थी। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी। शाहिद उर्फ छोटू और फारूक अंसारी अब भी फरार हैं। इस बीच सजाउद्दीन को पुलिस ने अरेस्ट कर जेल भेजा था। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट के द्वारा जारी इश्तेहार को चस्पा किया।

एक महीने के अंदर तीन वारदात को दिया था अंजाम

नवंबर-दिसंबर 2024 के बीच रांची के अलग-अलग थानों में सजाउद्दीन पर गंभीर धाराओं में तीन मामले दर्ज किए गए थे। जिसमें रंगदारी, जानलेवा हमला, लूटपाट, मारपीट व अन्य शामिल हैं। गिरफ्तारी नहीं होने से सजाउद्दीन का मनोबल बढ़ता जा रहा था। रंगदारी, जमीन पर कब्जा, मारपीट जैसे घटनाओं को सजाउद्दीन लगातार अंजाम दे रहा था। सजाउद्दीन की गिरफ्तारी से लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास जगा है। कुख्यात सजाउद्दीन पर रांची के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्जनों मामले दर्ज हैं। पिठोरिया थाना में 12/19, 97/20, 128/20, 22/2022, 135/23, 12/24, 33/24, 46/24, 135/24 व लोअर बाजार थाना में 314/24 कांड संख्या दर्ज हैं। सभी मामले में गंभीर धाराएं हैं।

रंगदारी के लिए दिया था घटना को अंजाम, दो मजदूरों को लगी थी गोली

ओरमांझी फायरिंग केस : गैंगस्टर सुजीत का साला सहित दो गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : रांची में रंगदारी के लिए लगातार घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। एक तरफ अपराधी नई-नई घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, दूसरी ओर पुलिस भी रेस है। लगातार अपराधियों को दबोच कर जेल भेज रही है। इस बीच पुलिस ने फिर दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों अपराधियों ने रंगदारी के लिए जानलेवा हमले को अंजाम दिया था। दो लोगों को गोली मारकर जख्मी भी कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने सुजीत सिन्हा की पत्नी के भाई डेविल को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सुजीत सिन्हा गैंग के दोनों अपराधियों को जेल भेज दिया। गिरफ्तार अपराधियों में विक्की वर्मा उर्फ सशांक उर्फ डेविल और आयुष राज उर्फ छोटू शामिल हैं। विक्की वर्मा गैंगस्टर सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया का भाई है। पुलिस ने इनके पास से बैग, टैब, मोबाइल और डायरी को बरामद किया है। पूरे मामले की जानकारी ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने रविवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर दी।

पुलिस ने इनके पास से बैग, टैब, मोबाइल और डायरी की बरामद

गिरफ्तार अपराधियों के बारे में मीडिया को जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

विक्की के खिलाफ पहले से दर्ज हैं कई मामले

एसपी ने बताया कि विक्की वर्मा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। लालपुर और कांके थाना में इसके खिलाफ केस दर्ज है। इस मामले में पुलिस ने एक अपराधी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना में शामिल अन्य अपराधियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

पकड़ने के लिए बनी थी एसआईटी

एसपी ने बताया कि पिछले साल नवंबर में ओरमांझी में काम कर रहे दो मजदूरों को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। दोनों को अपराधियों ने एक-एक गोली मारी थी। इसके मामले में ओरमांझी थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई था। मामले का खुलासा करने के लिए सिल्ली डीएसपी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी की जांच में यह पता चला कि इस घटना को सुजीत सिन्हा गैंग ने अंजाम दिया है। इसके बाद एसआईटी ने कार्रवाई करते हुए दोनों अपराधियों को अरेस्ट कर लिया।

छत्तीसगढ़ व रांची से पकड़े गए अपराधी

एसएसपी ने बताया इस मामले में पुलिस ने पूर्व में अपराधी जिशान सेख उर्फ रिक्की को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में रिक्की में अपने साथियों का नाम बताया था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विक्की वर्मा उर्फ सशांक उर्फ डेविल को छत्तीसगढ़ के रायपुर और आयुष राज उर्फ छोटू शामिल को विकास गोलचक्कर, शालीमार नर्सरा के पास से गिरफ्तार किया। अपराधियों को गिरफ्तार करने में एटीएस के तकनीकी शाखा और रांची जिला के तकनीकी शाखा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। 22 नवंबर 2024 को ओरमांझरी थाना क्षेत्र के ग्राम डाहु स्थित फटाही प्लॉट (चिड़िया घर के बगल में) में संजीव जायसवाल अपने साइट पर काम करवा रहे थे। इस दौरान बाइक सवार दो अपराधी पहुंचे और गोलीबारी कर दी। इस घटना में उनके स्टाफ जावेद और आजाद घायल हो गए थे। दोनों को एक-एक गोली लगी थी।

डॉ. मृत्युंजय सिंह बने झारखंड स्टेट हेल्थ सर्विसेज एसोसिएशन के सचिव

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को झारखंड स्टेट हेल्थ सर्विसेज एसोसिएशन (झासा) के वर्तमान सत्र का चुनाव संपन्न हो गया। चुनाव प्रक्रिया 4 बजे तक चली। इसके बाद मतों की गिनती की गई। शाम 4:30 बजे चुनाव परिणाम घोषित किया गया। झासा के चुनाव में डॉ. विमलेश सिंह निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए थे। चूंकि अध्यक्ष पद के लिए एक और उम्मीदवार ने नामांकन किया था। लेकिन, चुनाव से पहले और नामांकन खत्म होने के साथ ही उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। कोल्हान के उपाध्यक्ष पद पर डॉ. जगन्नाथ हेंब्रम ने 138 वोटों के साथ जीत दर्ज की। इसके अलावा सचिव पद पर डॉ. ठाकुर मृत्युंजय सिंह ने जीत दर्ज की। सचिव पद पर डॉ. ठाकुर मृत्युंजय सिंह ने 899 मतों के साथ शानदार जीत दर्ज की, जबकि उनके प्रतिद्वंदी डॉ. कृष्ण मुरारी सिंह को 267 मत मिले। परिणाम से साफ हो गया कि झासा के सदस्यों ने डॉ. ठाकुर मृत्युंजय सिंह के नेतृत्व और कार्यशैली पर भरोसा जताया है। राज्य कन्वेनर पद पर डॉ. शरद कुमार ने 827 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। उनके प्रतिद्वंदी डॉ. सिद्धेश्वर बास्की को 213 मत मिले, जबकि डॉ. संतोष कुमार को 122 मत प्राप्त हुए। अब एसोसिएशन को डॉ. शरद कुमार के नेतृत्व में काम करने का मौका मिलेगा। चुनाव के परिणाम आने के बाद झासा के सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। साथ ही आशा व्यक्त करते हुए कहा कि नए नेतृत्व के तहत संगठन को और मजबूती मिलेगी।

उपाध्यक्ष के लिए ये चुने गए थे निर्विरोध

नामांकन के बाद उपाध्यक्ष भी लगभग तय हो गए थे। इसमें डॉ. रवि राज डेंटल विंग, डॉ मोसारत्त यामिनी फीमेल विंग, डॉ. मो शमीम अख्तर हेड क्वार्टर रांची, डॉ. अनुपम किशोर दक्षिणी छोटानागपुर, डॉ. संजय कुमार उत्तरी छोटानागपुर, डॉ. अंशुमन सागर पलामू और डॉ. मोहन पासवान संथाल परगना निर्विरोध चुन लिए गए थे।

सफाई कर्मियों के साथ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सुनी 'मन की बात'

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 118वें एपिसोड को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने आवास पर सफाई कर्मचारियों के साथ सुनी। संजय सेठ ने इस अवसर पर कहा कि भारत वासियों की उपलब्धि, उनकी गाथा सुनाने का अवसर मिलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणादायक बातें सुनकर हम सबको एक ऊर्जा प्राप्त होती है। उसी ऊर्जा के साथ हम लोग आगे काम कर पाते हैं। हमारे देश के ऐसे होनहार, जो अपने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हैं, उसके बारे में जानने का मौका मिलता है। सेठ ने कहा कि आज जो भारत में कुंभ का आयोजन हो रहा है, इस कुंभ की व्यवस्था वहां के मैनेजमेंट जिसकी पूरे विश्व में आज सराहना हो रही है, उसे जानने का मौका मिल रहा है। स्टार्टअप, भारतीय स्पेस डॉकिंग ऐसे कई उत्कृष्ट कार्य हैं, जिससे आज भारत विश्व के चौथे नंबर पर है। रेडियो के मन की बात के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को भारत की गाथा को जानने का अवसर मिलता है। 2047 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत बनाने का सपना है कि कैसे देश सर्वश्रेष्ठ बने। बता दें कि पंडरा मंडल, सुखदेव नगर मंडल के सैकड़ो सफाई कर्मी मन की बात सुनने जुटे थे।

सफाई कर्मियों के साथ 'मन की बात' सुनते संजय सेठ व अन्य। ● फोटोन न्यूज

बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए चिकित्सकों और अन्य कर्मियों को मिली ट्रेनिंग

RANCHI : रविवार को स्वास्थ्य विभाग और हंस फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। इस शिविर में राज्य के 12 जिलों के 50 प्रखंडों से चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी शामिल हुए। समापन के अवसर पर क्षेत्रीय उपनिदेशक सह रांची सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने हंस फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में इसे महत्वपूर्ण कदम बताया। अंतिम दिन के प्रशिक्षण में रिम्स पीएसएम विभाग के डॉ. देवेश कुमार और डॉ. दिलीप कुमार ने एनसीडी प्रबंधन और संक्रामक रोगों की निवारक चिकित्सा पर जानकारी दी। यह प्रशिक्षण शिविर चिकित्सा अधिकारियों को व्यापक दृष्टिकोण और समाधान के प्रति प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित किया गया था। जिससे वे ग्रामीण इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सकें।

राजधानी रांची में होगा राज्यभर के कराटे खिलाड़ियों का जुटान

PHOTON NEWS RANCHI : सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड एवं इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी (इमा) के संयुक्त तत्वाधान में इमा कप झारखंड इंटर स्कूल-कॉलेज कराटे चैंपियनशिप का आयोजन 22 मार्च से रांची के संत जोसेफ क्लब में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता की मेजबानी रांची के संत जोसेफ क्लब द्वारा की जा रही है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए बहु बाजार बसर टोली स्थित इमा कराटे स्टूडियो में एक बैठक हुई गया। इसकी अध्यक्षता शिहान सुनील किस्पोट्टा ने की। बैठक में कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राइबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेयरमैन सह ईस्ट इंडिया कराटे एसोसिएशन के संयुक्त सचिव शिहान सुनील किस्पोट्टा की अगुवाई में कमेटी गठित हुई। आयोजन कमेटी के पदाधिकारियों में आयोजन निदेशक शिहान सुनील किस्पोट्टा, अध्यक्ष अनिल किस्पोट्टा, उपाध्यक्ष मोहिनी रितिक टोप्पो, राकेश तिर्की, सचिव उमाशंकर महतो, पीटर कच्छप, कुंदन उरांव और संयुक्त सचिव रवि कुमार सिंह, स्वस्तिका तरफदार, कुमार अभिषेक को शामिल किया गया है। इसके अलावा सदस्यों में सुदेश कुमार महतो, देवंती कुमारी, एनी कोनगाड़ी, अक्षय कुमार महतो, आरती टोप्पो, दीपशिखा तिग्गा, रितिका तिग्गा, दीपा विनीता लिंडा, प्रतिभा तिग्गा, आयुष सांगा शामिल हैं।

बड़ी सुविधा : सप्ताह में 6 दिन कैंप लगाकर 11 से 1 बजे तक हो रही स्क्रीनिंग

अब सदर अस्पताल में होगा छोटे बच्चों के दिल का इलाज

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची स्थित राज्य के दूसरे सबसे बड़े हॉस्पिटल सदर में अब छोटे बच्चों के दिल का इलाज होगा। कैंप में लक्षण वाले बच्चों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके बाद फरवरी में लगने वाले मेगा स्क्रीनिंग कैंप में स्पेशलिस्ट डॉक्टर बच्चों की फाइनल जांच करेंगे। इसके बाद बच्चों की सर्जरी कोच्चि के अमृता हॉस्पिटल में फ्री में की जाएगी। हर सप्ताह सोमवार से शनिवार तक 11 बजे से 1 बजे तक बच्चों की स्क्रीनिंग की जा रही है। ऐसे में बच्चों के पैरेंट्स उन्हें लेकर किसी भी दिन हॉस्पिटल के कार्डियक ओपीडी में जाकर स्क्रीनिंग करा सकते है। जहां बच्चों के जन्म से लेकर अबतक की पूरी हिस्ट्री डॉक्टर लेंगे। पूरी जानकारी मिलने के बाद बच्चों की स्क्रीनिंग कर पता लगाएंगे कि बच्चे की समस्या कितनी गंभीर है। इसके बाद डॉक्टर उनकी फाइल तैयार करेंगे। यह सुविधा वैसे परिवारों को मिलेगी, जो बीपीएल कार्डधारी, येलो कार्डधारी और वैसे परिवार जिनकी सालाना आय 1 लाख रुपये तक है। इसके अलावा बच्चों के परिजनों को आय प्रमाण पत्र भी लेकर आना होगा, ताकि उन्हें इस सुविधा का लाभ मिलने में कोई परेशानी न हो। बता दें कि इस योजना के तहत 6 महीने से लेकर 18 साल से कम उम्र के बच्चे का इलाज निशुल्क किया जाएगा।

अगले माह मेगा स्क्रीनिंग के बाद आवश्यकता के अनुसार शुरू होगी सर्जरी की प्रक्रिया

छह महीने से लेकर 18 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों का होगा प्रॉपर इलाज

मेगा स्क्रीनिंग में बाहर से आएंगे डॉक्टर

प्राइमरी स्क्रीनिंग के बाद फरवरी में डॉक्टरों की टीम आएगी। इसके बाद अमृता हॉस्पिटल के डॉक्टर बच्चों की फाइनल स्क्रीनिंग कर उनके आपरेशन का शेड्यूल तैयार करेंगे। इससे मरीजों को भी परेशानी नहीं होगी। रांची में इसकी जिम्मेदारी रोटरी क्लब को दी गई है, जो सदर अस्पताल के साथ मिलकर निशुल्क छोटे बच्चों के दिल का इलाज कराने के लिए काम कर रहे है।

झारखंड यात्री संघ ने उठाई पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम दुरुस्त करने की आवाज

RANCHI : झारखंड यात्री संघ ने अबुआ पोर्टल के माध्यम से राज्य सरकार से झारखंड में एक सुव्यवस्थित पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम स्थापित करने की अपील की है। इस संबंध में नगर विकास विभाग और परिवहन विभाग को अलग-अलग सुझाव भेजे गए हैं। झारखंड यात्री संघ के अध्यक्ष प्रेम मित्तल ने इन सुझावों पर जोर देते हुए कहा कि राज्य के सभी प्रमुख शहरों जैसे रांची, जमशेदपुर, धनबाद और देवघर में पर्याप्त संख्या में सिटी बसों का संचालन किया जाए, ताकि आम जनता को टेंपो चालकों की मनमानी से राहत मिल सके। वहीं आम लोगों के लिए आवागमन सुविधाजनक हो सके। मित्तल ने परिवहन विभाग को भेजे गए अपने सुझाव में कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह झारखंड में भी झारखंड राज्य परिवहन निगम (जेएसटीसी) की स्थापना की जाए, ताकि राज्य के विभिन्न हिस्सों में सरकारी बसों का संचालन किया जा सके। इससे राज्य में बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित हो सकेगी और निजी बस संचालकों की मनमानी से भी जनता को राहत मिलेगी।

शिव शक्ति व हनुमत मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में उमड़े श्रद्धालु

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को वृंदावन नगर (मुरला पहाड़) में नवनिर्मित शिव शक्ति एवं हनुमत मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए भव्य महायज्ञ समारोह हुआ। इसमें विशेष रूप से देवताओं के आह्वान हेतु कलशयात्रा का आयोजन किया गया। सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु कलश यात्रा में शामिल हुए। कलश यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पूर्व डिप्टी मेयर अजयनाथ शाहदेव, समाजसेवी बबन कुमार मौजूद थे। अतिथियों ने कहा कि मोहल्ले में मंदिर बन जाने से धर्म प्रेमियों, महिलाओं और बुजुर्गों को पूजा पाठ करने में सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि इससे पहले क्षेत्र के लोग पूजा अर्चना और ध्यान के लिए दूर पहाड़ी स्थित मंदिरों का रुख करते थे। हिंदू धर्म में मंदिर का विशेष महत्व है। मंदिर न केवल भक्ति का स्थान होता है, बल्कि यह जीवन जीने की कला भी सिखाता है।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

उड़ी-उड़ी रे पतंग

इस बार मकर संक्रांति के मौके पर शहर भर में पतंगबाजी के इतने आयोजन हुए, जितने शायद पहले कभी नहीं हुए थे। आसमान में रंगबिरंगी पतंग देखकर पुरानी फिल्म का गाना उड़ी-उड़ी रे पतंग उड़ी रे... अनायास ही याद आ गया। मकर संक्रांति पर पहले से पतंगबाजी का आयोजन सिर्फ गुजराती समाज करता था, लेकिन इस बार कई समाज-संस्थाओं ने किया। इस बार भगवान भास्कर को समर्पित संस्था ने भी आयोजन किया, जिसमें जानी-मानी हस्ती ने भी पतंग उड़ाए, जिन्हें भारी चीज उड़ाने के लिए जाना-पहचाना जाता है। उन्हें पतंग उड़ाते देख लोग कह भी रहे थे कि आज इन्हें भी पता चल गया होगा कि धरती से मनुष्य पतंग या गुब्बारे ही उड़ा सकता है। ध्यान रहे, हम ड्रोन या हवाई जहाज जैसी यांत्रिक वस्तुओं की बात नहीं कर रहे हैं। हम निर्जीव वस्तु की बात कर रहे हैं, इसलिए आप कुछ ऐसा-वैसा मत सोचिएगा।

सबने नहीं पहनी टोपी

अपने देश में टोपी पहनाना मुहावरे के रूप में प्रचलित है, टोपी पहनने को कोई बुरा नहीं मानता। हम टोपी की चर्चा इसलिए कर रहे

हैं, क्योंकि हाल में एक ऐसा वाकया देखने को मिला, जिसमें समारोह के दौरान बमुश्किल आधा दर्जन लोग ही टोपी पहने नजर आए थे, जबकि वहां भीड़ सैकड़ों की थी। सभी एक ही बिरादरी के थे, इसलिए सवाल उठाया गया कि सबने टोपी क्यों नहीं पहनी थी। कुछ ने कहा कि यहां उन्होंने ही टोपी पहनी थी, जो टोपी पहनाने के लिए जाने जाते हैं। यह सुनते ही भीड़ में खुसफुसाहट शुरू हो गई, क्या हमें टोपी पहनाना नहीं आता है। दूसरे ने कहा-ठीक है, भई। अब बस करो, हम जानते हैं कि तुम भी कई लोगों को टोपी पहनाते रहे हो, लेकिन टोपी पहनाने की वजह से ...ख्यात तो नहीं हुए ना। हम कैसे मान लें कि तुम टोपीबाज हो।

मसाला टी का राज

इस लौहनगरी में चाय या टी के इतने शौकीन हैं कि जगह-जगह चौक-चौराहे या किसी नुक्कड़ पर चाय पीने वालों की भीड़ सुबह-शाम की कौन कहे, दोपहर में भी चहल-पहल दिख जाती है। अब तो कॉफी हाउस की तरह यहां दो-तीन टी-हाउस भी खुल गए हैं। खैर यहां बात हो रही है, मसाला टी या चाय की। हर कोई ब्लैक या रेड टी नहीं पीता, कुछ मसाला चाय के भी शौकीन हैं। भले ही वह मसाला दिखे या नहीं, उसका बस स्वाद ही मिलता है। पता चला है कि सरकार उस मसाले को ही खोजने-तलाशने में जुटी है, जो दिखता नहीं है, लेकिन उसके नशे में सैकड़ों लोग उस चाय को पीने के लिए जुटते हैं। विडंबना ही कहेंगे कि पहले लोग कहते हैं कि इस दुकान में अच्छी चाय नहीं मिलती, वहां चलो। जब वह अच्छी चाय बनाता है, तो उसे नजर लगाने लगते हैं।

नशा बना रहा चोर

शहर में हाल के कुछ वर्षों से ऐसे चोरों की तादाद बढ़ी है, जो अमीर बनने के लिए नहीं, नशे के लिए दूसरों के गले, जेब, बाइक या घर तक पर हाथ फेर दे रहे हैं। इसे सामाजिक संस्कार का ही दोष कहा जाएगा कि अब लड़के अपने शौक के लिए दूसरों को कंगाल बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। पुराने जमाने में जब बच्चों को अपना कोई शौक पूरा करना होता था, पिता की जेब से पैसे चुराते थे। इससे आगे बढ़ते थे तो घर के बर्तन, गहने आदि बाजार में बेच देते थे। मां-बाप अपने कोख की लाज रखने के लिए मुंह नहीं खोलते थे, जिससे किसी को पता नहीं चलता था। इसमें अधिकतर बड़े होकर सुधर जाते थे, जबकि कुछ पास-पड़ोस की दीवार फांदना शुरू कर देते थे। आजकल के लड़के इतने एडवांस हो गए हैं कि सीधे बाहर ही ट्राई करते हैं।

मानगो में ट्रांसपोर्टर की गोली मारकर हत्या

मन्नान गली में खड़ा था कांग्रेस के पूर्व नेता जितेंद्र सिंह का भाई

PHOTON NEWS JSR: मानगो के गुरुद्वारा बस्ती में कांग्रेस के पूर्व नेता जितेंद्र सिंह के भाई ट्रांसपोर्टर संतोष सिंह की रविवार शाम को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। संतोष सिंह अपने घर के पास मन्नान गली के पास खड़े थे। तभी बदमाश आए और गोली चलाने लगे। संतोष सिंह बचने के लिए भाग कर एक घर में घुस गए। लेकिन बदमाशों ने संतोष सिंह का पीछा किया। बदमाश भी संतोष सिंह के पीछे-पीछे उस घर में घुस गए, जहां संतोष छिपने गया था। अपराधियों ने घर में घुस कर संतोष सिंह के सीने में गोलियां उतार दीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार संतोष सिंह वहीं गिर गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हत्या की इस सनसनीखेज घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस बदमाशों का पता लगाने में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। बताते हैं कि संतोष सिंह पूर्व में कांग्रेस से भी जुड़े रहे हैं। उनके भाई जितेंद्र सिंह भी कांग्रेस के नेता थे। जितेंद्र सिंह ने पिछले साल लोकसभा का चुनाव भी लड़ा था। इसके बाद झारखंड विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था, लेकिन हार गए थे। बताया जाता है कि संतोष सिंह भी कांग्रेस का सदस्य था।

घटनास्थल पर जुटी भीड़ ● फोटोन न्यूज

समाचार सार

नंदलाल स्कूल के बच्चों ने मनाई पिकनिक

GHATSILA : संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर ने कक्षा चतुर्थ एवं पांचवीं के छात्रों के लिए रविवार को पिकनिक का आयोजन किया। पिकनिक

स्पॉट पर बच्चों ने विभिन्न झूलों, स्लाइड आदि का आनंद उठाया। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि पिकनिक में 120 बच्चों के साथ प्राइमरी प्रभारी सुजाता वर्मा, पामेला भट्टाचार्या, रितु कर्मकार, मीना सिंह, सुजाता दास व श्रावणी आदित्य भी शामिल थीं।

गणेश हांसदा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

GHATSILA : बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत मानुषमुड़िया मैदान में रविवार

को तीसरा गलवान वीर शहीद गणेश हांसदा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू हुआ। इसका उद्घाटन घाटशिला के एसडीपीओ अजित कुमार कुजूर तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व सैनिक मो. जावेद ने किया। उदघाटन मैच जगन्नाथपुर इलेवन बनाम चंद्रपुर के बीच खेला गया, जिसमें जगन्नाथपुर की टीम ने जीत हासिल की। टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें शामिल हैं। फाइनल मैच 26 जनवरी को खेला जाएगा। इस मौके पर बहरागोड़ा के अंचल अधिकारी राजा राम सिंह मुंडा, बरसोल थाना प्रभारी चंदन कुमार, चाकुलिया थाना प्रभारी संतोष कुमार व मुखिया राम मुर्मू के अलावा संचालन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

रौनियार वैश्य संघ के वनभोज में पहुंचे मंत्री

CHAIBASA : रौनियार वैश्य संघ (गुप्ता समाज), चाईबासा द्वारा लुपुंगुटु झरने में रविवार को पारिवारिक मिलन समारोह सह वनभोज मनाया गया। इसमें राज्य सरकार के मंत्री दीपक बिरुवा व विशिष्ट अतिथि

समाजसेवी घनश्याम दरबारा व सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार भी शरीक हुए। इस दौरान संघ के संरक्षक अधिवक्ता राजाराम गुप्ता, अध्यक्ष जयदीप प्रसाद गुप्ता, उपाध्यक्ष राजकिशोर साहू व मनीष कुमार गुप्ता, सचिव महावीर प्रसाद राम, संयुक्त सचिव संजीव कुमार गुप्ता व कोषाध्यक्ष छोटू लाल गुप्ता आदि सक्रिय रहे।

फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन

CHAIBASA : टोन्टो प्रखंड स्थित मौदा में एवरग्रीन क्लब मौदा द्वारा आयोजित खेलकूद सह फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह रविवार को हुआ, जिसमें मंत्री दीपक बिरुवा शरीक भी शामिल हुए। इस अवसर

पर जिला परिषद सदस्य सह झामुमो के प्रखंड सचिव राज नारायण तुबिद, दीपक तुबिद, जीतू बारी, विश्वनाथ तुबिद, जगमोहन सिंह कुंकल, बबलू तुबिद, डेबरा मास्टर, मूचिया बारी, पूर्णचंद्र तुबिद, सुकमोहन बारी आदि भी मौजूद थे।

ब्रह्मकुमारीज की पुस्तक का हुआ विमोचन

CHAKRADHARPUR : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, माउंटआबू से संबद्ध चक्रधरपुर स्थित ब्रह्मकुमारीज

पाठशाला परिसर में रविवार को अनमोल जिज्ञासा नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। पाठशाला की संचालक बीके मानिनि व उर्मिला सिंघानिया ने बताया कि पुस्तक में यज्ञ माता जगदंबा सरस्वती मम्मा, यज्ञ की वरिष्ठ दादी प्रकाशमणि, दादी जानकी, दादी गुलजार के कर्तव्यनिष्ठा आदि पर प्रकाश डाला गया है।

भोजपुरी आइडल सीजन-2 का ऑडिशन हुआ

JAMSHEDPUR : भोजपुरी संस्कृति मंच द्वारा आयोजित भोजपुरी आइडल सीजन-2 का दूसरा ऑडिशन रविवार को साकची में हुआ। इस अवसर पर मंच के मुख्य संरक्षक भरत सिंह ने बताया कि इसमें दूरदराज के प्रतिभागियों ने भी प्रस्तुति दी। इस दौरान सुनील सहाय ने प्रतिभागियों की गायन क्षमता और प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। ऑडिशन में मंच के संयोजक सह गीतकार तोमर सत्येंद्र भी उपस्थित थे।

एनएच एलिवेटेड कॉरिडोर का शिलान्यास आज

JAMSHEDPUR : रांची-टाटा नेशनल हाईवे-33 पर एलिवेटेड कॉरिडोर बन रहा है। इसका भूमिपूजन सोमवार को सुबह 11 बजे डिमन चौक पर होगा। यह जानकारी सांसद बिद्युत बरण महतो ने दी है। इस मौके पर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय भी मौजूद रहेंगे।

शिक्षकों को ग्रेड-3 में प्रोन्नति दे सरकार : संघ

JAMSHEDPUR : झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला इकाई की बैठक रविवार को भालूबासा स्थित हरिजन मध्य विद्यालय में हुई। जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। कहा गया कि ग्रेड-7 के पदों पर प्रोन्नति देने पर न्यायालय की रोक है। इसलिए सरकार ग्रेड-3 पद पर प्रोन्नति दे। मीटिंग में यह मुद्दा उठाया गया कि सरकार प्रोन्नति की नई नियमावली बना रही है। इसके तहत 50 प्रतिशत पद सीधी नियुक्ति और 50 फीसद पद प्रोन्नत शिक्षकों के लिए रिजर्व रखने का प्रावधान तैयार हो रहा है। कहा गया कि सरकार पहले प्रोन्नत शिक्षकों को ग्रेड-7 में प्रोन्नति दे। इसके बाद नई नियमावली लागू करे। यह मामला

भालूबासा में उपस्थित शिक्षक

अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ई-विद्यावाहिनी में तकनीकी खामियों के चलते शिक्षकों को ऑनलाइन हाजिरी बनाने में परेशानी हो रही है। विभागीय नियमों के अनुसार, शिक्षकों को ऑनलाइन अर्जित अवकाश, चिकित्सा अवकाश और अन्य छुट्टियां लेने की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन अभी भी पुराने पद्धतियों से ऑफलाइन छुट्टियां स्वीकृत की जा रही हैं, जो न्यायसंगत नहीं है।

कुचाई में 9 एकड़ में अफीम की फसल नष्ट, दो गिरफ्तार

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई प्रखंड में पुलिस ने लगभग 9 एकड़ में लगी अफीम की फसल नष्ट की, जबकि इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दलभंगा ओ०पी० अंतर्गत बीजार, कुदाडीह, मेरोमजंगा, बारूहातु, टोला-लिपीजारी, गुटुहातु, गोमेयाडीह में अफीम या पोस्ता की खेती की गई है। छापामारी दल ने बीजार गांव में कुल-2.70 एकड़, कुदाडीह में कुल 2.0 एकड़, बारूहातु, टोला-लिपिजारी में 0.6 एकड़, कुल-5.3 एकड़ जमीन में लगी अफीम या पोस्ता की खेती को नष्ट किया। दल ने खेती में संलिप्त सुरेंद्र सिंह मुंडा और सुखराम मुंडा को गिरफ्तार किया। वहीं पश्चिमी सिंहभूम जिला पुलिस ने बदगांव थाना क्षेत्र के ग्राम जातेबेड़ा में करीब 5 एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया।

बिजली सब-स्टेशन में डकैती, ले गए 18 लाख के कॉपर क्वायल

कर्मियों को बना लिया था बंधक, हथियारबंद डकैतों ने बांध दिए थे सभी के हाथ-पैर

PHOTON NEWS JSR: पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड अंतर्गत हाता में रविवार को देर रात डकैतों ने बिजली सब-स्टेशन पर धावा बोला। हथियारों से लैस डकैतों ने यहां कर्मचारियों को सब-स्टेशन के स्विच रूम में बंधक बना लिया। सभी के हाथ-पैर बांध दिए और मुंह में कपडा ठूंस दिया, ताकि कोई चीख-चिल्ला नहीं सके। इसके बाद डकैतों ने आराम से लूटपाट की और फरार हो गए। डकैत यहां से 18 लाख रुपये कीमत के कॉपर क्वायल ले गए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पोटका के विधायक संजीव सरदार भी सब-स्टेशन पहुंचे और पुलिस को फौरन डकैतों का पता लगाकर गिरफ्तार करने को कहा।

सुबह ड्यूटी पर पहुंचा लाइनमैन, तब डकैती का पता चला : बताते हैं कि बिजली सब-स्टेशन पर सभी बिजली कर्मचारी रात भर बंधे रहे। इन सभी कर्मचारियों को एक कमरे में बंद कर दिया गया था। डकैतों ने इनका मोबाइल फोन भी छीन लिया था। इस वजह से ये लोग किसी को फोन कर घटना की जानकारी नहीं दे सके।

सब-स्टेशन पहुंचे विधायक संजीव सरदार ● फोटोन न्यूज

केएसएमएस में 'चार्ली एंड द चॉकलेट फैक्ट्री' का हुआ नाट्य मंचन

JAMSHEDPUR : गोलमुरी स्थित केरला समाजम मॉडल स्कूल में रविवार को लेखक रोल्ड राही के बहुचर्चित बाल उपन्यास पर आधारित 'चार्ली एंड द चॉकलेट फैक्ट्री' का नाट्य मंचन किया गया। नृत्य, गीत, वेशभूषा, बेहतरीन मंच सज्जा, पल-पल बदलती डिजिटल पार्श्व सज्जा, मधुर ध्वनि, अभिनय, कोरस समूह गान से भरपूर इस नॉट्य मंचन में 175 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें कक्षा-2 से कक्षा 9 तक के बच्चे थे। नाटक का अभ्यास कराने में 30 शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल थीं। मुख्य कलाकार चार्ली की भूमिका में साई देवांशु धाल के अलावा अन्य भूमिका में अगस्त भारद्वाज, कुरैश आलम, पल्लव सेनगुप्ता, अदिति मंडल, प्रज्ञा राय व श्रिनिका बोस भी शामिल थे।

अनाथालय के संचालक व बच्चों को लाया गया थाना

थाने में बैठे संचालक व बच्चों के अभिभावक ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : दामपाड़ा क्षेत्र अंतर्गत लेदा गांव में संचालित कांठा सिंह अनाथालय के संचालक तरुण कर्मकार, शिक्षक संजीत कुमार पाल एवं बच्चों को रविवार को घाटशिला थाना लाया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी मधुसूदन दे ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर बाल संरक्षण समिति द्वारा अनाथालय की जांच की गई। जांच में अनाथालय की मान्यता से संबंधित कोई कागजात नहीं मिला। अनाथालय में 13 बच्चे रहते हैं। इन बच्चों के पिता नहीं हैं। ऐसे में बच्चों की मां की सहमति से बच्चों को अनाथालय में रखा गया है। मां या बच्चों ने भी किसी तरह की प्रताड़ना की शिकायत नहीं की गई है। थाने में भी किसी तरह मामला दर्ज नहीं है। सीडब्ल्यूसी के जिला कोऑर्डिनेटर राकेश कुमार ने बताया कि सभी बच्चों को बाल संरक्षण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा एवं निर्णय होगा। इसके बाद सरकार की ओर से अनाथ बच्चों को प्रतिमाह 4000 रुपये गुजारा भत्ता देने का प्रावधान है। वर्ष 2019 में ही इस अनाथालय का रजिस्ट्रेशन खत्म हो चुका है।

सीटू ने मनाया किसान-मजदूर एकता दिवस

JAMSHEDPUR : सीटू ने किसान-मजदूर एकता दिवस साकची के बिरसा चौक पर रविवार को मनाया। इस दौरान नुक्कड़ सभा हुई, जिसमें सीपीआई नेता केके त्रिपाठी ने कहा कि किसान-मजदूर दयनीय स्थिति में जी रहे हैं। केंद्र सरकार की नीतियों में किसान-मजदूरों की दशा सुधारने का काम नहीं हो रहा है। अब तो कॉरपोरेट प्रमुख श्रमिकों से 90 घंटे तक काम कराने का दुस्साहस कर रहे हैं। सभा को सीटू के झारखंड महासचिव विश्वजीत देव, जे मजूमदार, केडी प्रताप, केपी सिंह, संजय कुमार, पीआर गुप्ता, टी मुखर्जी आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान कहा गया कि बजट प्रस्तावों में हमारी मांगों को पूर्ण रूप से शामिल नहीं किया गया तो 5 फरवरी को केंद्रीय ट्रेड यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा देश भर में संयुक्त विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। सभा के अंत में इंफोसिस और एलएंडटी के प्रमुखों की तस्वीरें जलाकर उनके मजदूर विरोधी रवैये का विरोध किया गया।

पिल्लई हॉल में देश भर के कवियों ने जमाई महफिल

कार्यक्रम में उपस्थित कवि व आयोजक ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए सड़क सुरक्षा समिति और माघ महोत्सव समिति द्वारा पिल्लई हॉल में शनिवार को भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें कार्यक्रम संयोजक कवयित्री मीणा बंधन (रांची) और सहसंयोजक कवि पार्थ सत्पथी (चाईबासा) के नेतृत्व में जिन कवियों ने समां बांधा, उनमें हास्य कवि अतुल ज्वाला (इंदौर), हास्य कवि वंशीधर मिश्रा (बिलासपुर), वीर रस के कवि मनोज चौहान (मैनपुरी), वीर रस के नीरज पांडे (रायबरेली), वीर रस के सरोज झा झारखंडी (रामगढ़) रामगढ़, गजलकार नीता शेखर सिंह (गोंडा) और चंदन प्रजापति (रांची) शामिल थे। इन कवियों ने अपनी रचनाओं से लोगों को हंसाया, रुलाया और शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। देर रात तक चले कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य सरकार के मंत्री दीपक बिरुवा और उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अब ओवरब्रिज के साथ ही पहुंच पथ का भी निर्माण कराएगा रेलवे

गोविंदपुर आरओबी से पथ निर्माण विभाग का छूटा पिंड

MUJTABA RIZVI@JSR : अब देश में जहां भी रेलवे ओवरब्रिज बनेगा इसका पूरा निर्माण रेलवे ही कराएगा। पहले रेल लाइन के ऊपर ओवरब्रिज रेलवे बनाता था और पहुंच पथ का निर्माण पथ निर्माण विभाग कराता था। इस वजह से योजना उलझ जाती थी और रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में कई साल लग जाते थे। जमशेदपुर में जुगसलाई का रेलवे ओवरब्रिज इसी लेटलतीफी की मिसाल है। मगर, अब सरकार ने फैसला किया है कि रेलवे ओवरब्रिज के पहुंच पथ के निर्माण में राज्य सरकार का कोई लेना-देना नहीं होगा। रेलवे ही रेल लाइन के ऊपर ब्रिज बनाएगा और फिर पहुंच पथ का भी निर्माण कराएगा। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि, रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की योजना में कोई अडचन नहीं आए और इसे जल्द पूरा कर लिया जाए।

प्रतीकात्मक तस्वीर

अब आरसीडी का कोई लेना-देना नहीं

अब गोविंदपुर रेलवे ओवरब्रिज से राज्य सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। अब रेलवे ही पूरे ओवरब्रिज का निर्माण कराएगा। रेलवे रेल लाइन के ऊपर तो रेलवे ब्रिज बनाएगा ही। अब पहुंच पथ का निर्माण भी वही कराएगा। रेलवे द्वारा पूरे ओवरब्रिज के निर्माण का निर्णय होने के बाद अब पथ निर्माण विभाग इस योजना से दूर हो गया है। इस आरओबी से पथ निर्माण विभाग (आरसीडी) की जान छूट गई है।

अतिक्रमण के चलते अटका हुआ है निर्माण का कार्य

गोविंदपुर में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की योजना काफी पुरानी है। इसके पहुंच पथ पर काफी अतिक्रमण है। लगभग 93 संरचनाएं टूटनी हैं। इस वजह से इसका निर्माण अटका हुआ है। तीन साल पहले छोटा गोविंदपुर में ग्राम सभा का आयोजन हुआ था। ग्राम सभा ने योजना को मंजूरी दे दी थी। मगर, बताया जा रहा है कि समय बीत जाने की वजह से ग्राम सभा की मंजूरी की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है। अब रेलवे को इस ओवरब्रिज के निर्माण के लिए ग्राम सभा की मंजूरी दोबारा लेनी होगी। इस रेलवे ओवरब्रिज का शिलान्यास पिछले साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन किया था।

यू आकार का बनना है रेलवे ओवरब्रिज

हावड़ा-मुंबई अतिव्यस्त रेल लाइन पर गोविंदपुर है। यहां 70 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे ओवरब्रिज बनना है। यह रेलवे ओवरब्रिज यू आकार का बनना है। पहले इसका पहुंच पथ सीधा बनना था। मगर, पहुंच पथ के रास्ते में काफी अतिक्रमण को देखते हुए इसे यू आकार का बनाने का फैसला हुआ है।

2017 में मिली थी आरओबी को मंजूरी

गोविंदपुर में आरओबी को आठ साल पहले प्रशासनिक मंजूरी मिली थी। मगर इसके निर्माण में तरह-तरह के अवरोध आने लगे। इस वजह से इस आरओबी का अब तक निर्माण नहीं हो पाया है। पिछले साल फरवरी में इसका आनलाइन शिलान्यास होने के बाद माना जा रहा था कि ओवरब्रिज का काम शुरू होगा। मगर, अब तक काम शुरू नहीं होने से लोग चिंतित हैं।

BRIEF NEWS

सीएम नीतीश ने महाराणा प्रताप स्मृति समारोह का किया उद्घाटन

PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विधान पार्षद संजय सिंह के सरकारी आवास 22 / एम स्ट्रैंड रोड पर राष्ट्रीय स्वाभिमान दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्र रत्न महाराणा प्रताप स्मृति समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्र रत्न महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी और नमन किया। मुख्यमंत्री को विधान पार्षद संजय सिंह ने अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह, विधान पार्षद संजय सिंह, पूर्व सांसद एवं जदयू के वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने पूर्व राज्यपाल सिद्धेश्वर प्रसाद की प्रतिमा का किया अनावरण

PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी, सेक्टर-7 स्थित पार्क में त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल स्व सिद्धेश्वर प्रसाद की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने स्व सिद्धेश्वर प्रसाद जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी और नमन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी स्व सिद्धेश्वर प्रसाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा आरती पूजन, भजन-कीर्तन एवं देशभक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

बिजली चोरी के आरोप में 1.15 लाख का जुर्माना

NALANDA : नालंदा जिले के थरथरी थाना क्षेत्र के शेखपुरा डीह गांव में रविवार की अहले सुबह विद्युत ऊर्जा की चोरी करते हुए पांच लोगों को कनीय विद्युत अभियंता संकेत कुमार ने पकड़ा। उन्होंने बताया कि मानव बल के सहयोग से इन लोगों के घर में छापेमारी की गई, जिसमें संजय कुमार (43134), रघुनाथ प्रसाद (20116), गणेश पासवान (3515), गोपाल राम (20636), और दिनेश राम (28096) के मीटर से छेड़छाड़ कर बाईपास द्वारा विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी।कनीय विद्युत अभियंता संकेत कुमार ने बताया कि इन सभी से कुल 1,15,497 रुपए का जुमार्ना लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि थरथरी प्रखंड क्षेत्र के सभी गांवों में अब छापेमारी अभियान तेज कर दिया गया है और इसका पालन सख्ती से किया जाएगा। इस दौरान मानव बल के सदस्य राकेश कुमार, मुकेश कुमार, और चंदन कुमार शर्मा भी मौजूद थे।

गोला घाट पर हुआ हादसा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जताया शोक

कटिहार में पलटी नाव, तीन की डूबकर मौत, सात अब भी लापता

AGENCY KATIHAR : बिहार में कटिहार जिले के अमदाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत दक्षिणी करीमुल्लापुर पंचायत के गोला घाट पर रविवार सुबह दर्दनाक नाव हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में अमदाबाद निवासी पवन मंडल (65वर्ष) पिता बस्तम मंडल, प्राणपुर निवासी सुधीर मंडल (70वर्ष) तथा अजमनागर निवासी भोली देवी का तीन वर्षीय पुत्र शामिल है। समाचार लिखे जाने तक सात नाव सवार लोग लापता है। लगभग 18 यात्रियों को लेकर एक नाव मनिहारी अनुमंडल के अमदाबाद ब्लॉक के दक्षिण करीमल्लुपुर मेघू टोला से सकरी (झारखंड) जा रही थी। मुख्यमंत्री ने जताया शोक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कटिहार जिले के अमदाबाद में गंगा नदी में नाव डूबने से 03 लोगों की हुयी मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह घटना अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री ने इस घटना में लापता अन्य लोगों की समुचित खोजबीन जारी रखने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। इस संदर्भ में जिला प्रशासन ने बताया नाव हादसे के बाद आठ लोगों को स्थानीय गोतखार एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा बचाव कर लिया गया है एवं शेष का बचाव और तलाशी अभियान जारी है। जिन लोगों को बचा लिया गया है उनका इलाज चल रहा है। बचाए गए लोगों के अनुसार सात और लोग लापता हैं। सात में से दो नदी के विपरीत किनारे यानी गदाई दियारा में पहुंच गए हैं। मनिहारी एसडीएम ने बताया कि एसडीआरएफ की टीम बाकी पांच लोगों के लापता होने की सूचना के साथ उनका पता लगाने व बचाव करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने बताया कि अमदावाद सीओ और एसएचओ मेघू टोला में राहत अभियान की निगरानी कर रहे हैं। मृत व्यक्तियों के परिवार को आपदा विभाग के नियमानुसर मुआवजा देने हेतु संबंधित को निदेश दिया गया है और लापता व्यक्तियों के लिए खोज व बचाव हेतु एसडीआरएफ द्वारा अभियान जारी है।

घटनास्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़।

मृत लोगों के परिजनों को मिलेंगे 4-4 लाख रुपये

KATIHAR : कटिहार जिले के अमदाबाद प्रखंड के मेघू टोला घाट पर रविवार की सुबह गंगा नदी में नाव दुर्घटना में तीन वर्षीय बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में सात लोग लापता हैं। उनकी तलाश जारी है। सीएम नीतीश कुमार ने इस हादसे में मारे गए लोगों की मौत पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने का भी ऐलान किया है। सीएम नीतीश कुमार ने दुख जताते हुए कहा कि कटिहार जिले के अमदाबाद में गंगा नदी में नाव डूबने से 3 लोगों की मौत दुखद है। इस घटना में लापता अन्य लोगों की समुचित खोज जारी रखने का निर्देश दिया गया है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना है। सीएम ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। मिली जानकारी के अनुसार आजमनगर थाना क्षेत्र के शीतलपुर बंगाली टोला निवासी अजय मंडल की पत्नी झूमा देवी की मां का निधन शनिवार को साहिबगंज जिले के सकरी गली में हो गया था। झूमा देवी अपने पति और अन्य परिजनों के साथ मां को देखने जा रही थी। जिसके लिए वो मनिहारी गंगा घाट पहुंची थी। जहां एलसीटी नाव छूट गई। उसके बाद वह अमदाबाद थाना क्षेत्र के उत्तरी करीमुल्लापुर पंचायत अंतर्गत प्राणपुर गांव स्थित अपनी भतीजी के घर पहुंची। वहां रात्रि विश्राम करने के बाद रविवार की सुबह मेघू टोला घाट से नाव पकड़ कर सकरी गली जा रही थी। इसी दौरान बीच गंगा नदी में नाव डूब गई। हादसे में 60 वर्षीय पवन मंडल, 45 वर्षीय सुधीर मंडल तथा झूमा मंडल के 3 वर्षीय पुत्र की डूबने से मौत हो गई।

नवादा में युवा होंडा शोरूम से लाखों की चोरी, दहशत

चोरी के बाद घटना की जानकारी लेते पुलिस अधिकारी।

AGENCY NAWADA : नवादा के युवा होंडा शोरूम में लाखों रुपये की चोरी से व्यवसाईयों में दहशत व्याप्त हो गया है। पुलिस गश्ती पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। होंडा शोरूम के संचालक प्रसिद्ध व्यवसाय श्याम अग्रवाल ने बताया कि रविवार को शोरूम खोलने के बाद चोरी की घटना का पता चला। इसकी सूचना पुलिस को दे दी गई। नवादा में इन दिनों बदमाशों के हौसले बुलंद हैं और वह आराम से वारदात को अंजाम देकर फरार हो जा रहे हैं। लगातार हो रही लूट और चोरी की घटनाओं से लोग दहशत में हैं। बेखौफ चोरों ने नगर थाना क्षेत्र के राम नगर मोहल्ले में स्थिति युवा होंडा बाइक शो रूम में सेंधमारी कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि बेखौफ चोर होंडा बाइक के शो रूम में छत के सहारे आ धमके और शो रूम के फॉल सीलिंग को कबाड़ कर जमकर उत्पात मचाया है। चोरों ने कैश काउंटर को तोड़कर कैश काउंटर में रखे 1 लाख से अधिक रुपयों पर हाथ साफ किया है। शो रूम के जेनरल मैनेजर निरंजन कुमार ने चोरी की घटना की सूचना नगर थाना की पुलिस को दी। वहीं, सूचना पर पहुंची पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी है। नवादा में आए दिन अपराध के ग्राफ में इजाफा पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुकी है। पुलिस एक मामले को सुलझाने में जुटी रहती है, तब तक नवादा में दूसरी वारदात हो जाती है। नवादा में चोरी-लूट की घटना से हाहाकर मचा हुआ है। कई चोरी की घटनाओं का खुलासा करने में पुलिस असफल रही है। नवादा में बढ़ रही चोरी की घटनाओं से लोग दहशत में हैं।

बेतिया में 5 लोगों की संदिग्ध स्थिति में मौत

AGENCY CHAMPARAN : बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र के मठिया गांव में पिछले 24 घंटे में पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी तरह का जहरीला पदार्थ पीने की वजह से सभी लोगों की मौत हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और मेडिकल टीम मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच में जुट गई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक सभी मृतकों ने एक साथ ही संदिग्ध पदार्थ का सेवन किया था। हालांकि प्रशासनिक अधिकारी मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। मामले में पुलिस की जांच जारी है। मेडिकल टीम को सभी प्रभावित लोगों की जांच कराने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम मृतकों के परिजनों से बात कर जानकारी जुटाने में लगी है। पता लगाया जा रहा है कि मौत से पहले मृतकों में कौन से लक्षण दिखे थे। मठिया गांव में एक के बाद एक पांच लोगों की मौत से दहशत का माहौल है।

घुरना पुलिस ने एसएसबी के साथ मिलकर 105 किलो गांजा किया जब्त

ARARIYA : जिले के घुरना थाना पुलिस ने एसएसबी के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए तस्करी के 105 किलो गांजा को जब्त किया। गुप्त सूचना पर पथराहा कब्रिस्तान के समीप सुरसर नदी के बांध पर शनिवार को यह कार्रवाई की गई।हालांकि एसएसबी और पुलिस से घिरने के बाद गांजा तस्कर सुसर नदी में छलांग लगाकर उल्टी दिशा पश्चिम की ओर मौके से फरार होने में कामयाब रहे।एसएसबी और पुलिस के जवानों के द्वारा तस्करों का पीछा भी किया,लेकिन एसएसबी और थाना पुलिस के जवानों को निराशा हाथ लगी। कार्रवाई घुरना एसएसबी बीओपी कंपनी कमांडर सह सहायक सेनानायक अभिषेक गुप्ता और थानाध्यक्ष संजय कुमार यादव के द्वारा की गई।

स्कूल से निष्कासित छात्र ने लिया बदला, मामा के साथ मिलकर प्रिंसिपल को मारी गोली, मौत

AGENCY NALANDA : बिहार के नालंदा जिले में स्कूल से निष्कासित एक छात्र ने बदले की भावना से प्रिंसिपल पर जानलेवा हमला कर दिया। मामला बिहार थाना इलाके का है। सेंट जोसेफ स्कूल के प्रिंसिपल जोसेफ टीटी पर जानलेवा हमले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी छात्र ने अपने मामा और अन्य छात्रों के साथ मिलकर प्रिंसिपल के मर्डर की साजिश रची थी। 16 जनवरी को भवानी होटल के पास प्रिंसिपल को गोली मारी गई थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है। नालंदा एसपी भरत सोनी ने बताया कि छात्र रयान को दो साल पहले स्कूल से गलत आचरण के मामले में निष्कासित कर दिया गया था। प्रतिशोध की भावना से रची गई इस साजिश में उसके मामा सैयद नजफ जफर उर्फ आयन और आसिम कुदरत को बिहार थाना क्षेत्र के रेलवे गुमटी के पास से गिरफ्तार किया गया है। दोनों बड़ी दरगाह तालाब पर के निवासी हैं। घटना की जांच के लिए गठित एसआईटी ने सीसीटीवी फुटेज से पता लगाया कि कुल पांच आरोपियों ने फायरिंग की। फुटेज में स्पष्ट दिखा कि आरोपी मोटरसाइकिल और एक डिजायर कार से प्रिंसिपल का पीछा कर रहे थे। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। जांच में खुलासा हुआ कि दो साल पहले मिसकंडक्ट के कारण स्कूल से निकाले गए रयान ने अपने मामा की मदद से यह साजिश रची।

चलती वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी करने वाले 12 आरोपी गिरफ्तार

NAWADA : बिहार के नवादा में किऊल-गया रेलखंड पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन पर अज्ञात लोगों द्वारा पत्थरबाजी किया गया था। जिसमें ट्रेन में लगे शीशे क्षतिग्रस्त हो गए थे। जिसके बाद रेल प्रशासन हरकत में आयी और आरपीएफ ने ट्रेन पर पत्थर फेंकने के वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 12 युवकों को गिरफ्तार किया है। यह घटना केजी रेलखंड में संचालित जसीडीह-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर वारिसलीगंज-काशीचक के बीच हुई थी। आरपीएफ नवादा के सहायक उप निरीक्षक जीवन लाल राम ने बताया कि 15 जनवरी और 17 जनवरी को ट्रेन नंबर 22500 डाउन वाराणसी से जसीडीह जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर वारिसलीगंज-काशीचक रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन को क्षति पहुंचाई गई है।

रोहतास के बालू घाट के दफ्तर में 5 लाख की लूट, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

AGENCY SASARAM : बिहार के रोहतास जिले के नासरीगंज इलाके में शनिवार की देर रात अपराधियों ने बालू घाट के दफ्तर में लूटपाट की। रात करीब 1:30 बजे 10 से 12 की संख्या में आये हथियारबंद अपराधियों ने सोन नदी के किनारे स्थित क्लस्टर- 3 बालू घाट के दफ्तर में यह लूटपाट की है। अपराधियों ने पहले दफ्तर के अंदर मौजूद लोगों को डराया-धमकाया। उनके साथ मारपीट की। इसके बाद बक्से में रखे नकद पांच लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। लूटपाट की पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। घटना की जानकारी मिलने पर रोहतास पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थाल का निरीक्षण किया। जिला एसपी रोशन कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उनको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वैसे लूटपाट की घटना के बाद बालू घाटों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। नासरीगंज के इस क्षेत्र में पहले भी अपराधी गतिविधियां सामने आती रही हैं। बालू व्यापार में बढ़ते आर्थिक लेनदेन के कारण यह इलाका अपराधियों के निशाने पर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है। इस लूटपाट के बाद नासरीगंज के बालू घाट क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय व्यापारियों और कर्मचारियों ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल आर्थिक नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि लोगों के बीच डर का माहौल भी पैदा करती हैं।

राहुल गांधी के पास खुद को हास्यास्पद बनाने की अद्भुत कला : विजय चौधरी

PATNA : बिहार के संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास अपने बयानों से अपने को हास्यापद बनाने की अद्भुत कला है। बिहार के जातीय गणना के संबंध में उनका ताजातरीन बयान उसी की पुष्टि करता है। विजय चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जातीय गणना के शुरू होने से लेकर इसके आंकड़े जारी होने तक कांग्रेस पार्टी इसका समर्थन करती रही। दूसरे, बिहार सरकार ने उसी समय से स्पष्ट कह रखा है कि यदि इन ऑकड़ों में किसी प्रकार की विसंगति या गलती संज्ञान में लाई जाती है, तो सरकार तत्क्षण जांच कराने को तैयार है लेकिन अभी तक एक भी ऐसी सूचना या आपत्ति किसी के द्वारा नहीं दी गई है।

गोपालगंज में सुबह-सुबह पुलिस एनकाउंटर कुख्यात शूटर अभिषेक यादव को लगी गोली

AGENCY GOPALGUNJ : गोपालगंज में सुबह-सुबह पुलिस इनकाउंटर हुआ है। रविवार की सुबह हुए इस इनकाउंटर में शूटर अभिषेक यादव पुलिस की गोली से घायल हुआ है। इनकाउंटर उचकागांव थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव के पास हुई है। घायल कुख्यात अपराधी को पुलिस कस्टडी में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभिषेक यादव पर आरोप है कि इसने उचकागांव थाना क्षेत्र के झीरवा पंचायत के पूर्व मुखिया व शिक्षक अरविंद यादव की बीते 10 जनवरी को घर से स्कूल जाते समय हत्या कर दी गयी थी। पूर्व मुखिया हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस को सूचना मिली कि हत्याकांड के मुख्य शूटर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए वृंदावन गांव में पहुंचा है। पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की और सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन शूटर ने अपनी पिस्टल से पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें कुख्यात अपराधी और शूटर अभिषेक यादव को पैर में गोली लगी और वह भाग नहीं सका। जिसके बाद पुलिस उसे घायल अवस्था में इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करा दी है। एसपी अवधेश दीक्षित ने सदर अस्पताल में पहुंचकर घायल अपराधी से पूछताछ की है। गोपालगंज पुलिस पूर्व मुखिया हत्याकांड में जल्द बड़ा खुलासा करने की बात कहते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। एसपी ने कहा कि मुठभेड़ में गिरफ्तार हुआ अपराधी अभिषेक यादव पर कई अपराधिक मामले पहले से दर्ज है और उसने रेकी करने के बाद पूर्व मुखिया अरविंद यादव की गोली मारकर हत्या की थी। पुलिस नहीं अपराधी के पास से एक पिस्तौल और गोली भी बरामद किया है। गोपालगंज में हुई इस कार्रवाई के बाद अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने इस कार्रवाई से साफ तौर पर अपराधियों को मैसेज दिया है कि छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। इसके पहले भी चौकीदार झमेंद्र राय हत्याकांड में गिरफ्तार करने गई, पुलिस के साथ अपराधियों ने मुठभेड़ किया था।

खुशखबरी : किशनगंज व बहादुरकंज खंड पर 25 किलोमीटर लंबा फोरलेन हाईवे का किया जाएगा निर्माण

बिहार को केंद्र से 2200 करोड़ की मिली सौगात

AGENCY PATNA : बिहार को केंद्र सरकार से 2200 करोड़ रुपये के दो हाइवे प्रोजेक्ट की सौगात मिली है। आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के तहत पटना जिले में रामनगर से कच्ची दरगाह तक एक ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 1082.85 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। वहीं, किशनगंज जिले में एनएच 27 और एनएच 237 ई को जोड़ने के लिए किशनगंज और बहादुरकंज खंड पर लगभग 25 किलोमीटर लंबा फोरलेन हाइवे का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 1117 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को यह जानकारी दी। गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय राजमार्ग 119 डी पर रामनगर से कच्ची दरगाह तक 6 लेन का एक्सेस कंट्रोलड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर बनाया जाएगा। बता दें कि यह सड़क पटना रिंग रोड का हिस्सा भी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आमस दरभंगा परियोजना दो आर्थिक कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग-02 (नया ठल्ल-19) और राष्ट्रीय राजमार्ग-57 (नया ठल्ल-27) के बीच सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे बिहार के आंतरिक हिस्सों का पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तर-पूर्व राज्यों से कनेक्टिविटी में भी सुधार आएगा। इससे देश के पूर्वी हिस्से में लंबे मार्ग के यातायात और माल ढुलाई की दक्षता में सुधार करने में मदद मिलेगी। नितिन गडकरी ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि किशनगंज जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 और राष्ट्रीय राजमार्ग-327ए को जोड़ने के लिए नए फोरलेन हाइवे को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना आर्थिक कॉरिडोर है जो पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग-27(नया)/राष्ट्रीय राजमार्ग-31(पुराना) और राष्ट्रीय राजमार्ग-327ए के बीच सीधी कनेक्टिविटी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह परियोजना विभिन्न शहरों से सिलीगुड़ी हवाई अड्डे (बागडोगरा) तक कनेक्टिविटी में भी सुधार करेगी। इससे नोडल बिंदुओं के बीच की दूरी और यात्रा के समय में काफी कमी आने की भी उम्मीद है ताकि यात्रियों के लिए सबसे कुशल कनेक्टिविटी और सबसे नजदीकी मार्ग प्रदान किया जा सकेगा।

फुलकाहा में एसएसबी ने तस्करी का 514 किलो नशीला पद्धार्थ किया बरामद

ARARIYA : भारत नेपाल सीमा से सटे फुलकाहा थाना क्षेत्र में फुलकाहा एसएसबी बीओपी प्रभारी हरबंस लाल के नेतृत्व में बीती शाम की गई कार्रवाई में 20 बोरा थाईलैंड निर्मित किंग पोप बरामद किया गया। जब्त किंग पोप को तस्कर साइकिल पर लोड कर नेपाल से भारतीय क्षेत्र ला रहा था,इसी क्रम में एसएसबी ने इसे जब्त किया।जबकि मौके से तस्कर भागकर नेपाल परिक्षेत्र में घुसकर फरार होने में।कामयाब रहा।एसएसबी ने 20 बोरे में 514 किलो किंग पोप बरामद किया है।मौके से कैरी किए जा रहे दो साइकिल भी जब्त किया गया। एसएसबी के हरबंश लाल ने बताया कि किंग पोप नेपाल से भारतीय क्षेत्र तस्करों के द्वारा लाया जा रहा था।

आरजेडी सांसद संजय यादव से मांगी 20 करोड़ की रंगदारी

AGENCY PATNA : बिहार से राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के राज्यसभा सांसद संजय यादव से 20 करोड़ की रंगदारी की मांग की गई है। सांसद ने इस संबंध में पटना के सचिवालय थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि शनिवार को सांसद एक कॉल आया था। कॉल करने वाले ने संजय यादव से 20 करोड़ रुपये मांगे और रंगदारी नहीं देने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस धमकी देने वाली कॉलर की पहचान करने में जुटी है। उसकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। आरजेडी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि इस संबंध में सचिवालय थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। साथ ही, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, हरियाणा के डीजीपी समेत कई अन्य उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई है। उन्होंने सांसद संजय यादव एवं उनके परिवार के लोगों की सुरक्षा बढ़ाने की भी मांग की है। बता दें कि संजय यादव बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के करीबी हैं। वह हरियाणा के रहने वाले हैं।

आम आदमी पार्टी तो अपना रिपोर्ट कार्ड पेश नहीं करेगी...!

नीरज कुमार दुबे

दिल्ली के मतदाताओं पर देश की नजर इसलिए भी है क्योंकि नवीनतम सांख्यिकीय पुस्तिका दशार्ती है कि साल 2023-24 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 4, 61, 910 रुपये थी जो देश में गोवा और सिक्किम के बाद तीसरी सबसे अधिक है। यानि शहर की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर की प्रति व्यक्ति आय 1, 84, 205 रुपये से दोगुनी से भी अधिक थी।

दिल्ली विधानसभा चुनावों को एक बार फिर जीतने के लिए आम आदमी पार्टी पूरा जोर लगा रही है। आम आदमी पार्टी वोट मांगने के दौरान अपनी मुफ्त की रेवड़ियों के बारे में तो जनता को बता ही रही है साथ ही वह संविधान और लोकतंत्र की दुहाई भी दे रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से दी गयी मुफ्त की सौगातें बड़ा छलावा साबित हुई हैं और लोकतंत्र तथा संविधान की मयार्दा का भी इस पार्टी की सरकार ने बिल्कुल ध्यान नहीं रखा।

आप देख रहे होंगे कि आजकल अरविंद केजरीवाल रोज प्रेस के सामने आकर बड़ी बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले पांच सालों में इन्होंने कुछ काम नहीं किया और सारा वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से लड़ने में बर्बाद कर दिया। जिस विधानसभा को दिल्ली के लोगों की समस्याओं का हल निकालना था उसको आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पास करने का मंच बनाकर रख दिया। दिल्ली विधानसभा को किस तरह आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का मंच बना कर रखा इसे आप इसी से समझ सकते हैं कि निवर्तमान विधानसभा ने पूरे पांच साल में मात्र 74 दिन ही कार्य किया। पांच साल में 1825 दिन होते हैं मगर इनमें से काम हुआ मात्र 74 दिन।

हम आपको बता दें कि यह दिल्ली की विधानसभा के अब तक के सबसे कम कार्य दिवस का रिकॉर्ड है। इसके अलावा बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरे पांच साल में मात्र 14 विधेयक पारित किये। यानि दिल्ली की विधानसभा ने अपने इतिहास में पांच साल में सबसे कम विधेयक पारित करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। खास बात यह रही कि यह जो 14 विधेयक पारित हुए उनमें से पांच विधायकों के भत्ते, सुविधाएं और उन्हें मिलने वाली सैलरी से संबंधित थे। साथ ही दिल्ली के विधायकों के कामकाज का आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि 2020 से 2025 तक विधायकों ने विधानसभा में सालाना आधार पर औसत 219 प्रश्न ही पूछे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के शासन में विधानसभा में जिस दिन भी कार्यवाही हुई वह औसतन मात्र तीन घंटे तक चली। इसके अलावा विधानसभा के 74 कार्य दिवसों में से मात्र नौ दिन ही प्रश्नकाल हुआ।

यही नहीं, आम आदमी पार्टी की सरकार ने कभी विधानसभा का सत्रावसान भी नहीं किया ताकि जब चाहें विधानसभा की बैठक बुला सकें और वहां से राजनीतिक बयानबाजी कर सकें। दरअसल विधानसभा का सत्रावसान होने पर सत्र को दोबारा आहूत करने के लिए उपराज्यपाल की अनुमति चाहिए होती है और उन्हें सदन की बैठक बुलाने का कारण भी बताना होता है। आम आदमी पार्टी को लगता था कि यदि उपराज्यपाल ने बैठक बुलाने की अनुमति नहीं दी तो कैसे अपने राजनीतिक हित सधेंगे इसलिए वह कभी सत्रावसान करते ही नहीं थे। यही नहीं, विधानसभा में सीएजी की जो रिपोर्टें प्रस्तुत की जानी थीं वह भी नहीं की गयीं।

जहां तक आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से बांटी जाने वाली मुफ्त रेवड़ियों की बात है तो उसकी सच्चाई यह है कि जनता को जितना दिया नहीं गया उतना हर योजना में घोटाला हो गया है। यह घोटाले भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके के हैं। मसलन एक दारू की बोतल पर दूसरी बोतल फ्री दी गयी लेकिन शराब नीति के जरिये घोटाला करके दिल्ली के सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपए का चूना लगा दिया गया। जनता को 200 यूनिट बिजली फ्री देने की बात की गयी लेकिन एक यूनिट फालतू होते ही भारी भरकम बिजली बिल भेजे गये। जनता को 700 लीटर पानी फ्री देने की बात हुई लेकिन लोगों के भारी भरकम पानी के बिल आये। खास बात यह रही कि पानी का बिल तो हर महीने आ गया लेकिन नल से जल हर रोज नहीं आया और जहां जहां नल से जल आया वह गंदा आया।

इसके अलावा प्रदूषण से निबटने की कोई स्थायी और प्रभावी योजना नहीं होने के चलते दिल्ली इतनी प्रदूषित हो गयी कि लोगों को तमाम तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो गयी हैं। अक्सर बुजुर्गों को होने वाली सांस की बीमारी दिल्ली के बच्चों को भी हो गयी है। दिल्ली में पवित्र यमुना नदी को गंदा नाला बनने से रोकने में आम आदमी पार्टी की सरकार पूरी तरह विफल रही। दिल्ली में यमुना का जल इतना प्रदूषित है कि त्योहारों पर श्रद्धालु अगर पानी में चले जायें तो उन्हें चर्म रोग हो जाते हैं और इस पानी का शोधन करने में मशीनों के हाथ पांव फूल जाते हैं। यही नहीं, दिल्ली की सरकार अपने शिक्षा मॉडल का ढिंढोरा खूब पीटती है लेकिन अपने अब तक के कार्यकाल में वह एक भी नया स्कूल, एक भी नया कॉलेज या एक भी नया अस्पताल नहीं बना सकी है। दिल्ली में जल निकासी की व्यवस्था इतनी खराब है कि बारिश आने पर बेसमेंट में पानी भर जाने से छात्र डूब कर मर जाते हैं। यही नहीं, दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी का शासन होने के बावजूद कूड़े के पहाड़ वहीं के वहीं हैं।

इसके अलावा, अरविंद केजरीवाल भले इस समय मंदिर मंदिर जाकर हिंदुओं को लुभाने के प्रयास कर रहे हैं लेकिन तथ्य यह है कि आम आदमी पार्टी के शासन के दौरान ही हिंदू दीवाली पर पटाखे नहीं चला पाये। यह बात भी गौर करने लायक है कि आम आदमी पार्टी महिलाओं को अभी 1000 रुपए मासिक देने और चुनाव बाद 2100 रुपए देने की बात कर रही है लेकिन सवाल उठता है कि महिलाओं की सुध उसे अपने शासन की शुरूआत या मध्य में क्यों नहीं आई थी? यही नहीं, एक दारू की बोतल पर दूसरी दारू की बोतल फ्री देकर आम आदमी पार्टी ने महिलाओं का ही सिरदर्द सबसे ज्यादा बढ़ाया था।

वैसे यहां सवाल आम आदमी पार्टी से ही नहीं है बल्कि दिल्ली के मतदाताओं से भी है। आम आदमी पार्टी के घोषणापत्र में किये गये फ्री के वादों को देखने की बजाय क्या किसी मतदाता ने इस सरकार का रिपोर्ट कार्ड देखा है। दिल्ली के मतदाताओं को यह जानकर हैरानी होगी कि अपने घोषणापत्र का प्रचार कर रही आम आदमी पार्टी की सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड नहीं पेश कर रही है क्योंकि रिपोर्ट में दिखाने के लिए कुछ है ही नहीं।

दिल्ली के मतदाताओं पर देश की नजर इसलिए भी है क्योंकि नवीनतम सांख्यिकीय पुस्तिका दशार्ती है कि साल 2023-24 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 4, 61, 910 रुपये थी जो देश में गोवा और सिक्किम के बाद तीसरी सबसे अधिक है। यानि शहर की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर की प्रति व्यक्ति आय 1, 84, 205 रुपये से दोगुनी से भी अधिक थी। इसके अलावा एक और आंकड़ा यह बताता है कि सबसे कम महंगाई दर के मामले में झारखंड के बाद दिल्ली का नंबर आता है। यानि दिल्ली में आमदनी ज्यादा है और महंगाई कम है इसलिए सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति में भी सबको सब कुछ फ्री में क्यों चाहिए? देश की जनता देख रही है कि क्या दिल्ली का मतदाता अपने निजी फायदे पर ध्यान देने की बजाय इस बार अपने शहर के फायदे को देखेगा?

संपादकीय

युद्धविराम और शांति

दिल्ली विधानसभा चुनावों को एक बार फिर जीतने के लिए आम आदमी पार्टी पूरा जोर लगा रही है। आम आदमी पार्टी वोट मांगने के दौरान अपनी मुफ्त की रेवड़ियों के बारे में तो जनता को बता ही रही है साथ ही वह संविधान और लोकतंत्र की दुहाई भी दे रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से दी गयी मुफ्त की सौगातें बड़ा छलावा साबित हुई हैं और लोकतंत्र तथा संविधान की मयार्दा का भी इस पार्टी की सरकार ने बिल्कुल ध्यान नहीं रखा। आप देख रहे होंगे कि आजकल अरविंद केजरीवाल रोज प्रेस के सामने आकर बड़ी बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले पांच सालों में इन्होंने कुछ काम नहीं किया और सारा वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से लड़ने में बर्बाद कर दिया। जिस विधानसभा को दिल्ली के लोगों की समस्याओं का हल निकालना था उसको आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पास करने का मंच बनाकर रख दिया। दिल्ली विधानसभा को किस तरह आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का मंच बना कर रखा इसे आप इसी से समझ सकते हैं कि निवर्तमान विधानसभा ने पूरे पांच साल में मात्र 74 दिन ही कार्य किया। पांच साल में 1825 दिन होते हैं मगर इनमें से काम हुआ मात्र 74 दिन। हम आपको बता दें कि यह दिल्ली की विधानसभा के अब तक के सबसे कम कार्य दिवस का रिकॉर्ड है। इसके अलावा बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरे पांच साल में मात्र 14 विधेयक पारित किये। यानि दिल्ली की विधानसभा ने अपने इतिहास में पांच साल में सबसे कम विधेयक पारित करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। खास बात यह रही कि यह जो 14 विधेयक पारित हुए उनमें से पांच विधायकों के भत्ते, सुविधाएं और उन्हें मिलने वाली सैलरी से संबंधित थे। साथ ही दिल्ली के विधायकों के कामकाज का आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि 2020 से 2025 तक विधायकों ने विधानसभा में सालाना आधार पर औसत 219 प्रश्न ही पूछे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के शासन में विधानसभा में जिस दिन भी कार्यवाही हुई वह औसतन मात्र तीन घंटे तक चली। इसके अलावा विधानसभा के 74 कार्य दिवसों में से मात्र नौ दिन ही प्रश्नकाल हुआ। यही नहीं, आम आदमी पार्टी की सरकार ने कभी विधानसभा का सत्रावसान भी नहीं किया ताकि जब चाहें विधानसभा की बैठक बुला सकें और वहां से राजनीतिक बयानबाजी कर सकें। दरअसल विधानसभा का सत्रावसान होने पर सत्र को दोबारा आहूत करने के लिए उपराज्यपाल की अनुमति चाहिए होती है और उन्हें सदन की बैठक बुलाने का कारण भी बताना होता है। आम आदमी पार्टी को लगता था कि यदि उपराज्यपाल ने बैठक बुलाने की अनुमति नहीं दी तो कैसे अपने राजनीतिक हित सधेंगे इसलिए वह कभी सत्रावसान करते ही नहीं थे।

चिंतन-मनन

धर्मराज युधिष्ठिर ने निभाया था भ्रातृ धर्म

गहन वन से तृषार्त पाण्डव गुजर रहे थे। पानी की तलाश में वे इधर-उधर घूम ही रहे थे कि अकस्मात उन्हें एक सरोवर दिखाई दिया। भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव जल पीने के पूर्व ही मृत्यु का ग्रास बन गए। कारण यह था कि एक यक्ष ने उनसे प्रश्न किए थे, किंतु उन्होंने उस ओर ध्यान नहीं दिया और बिना जवाब दिए ही पानी पीने लगे। लेकिन वे यक्ष का कोपभाजन बने और उन्हें मृत्यु प्राप्त हुई।

इतने में युधिष्ठिर आए और पानी पीने की कोशिश करने लगे। उनसे भी यक्ष ने प्रश्न किए, जिनके युधिष्ठिर ने समुचित उत्तर दे दिए। तब यक्ष ने प्रसन्न होकर कहा, तुम जल पीने के अधिकारी हो। मेरी इच्छा है कि तुम्हारे चारों भ्राताओं में से किसी एक को जीवन दान दूं। बोलो, मैं किसे पुनर्जीवित करूं?

प्रश्न बड़ा ही विचित्र था और साथ ही कठिन भी, क्योंकि युधिष्ठिर को चारों भाई एक समान प्रिय थे, तथापि एक क्षण भी सोचे बिना वे बोले, यक्षश्रेष्ठ आप नकुल को ही जीवन दान दें। यक्ष हंस पड़ा और बोला, धर्मराज, कौरवों से युद्ध में भीम की गदा और अर्जुन का गांडीव बड़ा ही उपयोगी सिद्ध होगा। इन दो सगे भाइयों को छोड़कर नकुल का जीवन क्यों चाहते हो।

धर्मराज बोले, यक्षश्रेष्ठ हम पांचों भ्राता ही माताओं के स्नेह चिह्न हैं। माता पुंती के पुत्रों से मैं शेष हूं, किंतु माद्री मां के तो दोनों ही पुत्र मर चुके हैं। अतः यदि एक के ही जीवन का प्रश्न है, तो माद्री मां के नकुल का ही पुनर्जीवन इष्ट है। यक्ष ने सुना, तो भावविह्वल हो बोला, युधिष्ठिर तुम धर्मतत्व के ज्ञाता हो, मैं तो सिर्फ तुम्हारी परीक्षा ले रहा था कि तुम वास्तव में धर्म के अवतार हो या नहीं। अतएव मैं चारों भाईयों को जीवन देता हूं।

युद्ध विराम समझौते का ईमानदारी से पालन जरूरी

ललित गर्ग

यह शांतिपूर्ण विश्व संरचना के लिये सुखद ही है कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। लेकिन इस एवं ऐसे युद्धों ने ऐसे अनेक ज्वलंत प्रश्न खड़े किये हैं कि जब युद्ध की अन्तिम निष्पत्ति टेबल पर बैठकर समझौता करना ही है तो यह युद्ध के प्रारंभ में ही क्यों नहीं हो जाता? युद्ध भीषणतम तबाही, असंख्य लोगों की जनहानि एवं सर्वनाश का कारण बनता है तो ऐसी तबाही होने ही क्यों दी जाये? खेर देर आये दुरस्त आये, इजराइल और हमास ने बुधवार को युद्ध विराम समझौते के पहले मसौदे पर सहमति जताई, जो संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा एवं अहम कदम है। अन्य बातों के अलावा, 60-दिवसीय युद्ध विराम प्रक्रिया में दोनों पक्षों के बंधकों को रिहा करना, सहायता बढ़ाना, नष्ट हो चुके फिलिस्तीन का पुनर्निर्माण करना और हमलों को रोकना शामिल होगा। डेढ़ साल से अधिक समय के युद्ध के बाद, युद्ध विराम फिलिस्तीन के लोगों तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के लिए बहुत जरूरी राहत है। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ित, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है।

इस्राइल-हमास में पिछले डेढ़ साल से चल रहे युद्ध के विराम को एक अहम कामयाबी माना जा रहा है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे बड़ी राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों एवं भारत की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो विश्व समुदाय, शक्तिशाली राष्ट्रों व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते की शर्तों को साफ नियत एवं नीति से क्रियान्वित किया जाये। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति एवं अमनचैन की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरूआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे।

युद्ध के आघात से युद्धरत देशों के साथ समूची दुनिया प्रभावित हुई है। युद्ध के आघात से तात्पर्य युद्ध के दौरान होने वाली दर्दनाक घटनाओं के परिणामस्वरूप व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक संकट और शारीरिक-भावनात्मक पीड़ा से है, जैसे कि हिंसा का शिकार होना, दूसरों को नुकसान पहुंचाना, या संघर्ष के कारण प्रियजनों को खोना। युद्ध सामाजिक विश्वास को तोड़ता है, सामाजिक सामंजस्य को कम करता है और सामाजिक एवं राष्ट्रीय पूंजी को नुकसान पहुंचाता है। सशस्त्र संघर्ष के बाद, समाज उपसमूहों में गहराई से विभाजित हो जाता है जो युद्ध विराम के समझौते के बावजूद बाद के दौर में एक दूसरे से डरते हैं और नफरत करते हैं और लड़ाई जारी रखने के लिए तैयार रहते हैं। युद्ध के आघात से पीड़ित लोगों में अक्सर दूसरे पक्ष के साथ मेल-मिलाप करने और शांतिपूर्ण समाधान खोजने की इच्छा कम हो जाती है। कमजोर नागरिक समाज और कम सरकारी क्षमताएं लोगों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ बना सकती हैं और राज्य के बिगाड़ने वालों या राजनीतिक विरोधियों द्वारा आसानी से हेरफेर किया जा सकता है। यह स्थिति अक्सर हिंसा के निरंतर चक्रों के लिए मंच तैयार करती है।

हालांकि, अक्तूबर, 2023 में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी भी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है।

अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा, लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। हालांकि, इस बात को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि इस समझौते से फिलस्तीनी संकट का स्थायी समाधान हो सकेगा। इस युद्ध मसले का हल कूटनीति और आपसी बातचीत से ही निकालने के प्रयास किये जाने की आवश्यकता भारत लगातार व्यक्त करता रहा है।

वैश्विकी : ट्रंप टीम को लेकर आशा और आशंका

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति का पद संभालने के ठीक पहले दुनिया में नई शक्ति समीकरण बन रहे हैं। जहां तक भारत और अमेरिका के संबंधों की बात है, खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू प्रकरण का पटाक्षेप होने वाला है। निवर्तमान बाइडन प्रशासन ने पन्नू को लेकर भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की थी जिसे विदेश मंत्रालय ने अपने कूटनीतिक कौशल और सूझबूझ से निपटाया। पन्नू प्रकरण में केंद्र सरकार ने जहां अपनी कुछ कमजोरियों को स्वीकार किया वहीं अमेरिका के निराधार आरोपों को खारिज कर दिया। देश की उच्चस्तरीय जांच समिति ने सरकारी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और उन पर नियंत्रण की बात स्वीकार की ताकि भविष्य में ऐसे मामलों को जल्दी से सुलझाया जा सके। यह स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में ट्रंप प्रशासन पन्नू जैसे खालिस्तानी आतंकवादियों पर लगाम लगाएगा।

अमेरिका में इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप की टीम के सहयोग सदस्यों का अनुमोदन करने के लिए सीनेट में सुनवाई

चल रही है। सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी का मामूली बहुमत है। इस कारण यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि ट्रंप टीम के कुछ सदस्यों को अनुमोदन हासिल करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। सुनवाई के प्रारंभिक दौर से यह जाहिर हुआ कि मंत्री पद के जो उम्मीदवार नीतियों में निरंतरता कायम रखने के पक्ष में हैं उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर का भी समर्थन हासिल होगा। वहीं जो मंत्री और अधिकारी बाइडन प्रशासन की नीतियों में बड़ा बदलाव चाहते हैं करना चाहते हैं उन्हें विरोध का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन की ओर से नामांकित एटार्नी जनरल पाम बॉन्ड्री की सुनवाई के दौरान डेमोक्रेटिक सदस्यों ने उन्हें कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। उन्हें अगले चार वर्षों तक अमेरिका के विधि मंत्रालय (डिपार्टमेंट आफ जस्टिस) का कामकाज संभालना है। डेमोक्रेटिक सदस्यों को आशंका है कि बॉन्ड्री बाइडन प्रशासन के अधिकारियों और समर्थकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती हैं। बाइडन समर्थक और मुख्यधारा की मीडिया के लोग संघीय जांच ब्यूरो के प्रमुख के रूप में कश्यप पटेल (काश पटेल) को लेकर सबसे अधिक भयभीत हैं। काश पटेल को पाम बॉन्ड्री की देखरेख में काम करना है। यही कारण है कि सुनवाई के दौरान कई सदस्यों ने पाम बॉन्ड्री से जानना चाहा कि वह काश पटेल पर कैसे काबू रखेंगी। पटेल पूरी तरह ट्रंप के प्रति निष्ठावान हैं। उनके कामकाज की शैली और तेवर बहुत आक्रामक हैं। फिलहाल अनुमान है कि डेमोक्रेटिक सदस्यों के तीव्र विरोध के बावजूद उन्हें अनुमोदन हासिल हो जाएगा। सबसे अधिक दुविधा तुलसी गवार्ड. को लेकर है। उन्हें अमेरिका की 17 खुफिया एजेंसियों पर निगरानी रखने वाले राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) के रूप में मनोनीत किया गया है। वास्तव में डीएनआई अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए आंख और कान का काम करता है। तुलसी गवार्ड युद्ध विरोधी हैं तथा दूसरे देशों में सैनिक हस्तक्षेप करने के खिलाफ हैं। वह वैष्णव हैं और हरे कृष्ण संप्रदाय से जुड़ी हैं। स्वाभाविक है कि वह बांग्लादेश में हरे कृष्ण संप्रदाय के धार्मिक नेता चिन्मय प्रभु के उत्पीड़न और हिन्दू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को लेकर चिंतित होंगी। उनकी नियुक्ति भारत के लिए भी अनुकूल सिद्ध होगी।

अमेरिका में युद्ध समर्थक लॉबी हरसंभव कोशिश कर रही है कि तुलसी के नामांकन को सीनेट नामंजूर कर दे। रिपब्लिकन पार्टी के दो या तीन सदस्य यदि पाला बदलते हैं तो तुलसी की नियुक्ति खटाई में पड़ जाएगी। यह ट्रंप के लिए भी बड़ा झटका होगा। अमेरिका की राजनीति में इस्राइल समर्थक नेताओं का बोलबाला है। इन दिनों वहां आम चर्चा है कि ट्रंप प्रशासन के कार्यकाल में अमेरिका और इस्राइल मिलकर ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करेंगे। फिलिस्तीन में हमास और लेबनान में हिजबुल्ला की कमर तोड़ने के बाद इस्राइल ईरान को निशाना बनाना चाहता है। इसी खतरे का मुकाबला करने के लिए ईरान और रूस ने हाल में राजनीतिक सहयोग का समझौता किया है। राष्ट्रपति ट्रंप शांति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता देते हैं अथवा पश्चिम एशिया के दलदल में फंसने का जोखिम उठाते हैं इससे आने वाला अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम निर्धारित होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Producing biochar a profitable alternative to stubble burning

Agriculture, the backbone of global food security and economies, sustains billions of lives. However, the excessive use of fertilisers and pesticides since the Green Revolution has significantly degraded soil, depleting its carbon levels, a key indicator of soil health. Simultaneously, agriculture is a major contributor to climate change, with intensive farming practices releasing greenhouse gases (GHGs), such as carbon dioxide, methane and nitrous oxide into the atmosphere.The challenges facing agriculture in India are multifaceted: demand for fair crop prices and assured procurement, effective stubble management, deteriorating soil health, lack of crop diversification, depleting water levels and rising food demand, driven by a growing population.Addressing these challenges requires innovative solutions that safeguard farmers' livelihoods, boost incomes and reduce environmental harm. Recognising their role in shaping a sustainable future, farmers are willing to adopt eco-friendly practices like carbon-negative farming, provided their profits remain intact.

Carbon-negative farming involves practices that remove more GHGs from the atmosphere than they emit. It surpasses carbon neutrality, which merely balances emissions with removals. This approach uses natural methods to capture carbon dioxide and store it in the soil, which is the best place for carbon.Practices like agroforestry, cover cropping and biochar enable this transformation, with biochar emerging as particularly effective. Biochar is a carbon-rich material produced by heating crop residues through pyrolysis, a high-temperature, low-oxygen process that sequesters carbon in the soil for centuries.Globally, Bhutan, Suriname and Panama are recognised as carbon-negative, with Sikkim leading as India's first carbon-negative state. These examples highlight the feasibility and impact of sustainable practices at both global and local levels.Carbon credits, a key driver of carbon-negative farming, offer farmers an opportunity to earn additional income. Each carbon credit certifies the removal of one metric tonne of carbon dioxide. These credits, calculated by using remote-sensing and AI-driven satellite data, enable farmers to monetise the carbon sequestered in their fields.As corporations strive for carbon neutrality, the demand for carbon credits is increasing rapidly. Private players are enrolling farmers in programmes that reward sustainable practices with carbon credits, positioning carbon-negative farming as both an environmental solution and a profitable venture.Crop residue management is one of agriculture's most pressing challenges. In Punjab and Haryana, stubble burning has escalated into a crisis, releasing massive GHGs and causing hazardous air pollution. This practice harms public health, degrades soil and pollutes the environment.A sustainable solution lies in producing biochar from stubble, unlike burning, which releases carbon into the atmosphere. Biochar locks carbon in the soil, transforming waste into a valuable resource.The concept of biochar is not new. It dates back to ancient Amazonian agriculture, where it was used to create fertile "Terra Preta" soils that remain productive even today.Modern science has revived this practice, demonstrating its ability to improve soil health, enhance water retention, boost nutrient availability and reduce reliance on fertilisers. Farmers who adopt biochar often report increased yields and greater resilience to climate stresses within a single growing season.However, scaling biochar production and adoption remain a significant challenge. In this context, the pyrolyser, a portable and automated machine developed by Applied Carbon, is transforming crop waste management by converting it into biochar directly in the field.The pyrolyser employs a high-temperature, low-oxygen process powered by syngas, a byprouct of pyrolysis, making it self-sustaining.

Nehru-bashing bodes ill for India

Nehru's 'Idea of India' was a united country where caste and creed would not matter.

I belong to a generation of Indians that grew up idolising the Mahatma and Jawaharlal Nehru. One was the 'Father of the Nation' and the other the country's first Prime Minister. Tales of their heroic deeds to free our land from foreign rule were what we were told by our elders and what we liked to hear.Soon after the country was freed and the British had left our shores in August 1947, an extremist, steeped in an ideology to which very few in the country subscribed, shot dead our beloved Mahatma.Nehru died a natural death many years later. It is only in the past decade since the Modi-Shah government took charge in Delhi that the denigration of our two most respected leaders began. Extremist Hindutva leader Pragya Singh Thakur was given the BJP ticket for the Lok Sabha elections. As an MP, she lauded Nathuram Godse, who had assassinated the Mahatma. The hostile reaction of people to that statement forced our Prime Minister to chide his party's representative, who is incidentally separately facing prosecution in a terror case.

But the subtle and not-so-subtle, sometimes strident, vitriol against Nehru continues to be spouted by Hindutva elements. It is sickening to hear their laments and accusations that obviously are based on the visceral hatred of the minority Muslim community. These laments and accusations have not cut ice with a large majority of the country's majority Hindu population. In fact, Nehru's standing in the freedom struggle and in people's hearts has not suffered even a tiny bit. Yet the core followers of the majoritarian philosophy continue their tirade!

These brainwashed men and women in saffron want Nehru's contribution to getting his countrymen free from the colonial yoke to be obliterated from our history books. To that end, their favoured historians are busy rewriting textbooks for students in schools and colleges.

Nehru differentiated between Muslim conquerors who crossed the Khyber Pass to enslave India and European invaders who came by the sea route. According to him, the former settled down and planted roots in our country. Over the years, they have been assimilated into Indian society. Like Jews and Parsis, who sought refuge on the western coast of India and were welcomed, they are to be counted as part and parcel of the country and its people.

On the other hand, the Portuguese, the French and the British were sea-faring people whose sole intent was to benefit their own people back home through trade and expropriation of the country's natural resources.Hindutva stalwarts reject Nehru's arguments and paint the Muslim and European conquerors with the same brush. They refuse to acknowledge the descendants of Muslim conquerors as one of their countrymen. Narendra Modi has often said in his speeches that India's subjugation to foreign rulers began a thousand years ago. We agree with him on one score, but wonder why he refuses to differentiate between colonialism and plain conquests that are a feature of recorded history in many countries.

There is a thin but clear line between the two forms of servitude. The fact that the remnants of the conqueror's armies settled in India and were assimilated has, to my mind, to be accepted. There was also conversion of natives to the religion of the conquerors. The converted can under no stretch of imagination be considered foreigners since they have not known any other country that they could call their own.The communal angle is the one that plays prominently on the minds of the adherents of Hindutva.

They also cite faulty decisions by Nehru on the course the economy should have taken. They blame his Eton and Cambridge education and the fact that he was influenced by the thoughts of leftist philosopher Harold Laski.Prof Aditya Mukherjee, a historian who taught at Jawaharlal Nehru University, has put up a spirited defence of the economic path followed by Nehru as the first Prime Minister of India. In his book Nehru's India — Past, Present and Future, Mukherjee argues that two principles were non-negotiable for Nehru — democracy and sovereignty. In the pursuit of development after the departure of the British, he only allowed these two prime concerns to guide his thinking. Hence, his choice of the public sector to fill the yawning gaps in the economy.

The commanding heights of the economy, Nehru decided, could not be placed in the hands of foreigners, who were bound to slip in if industrial development was left to the private sector. His commitment to sovereignty was evident in this decision. The Prime Minister's commitment to democracy, Mukherjee says, meant that labour needed to be consulted in the pursuit of any grand design. If labour was to be a partner and not merely a performer on command, its consent had to be obtained through democratic consultations.Nehru's 'Idea of India' was a united country where caste and creed would not matter. That would cover the entire population. Hindutva's agenda is to unite 80 per cent of the population that professes Hinduism or other religions like Buddhism, Jainism and Sikhism that originated in India, to form the bulwark against any threat to the primacy of Hinduism.

Personally, I have no quarrel if the intention is to build up the pride of the Hindu in his or her religion. Why should she or he not be proud of following an ancient religion that has stood the test of time and is now being studied by seekers of spirituality in Europe and other advanced societies of the world? My objection is to the spread of fear and hatred against followers of other creeds and creating dissensions in society that did not exist earlier.

The demonisation of Nehru is a manifestation of the divisiveness that is spreading throughout the country because of an ideology that is fast turning viral. My view is that this will do more harm than good to India and its place in the minds of people all over the world.

Shun corruption

Act on the CJI's plainspeak

SO entrenched is corruption in the Indian social and political reality that any resolve to counter it instantly runs into thick clouds of pessimism. A sense of resignation with regard to the status quo runs deep. Yet, for hope to filter through, the significance of terse plainspeak at the highest echelons cannot be overstated. Chief Justice of India (CJI) Sanjiv Khanna's call to reinforce systems of accountability and fairness is a reminder of how the citizen continues to be let down. Corruption as a hydra-headed monster that undermines public trust and hinders the ideals of democracy is an apt description. Equally crucial is the CJI's emphasis that the success of the anti-corruption ombudsman, the Lokpal, hinges on public trust and citizen engagement. It's the ability of the little man or woman to hold the big and powerful accountable, as he put it.It's indisputable that corruption can be rooted out only with the help of an educated and engaged citizenry. What's essentially missing — and that's the hydra on the ground — is institutional support. The social contract between the government and citizens to safeguard against corruption remains breached, and the gap is only widening. The referee agencies have been found wanting. Public trust is the sum total of the efficacy of the systemic reaction and action on complaints and grievances at every level. Nothing less will suffice.What the citizen has come to recognise is the futility of standing up against corrupt practices, small or big. Nothing weakens the national character more than a social sanction to graft and an official stamp, as it were, to the right to cheat. All organs of democracy are to blame. If you truly desire change, revitalise the institutions. Else, expect a more shrivelled moral and ethical fibre in an average Indian.

India, China and the Malacca Strait game

Any blockade of the Malacca Strait could result in the Chinese invasion of Taiwan. The reverse is also possible: a blockade of Taiwan by China could lead to the closure of the Malacca Strait.

FROM the 48th floor sea-facing room at Oakwood Hotel in Sri Racha, Thailand, overlooking the Gulf of Thailand, I see an oil refinery being built by some 200 Indian employees of the multinational, Petrofac. Unlike in the adjoining dispute-ridden, China-claimed South China Sea, the Thai Gulf is tranquil. The growth of China, the world's second biggest economy, depends on an uninterrupted supply of energy, which suffers from a Malacca dilemma.During his marathon briefing on Monday, eve of Army Day, Chief of Army Staff, Gen Upendra Dwivedi said the LAC was sensitive but stable (earlier it was unpredictable). China calls the shots there; India reacts. Time it turned the tables elsewhere: possibly the Malacca Strait in the Indian Ocean where India has the upper hand for now.Along the narrow neck of southern Myanmar and Thailand, connecting the Malaysia peninsula to the Asian mainland, is the Isthamus of Kra, called Devil's Neck, like our own Chicken's Neck in the Siliguri corridor which is being hedged under the Kaladan Multi-Modal project through Sittwe port in Myanmar.Across Kra, Thailand, prodded by China, had sought to make a canal; now a 90-km land bridge is to join the Andaman Sea in the Indian Ocean with the Gulf of Thailand in the South China Sea/Pacific Ocean to bypass the Malacca Strait.An alternative passage avoiding the Malacca Strait will inflict severe strategic and economic loss on Malacca's custodians — Singapore, Indonesia and Malaysia — and alter maritime dynamics in the Indo-Pacific: depriving India of a strategic choke point in the Indian Ocean to offset its diminished deterrence against China along the LAC.China's Malacca dilemma is the stuff of legend. At a Chinese Communist Party meeting in 2003, the then President Hu Jintao mentioned the lack of alternative routes and vulnerability of the Malacca Strait to naval blockade. As much as 90 per cent of China's trade is by sea, including 80 per cent of oil and 60 per cent of gas.

The Strait of Malacca is 80 km long, 65-to-150 km wide and 2.8 km at its narrowest point.From Malacca town, I could see the other side. Around 250 ships use it daily; it is congested with cargo ships and will reach its capacity by 2030. A closure of Malacca by accident or design will cost $85 million a week. During the Gulf War, Indian warships escorted US shipping through the Malacca Strait.China has weighed its Malacca diversion options: alternative routes, a new passage and enhancement of detterence to use the existing route. Alternative routes are available further south of the Malacca Strait through Sunda, Lombok and the Macassar Strait. These are shallow for submarines and involve two-to-three days of additional sailing (1500 nm), incurring added cost, which a Thai estimate puts at an astounding $200 billion a year.The Maritime Silk and Belt and Road initiatives launched in 2013 were designed to protect China's land routes and sea lanes of communication for energy. Three land corridors were envisaged: the $65-billion China-Pakistan Economic Corridor (CPEC) from Gwadar to Xinjiang; the China-Nepal Economic Corridor (CNEC), which is at the design stage, and the $7-billion partly developed China-Myanmar Economic Corridor (CMEC) from Kyaukphyu to Kunming, containing road, rail and oil and gas pipelines with SEZs.

China is acquiring military bases and access to ports and airfields to dominate the Indian Ocean Region — the Djibouti military base, Gwadar (Pakistan), Hambantota (99-year lease in Sri Lanka), Kyaukphyu and Coco island (Myanmar) and Ream (Cambodia) in the Gulf of Thailand. Negotiations are on with Madagascar, Comoros, the Seychelles and Mauritius for use of/access to military facilities.

India, too, is creating strategic assets in Mauritius, the Seychelles and Myanmar, coupled with bilateral and multilateral partnerships in the Indo-Pacific. China is a loner.In November 2023, the then Thai Prime Minister Srettha Thavisin presented the design to bypass the Malacca Strait and ports in Singapore and Malaysia, with a land bridge from Ranong and Chumphon, both deep sea container ports in the Andaman Sea and the Gulf of Thailand. In September 2024, Transport Minister Suriya Jungrungreangkit said the South-Eastern Corridor connecting Bimstec and Asean countries with the Indo-Pacific would come into effect in September 2025, the construction would commence in 2026 and the project completed in 2030. In August 2024, PM Paetongtarn Shinawatra confirmed that Thailand would seek Chinese investment for the $27-35-billion project.

For enhancing deterrence in the Indian Ocean, Beijing had shifted the military focus from the PLA to the PLA Navy (PLAN). It is now the fastest growing naval armada in the world, transforming from a brown-water navy to a blue-water one, crossing the First Island Chain and implementing the Two-Oceans Strategy — the Indian and Pacific Oceans. By 2035, it will be a 390-ship navy with seven aircraft carriers, frontline warships and submarines, hugely surpassing the US navy.

In the event of a blockade of the Malacca Strait by the US and/or India, which is an act of war, China may not attempt to break the blockade as it has three months of strategic oil reserves, with plans to make it last for 18 months and replenishing from Uzbekistan and Russia.Any blockade of the Malacca Strait could result in the Chinese invasion of Taiwan. The reverse is also possible: a blockade of Taiwan by China could lead to the closure of the Malacca Strait. Further, a blockade or invasion of Taiwan independent of action against Malacca will also harm India's economy.In such contingencies, as per the India-US cooperative deterrence — the Indo-Pacific Strategy — New Delhi should align its maritime domain expertise and naval capability in the Indian Ocean while the US focus should be in the Pacific Ocean. As PLAN's blue-water proficiency would take a decade to manifest, India should exploit more imaginatively China's Malacca dilemma to alter the adverse balance along the LAC. Or, will the Kra land bridge become China's hedge?

EPFO New Rule! BIG Update On Personal Details And EPF Transfers – All You Need To Know

New Delhi. The Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) has introduced a new online feature that allows its 7.6 crore members to easily update their personal details such as their name and date of birth without requiring employer verification or EPFO approval. Members with Aadhaar-seeded e-KYC accounts can now file their EPF transfer claims directly using an Aadhaar OTP, eliminating the need for employer involvement. Union Labour & Employment Minister Mansukh Mandaviya on Saturday launched two new services aimed at improving the experience for EPFO members. The minister noted that approximately 27 per cent of the grievances are related to profile or KYC issues. With the introduction of these services he expects reduction in such complaints. He also highlighted that large employers, who handle a high volume of such requests would benefit from this process.

The minister stated that the EPFO has simplified the process of joint declaration on the EPFO portal by allowing employees to self-correct most common errors in personal details like name, date of birth, gender, nationality, father/mother's name, marital status, spouse name, date of joining and date of leaving, without any verification by employer or approval by EPFO.

This facility will be available for members, whose UAN (universal account number) was issued after October 1, 2017 (when Aadhaar matching was made mandatory). No supporting document is required in such cases, the minister informed. If the UAN was issued prior to October 1, 2017, the employer can correct details without the EPFO's approval.Requirement of supporting document has also been simplified for such cases. Only where UAN is not linked with Aadhaar, any correction would have to be submitted physically to employer and after verification forwarded to EPFO for approval, he explained.

UAN registration is done by employer for the employee at the time of joining. For many employees, mistakes were committed by employers in recording father/spouse name, marital status, nationality and service details during the registration process or later. In order to correct these errors, the employee had to make a request online with supporting documents.The request would have to be verified by the employer and then forwarded to EPFO for approval before any change could be effected. This process was called Joint Declaration. Out of the 8 lakh requests that were forwarded to EPFO by employers in FY 24-25, it was seen that only 40 per cent were sent within 5 days, 47 per cent were sent after 10 days and the average time taken by employer was 28 days.

The simplification would provide relief to employees in 45 per cent of cases through immediate correction through Aadhaar OTP verification and in the balance 50 per cent of cases through the employer itself. If any member who can self-approve has already filed his request which is pending with the employer, the member can delete the already filed request and self-approve as per simplified process.This will benefit nearly 3.9 lakh cases pending with employer as on date. About the simplification of process of claims for transfer of EPF account, the minister said EPF members with fully compliant e-KYC EPF accounts can file their Online Transfer Claims with Aadhaar OTP directly with EPFO without any need for intervention of employer.If number of claims filed (1.3 Crore) during FY 2024-25 is considered more than 94 per cent claims (1.2 crore) will instantly reach EPFO. The turnaround time of EPF transfer claim processing will be considerably reduced since it does not require approval by the employer.

Indusind Bank CFO Gobind Jain resigns

NEW DELH. Gobind Jain, chief financial officer of the private sector lender Indusind Bank, has put in his paper "to pursue other professional the opportunities," the bank said in an exchanges filing on Saturday.The bank further said Arun Khurana, the deputy chief executive, and a whole-time director, will take the additional charge as chief financial officer from January 21."I am keen to pursue opportunities outside the bank or within the promoter group after having put in over three years," Jain, who joined the bank in October 2021, said in his resignation letter.

Khurana joined the lender in November 2011, and has been the deputy chief executive since April 2020. He has also served as overall head of the bank's global markets group. Khurana is also the overall head of global markets group, transacton banking and investment banking.The bank said Jain will serve a notice period of 90 days and will be available until April 17. Jain joined the bank after the then chief financial officer SV Zaregaonkar had resigned in September 2021.Jain is a chartered accountant, chartered financial analyst, certified financial planner and financial risk management. The bank's share tumbled nearly 2.5% by the closing of the trade on Friday.

Bank FD: Which Bank Is Offering Highest Interest Rate On 3-Year Fixed Deposit? Check Detailed Comparison

NEW DELHI. When compared to alternative investment options, bank fixed deposits have long been regarded as a safe investment. Many people choose fixed deposits (FD) because they believe they are safer, more reliable, and more stable. The length of the account, the quantity of the deposit, economic variables like inflation and the repo rate, and other economic considerations all affect the interest rates on fixed deposits, which differ from bank to bank.

For the required tenure, bank customers should compare the interest rates provided by various banks. A comparison of interest rates offered by private, public, and international banks over a three-year period may be seen in this table:Private sector banks like DCB Bank (7.55 per cent) and RBL Bank (7.5 per cent) offer the highest interest rates on 3-year fixed deposits, while Canara Bank leads among public sector banks with 7.4 per cent. Public sector banks generally offer slightly lower rates compared to private sector counterparts.Among foreign banks, Deutsche Bank offers the highest interest rate on 3-year fixed deposits at 8 per cent, significantly outpacing HSBC Bank (7 per cent) and Standard Chartered Bank (7.1 per cent). This makes Deutsche Bank a standout choice for higher returns in this category.

Big Loss For Narayana Murthy! Family Loses Rs 1,850 Crore As Infosys Shares Drop By...

New Delhi. The family wealth of Infosys co-founder NR Narayana Murthy took a significant hit on Friday as the company's share price dropped by nearly 6 per cent. This decline resulted in a loss of Rs 1,850 crore for Murthy's family.

Murthy Family's Shareholding and Recent Losses

NR Narayana Murthy, co-founder of infosys at the end of the september quarter held a 0.40 per cent stake in the company while his wife Sudha N Murty owned 0.92 per cent. Their children, Rohan Murty and Akshata Murty (wife of former UK Prime Minister Rishi Sunak), held stakes of 1.62 per cent and 1.04 per cent, respectively. NRN's grandson, Ekagrah Rohan Murty, had a small 0.04 per cent stake in Infosys. Together, the Murthy

family owns a 4.02 per cent stake in the IT giant.

Following a nearly 6 per cent drop in Infosys' stock price, their collective holdings were valued at approximately Rs 30,300 crore, a decrease from Rs 32,152 crore the previous day, marking a notional loss of over Rs 1,850 crore, according to a Business Today report.

Infosys Stock Decline

Infosys shares dropped 5.89 per cent, reaching a low of Rs 1,812.70 on the BSE, wiping out some of the gains made over the past six months, which now stand at 5.42 per cent. This decline comes despite the company's Q3 results surpassing expectations in several areas.

Infosys Announces Salary Hikes for Employees

Infosys announced on Thursday that it will implement annual salary hikes ranging from 6-8 per cent for its employees in India, starting in January 2025. This marks the first phase of salary revisions planned by the company, led by N R Narayana Murthy, with a second phase expected in April 2025. Employees based outside of India are likely to receive smaller, single-digit increases.

VinFast enters India with three e-SUVs, BYD to expand presence

NEW DELHI. VinFast on Saturday announced its first electric vehicles (EVs) for the Indian market at the Bharat Mobility Global Expo 2025. The Vietnamese automaker unveiled two all-electric premium SUVs, VF7 and VF6, at the Expo.

The SUVs are expected to be priced under Rs 30 lakh.he unveiling marks a major milestone for VinFast as it will now compete against the likes of Maruti Suzuki, Hyundai, Mahindra & Mahindra and Tata Motors in the small but fast-growing Indian electric car market. India is the first market where VinFast will launch a right-hand drive version of the VF7 and VF6.Pham Sanh Chau, CEO of VinFast Asia, said, "We believe our premium SUVs VF7 and VF6 are game changers that will accelerate adoption of EVs in India." Ashwin Ashok Patil, deputy CEO of sales & marketing at VinFast India, said VF7 and VF6 are expected to go for sale from second half of CY25. He said VinFast is appointing dealers across major towns with omni-channel presence.Last year, it broke ground on an electric vehicle manufacturing plant in Thoothukudi, Tamil Nadu. It had committed an investment of $500 million.Meanwhile, the world's largest electric carmaker BYD introduced its SEALION 7 Pure Performance eSUV at the Expo. Under the promotional booking offer, the BYD SEALION 7 can be booked with Rs 70,000 across India from Saturday. The Chinese auto giant said it will expand its dealership network in India to 40 locations by January 2025. The BYD SEALION 7 can accelerate to 100 km/h in 4.5 secs in the Performance trim, and the Premium does the same in 6.7 seconds.

Hyundai, TVS to make 3W, micro 4W for Indian market

NEW DELHI. South Korean automaker Hyundai Motor Company is joining hands with Chennai-based auto major TVS Motor to enter into India's growing last-mile mobility market. TVS and Hyundai on Saturday unveiled concept models of advanced electric three-wheelers and micro four-wheelers at Bharat Mobility Global Expo 2025.While no binding agreements have been explored or executed, Hyundai said it is exploring the potential to offer design, engineering and technology, while TVS Motor will explore manufacturing and marketing of the vehicles. "Collaborating with TVS Motor, we aim to locally produce the three-wheeler while exploring global opportunities for the four-wheeler, blending intuitive functionality with the spirit of a rapidly innovating India," said SangYup Lee, executive Vice President and head of Hyundai and Genesis Global Design.

Hyundai said the concept vehicles will not only address the pressing need for sustainable mobility but also align with the evolving demands of Indian roads and urban infrastructure. "TVS is proud to explore a partnership with Hyundai to shape future of urban mobility," said Sharad Mishra, President, Group strategy, TVS Motor Company."By combining Hyundai Motor's global expertise with our deep understanding of mobility solutions, we aim to develop next-generation micro-mobility solutions that redefine last-mile connectivity. With a shared vision, we are confident that this partnership under discussion will deliver impactful solutions that set new standards in design, engineering, technology, and quality," added Mishra.

Hyundai said it will explore the practicality and potential of these futuristic mobility solutions while analysing their integration into India's traffic ecosystem. Based on the findings, Hyundai and TVS will explore rollout of the project. The three-wheeler concept is proposed to be produced in collaboration with TVS, while the development of the four-wheeler is under review, with a focus on its global potential.

Hyundai claims that with the electric three-wheeler concept, they have reimagined India's ubiquitous motor rickshaw, transforming it into a versatile and eco-friendly vehicle that can serve not only as a people mover but also as an efficient logistics option or a rapid-response emergency vehicle.

EPF Vs NPS: Understanding The Key Differences In India's Retirement Plans

New Delhi. In India, the Employees' Provident Fund (EPF) and the National Pension Scheme (NPS) are the two most popular retirement pension plans. Both are intended to give people a monthly pension and a lump sum payment after they retire. There is a fundamental distinction between the two.EPF is a guaranteed return plan based on interest rates, whereas NPS is a market-linked investment programme that allows investors to choose investment plans and managers according to their aggressive, moderate and cautious return strategies.

There is a probability that NPS will outperform EPF in the long run because it is market-linked. Some individuals may wish to move their EPF funds to market-linked returns NPS if they prefer them to fixed returns (EPF)

Employees' Provident Fund: Details About It

EPFO, or Employees' Provident Fund Organisation, is in charge of EPF. A compound interest of 8.25 per cent is offered on an employee's EPF contribution annually.The highest amount an employee can contribute is 12 per cent of their base pay and dearness allowance (DA). One of the benefits is that employers are required

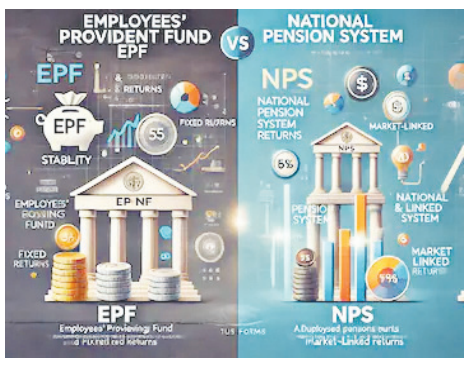

to make equal contributions to their employees' Employee Provident Funds.

EPF deposits made up to Rs 1.50 lakh within a fiscal year are exempt from taxes. Additionally, withdrawals and interest are tax-free.

National Pension Scheme: Know More About It

Any Indian national between 18 and 70 can open an NPS account by going to an eNPS or Point of Presence-Service Provider (POP-SP) and providing their bank account information and PAN.While NPS offers Tier II accounts with no lock-in term, Tier I accounts have a 60-year-old lock-in duration. A minimum annual payment of Rs 1,000 and a contribution of Rs 500 are required to start an NPS Tier I account.You can start a Tier II account by contributing Rs 250. After that, no minimum balance is needed. Under Section 80 CCD (1), Tier I accounts provide tax benefits up to a total of Rs 1.50 lakh.Only NPS subscribers are eligible for an extra deduction under subsection 80CCD (1B) for investments up to Rs. 50,000 in NPS (Tier I accounts). The NPS contribution made by an employer for the benefit of their employees up to 10 per cent of their base pay plus DA is deducted from their taxable income up to Rs. 7.50 lakh. For Tier II account holders, there are no tax advantages.

Petrol, Diesel Fresh Prices Announced: Check Rates In Your City On January 19

Petrol And Diesel Price Today: Check City-Wise Rates Across India Including In Delhi, Mumbai And Kolkata.

NEW DELHI. Oil marketing companies (OMCs) update petrol and diesel prices every day at 6 AM to ensure transparency and reflect the volatility in global markets. These daily adjustments take into account fluctuations in international crude oil prices and currency exchange rates, allowing consumers to receive accurate and current fuel cost information.

In India, fuel prices have remained steady since May 2022, after the central government and various state governments reduced fuel taxes.

Oil marketing companies (OMCs) update fuel prices daily at 6 a.m., reflecting changes in global crude oil prices. The government controls these prices using tools such as excise taxes, base pricing, and price caps.

Factors Influencing Petrol and Diesel Prices in India

Crude Oil Prices: As the key raw material for producing petrol and diesel, fluctuations in global crude oil prices have a direct impact on fuel costs in India.Exchange Rate: India imports a significant portion of its crude oil, so changes in the exchange rate between the Indian rupee and the US dollar influence fuel prices. A weaker rupee generally leads to higher fuel costs.

Taxes: Petrol and diesel prices are subject to various taxes imposed by both the central and state governments. These taxes can vary from state to state, contributing significantly to the final price consumers pay at the pump.

Refining Costs: The process of refining crude oil into petrol and diesel incurs costs that influence fuel prices. These expenses can vary based on factors such as the type of crude oil processed and the efficiency of the refinery.Demand: The balance of supply and demand plays a crucial role in determining fuel prices. Increased demand for petrol and diesel typically results in higher prices, as suppliers adjust to market conditions.

Check Petrol and Diesel Prices via SMS

You can easily check the latest petrol and diesel prices in your city through SMS. For Indian Oil customers, text the city code followed by "RSP" to 9224992249. BPCL customers can send "RSP" to 9223112222, and HPCL customers can text "HP Price" to 9222201122 to receive the current fuel prices.

'Convoy attack': Kejriwal's campaign turns battleground for AAP and BJP

▸Posting a video, AAP called the attack a "cowardly act" by the BJP in fear of their impending defeat.

NEW DELHI. AAP supremo Arvind Kejriwal's vehicle was allegedly attacked while he was campaigning in New Delhi, sparking a heated exchange between the ruling party and the opposition BJP on Saturday.

The party accused BJP "goons" of pelting Kejriwal's convoy with bricks and stones, aiming to disrupt his campaign and intimidate him ahead of the elections. Posting a video, AAP called the attack a "cowardly act" by the BJP in fear of their impending defeat.

"Fearing defeat, BJP panicked, got its goons to attack Arvind Kejriwal. BJP candidate Pravesh Verma's goons attacked Arvind Kejriwal with bricks and stones while he was campaigning and tried to hurt him so that he could not campaign.

BJP people, Kejriwal ji is not going to be scared of your cowardly attack, people will give you a befitting reply," AAP wrote in Hindi and posted a video clip of the incident on X.In a swift rebuttal, Verma dismissed AAP's allegations and accused Kejriwal of running over three people by his vehicle during the campaign. "When the people were asking questions, @ArvindKejriwal hit youngsters with his car.

Both were taken to Lady Harding Hospital. Seeing defeat in front, he forgot the value of people's lives. I am going to the hospital," Verma responded on X sharing a video proof.

As the day unfolded, leaders of both parties exchanged accusations of playing dirty ahead of the high-stakes battle.

BJP MP Bansuri Swaraj accused Kejriwal of failing to fulfill his promises. In retaliation, AAP MP Sanjay Singh alleged that BJP wanted to win the polls through hooliganism.AAP says cops stopped docu, officials cite MCC

Kejriwal alleged Delhi Police prevented the screening of a documentary exposing "conspiracies" behind arrest of AAP leaders. The cops said no permission was sought for the screening despite MCC being in force.

Probe Agency Restores Properties Worth Rs 290 Crore in Maharashtra Bank Scam

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED), Mumbai Zone, has restituted immovable properties worth Rs 289.54 crore to the Competent Authority, MPID appointed by the Government of Maharashtra in the case of M/s Pen Co-operative Urban Bank Ltd, an official said on Friday.A statement mentioned that the assets were provisionally attached by ED under Section 5 of Prevention of Money Laundering Act (PMLA), 2002 as the erstwhile office bearers had cheated the banks and siphoned off the bank funds for private investments.

The investigation was initiated based on the FIR registered by Pen Police Station, District Raigad, Maharashtra. It was alleged by the LEA in its chargesheet that office bearers of the bank entered into criminal conspiracy with the then Auditors of the Bank willfully and intentionally manipulated the books of accounts of Pen Bank and fraudulently reported profit and caused a loss of Rs. 651.35 Crore to the bank.ED investigations revealed that the proceeds generated out of crime of forgery and cheating was diverted and routed through the bogus cash credit accounts opened in the said bank using the services of cheque discounters in the market.The statement further read that part of such Proceed of Crime (POC) was utilised for purchase of immovable properties at different locations in Raigad District of Maharashtra in the names of third parties (Benami properties)."These Benami properties measuring 70.9 acres worth Rs. 25.20 Crore were attached u/s 5 of PMLA on 26.05.2014 and 03.12.2014. Further Prosecution Complaint dated 20.06.2018 has been filed in the subject case before Hon'ble Special Court, PMLA and the trial is underway," it read."In the meantime, a Criminal Writ Petition bearing was filed by one of Depositor of Pen Urban Cooperative Bank Ltd before the Hon'ble Bombay High Court praying for release of the properties attached under the PMLA. The Hon'ble Bombay High Court vide order dated 07.10.2016 directed the ED to hand over the properties to MPID. Against the said order, ED filed a SLP before the Apex Court vide order dated 03.11.2017 which granted a stay on the order of Hon'ble Bombay High Court. MPID authorities filed an application u/s 8(8) of PMLA dated 01.02.2019 before Hon'ble Special Court (PMLA), Mumbai to confiscate the attached property to MPID for its restitution," it further

Poll office holds awareness event

New Delhi. The Delhi election office on Saturday organised 'Aagaz-e-Voting', a musical event at Central Park, Connaught Place, as part of the voter awareness campaign for the upcoming Delhi legislative assembly elections.The event featured a performance by the Nizami Brothers.

Addressing the gathering, chief electoral officer R Alice Vaz emphasised the importance of active citizen participation in the biggest festival of democracy, that is, the election. "Your vote is your voice. Let us come together and make our vote count."

"The 'Aagaz-e-Voting' was an initiative under the Systematic Voter's Education and Electoral Participation (SVEEP) programme, aimed at maximising voter turnout and promoting informed voting," a statement from the CEO office said.

Woman strangled by boyfriend in Delhi, murder staged as suicide

NEW DELHI. A 23-year-old woman was murdered by her boyfriend in northwest Delhi's Bharat Nagar on Friday. Police said the accused suspected she was having an affair with someone else, leading to an argument at her home. He allegedly strangled her. The accused, who has been arrested, attempted to disguise the murder as a suicide but failed.

The accused, Shakir (26), lived in Om Nagar, Dhobi Ghat, and worked as a delivery boy in Sadar Bazar. On Jan 17, police received information about a suspected suicide. The caller claimed his niece had hanged herself.

A team from the local police station rushed to the scene, where they found a woman on the floor, identified as Saniya. She used to give tuition to children.

Deputy commissioner of police (Northwest) Bhisham Singh said that a ligature was tied around Saniya's neck, and a dupatta was attached to the ceiling fan. However, the ends of the dupatta were untied. The district crime team and the Forensic Science Laboratory (FSL) team inspected the crime scene, and CCTV cameras in the vicinity were thoroughly analysed.

"The circumstances were staged to appear as a suicide. However, certain facts and circumstantial inquiries raised serious doubts about this projection," said Singh.

Upon further investigation, the team recreated the crime scene and concluded that someone entered secretly from the roof, killed Saniya, and then fled. A case under section 103(1) (murder) of BNS was registered at Bharat Nagar police station.

Acting on secret information, a team led by SHO (Bharat Nagar) arrested Shakir. During interrogation, Shakir confessed to dating Saniya for five years and claimed she was cheating on him for the past three months. This allegedly led him to plan her murder. "When he was trying to hang her on the ceiling fan, someone knocked on the door. This frightened him, and he fled through the roof," police added.

German national caught with banned GPS device at airport, seventh case this month

New Delhi. A banned GPS device was recovered from the baggage of a German national at IGI Airport, marking the seventh such case this month. A case was registered, and the individual was bound down. Police investigations revealed that foreign nationals caught with these devices often claimed they brought them for research or navigation purposes. The incident was reported on Jan 13 when security officials identified an unspecified device in the passenger's baggage.

The German citizen, en route to Ahmedabad, arrived at IGI Airport around 10.24 am and submitted his hand baggage for screening. During the screening, CISF personnel noticed a suspicious image of an electronic device in the passenger's hand baggage, prompting a physical check. Upon inspection, a GPS device was discovered. The passenger did not have the necessary permission from the Union ministry of home affairs (MHA) or the department of telecommunications to carry the device in India.

A case was registered under Section 42(3)(d) of the Telecommunications Act of 2023 at IGIA police station. Earlier this month, similar cases were reported involving nationals from New Zealand, Switzerland, Tanzania, Tokyo, the UK, and the US. An assistant professor from a university in Varanasi was also found with a banned GPS device.To "be bound down" means being required to appear before an investigating officer on a specified date. Police sources explained that satellite phones are banned in India to mitigate security risks and unauthorised surveillance.

Defamation case: Order reserved on CM Atishi's plea against summons

NEW DELHI. A city court on Saturday reserved its order on Chief Minister Atishi's appeal against summons issued to her in a defamation case filed by BJP leader Praveen Shankar Kapoor. The decision, expected on January 28, comes after extensive arguments by both sides.

Special Judge Vishal Gogne of Rouse Avenue Court, presiding over the case, heard rebuttal arguments from senior advocate Ramesh Gupta, representing Atishi. Gupta argued that political defamation cases required a higher threshold since political parties are inherently subjects of public discourse.

The case traces back to a press conference by Atishi on April 2, 2024, where she alleged that the BJP approached her to join their party under threat of arrest by the ED. This prompted Kapoor, a BJP spokesperson, to file a defamation complaint, claiming her statements were false, malicious, and intended to harm BJP's reputation.

Kapoor's legal team, led by senior advocate Ajay Burman, contended that the defamation was not only directed at the BJP but also personally defamatory to Kapoor due to his long-standing association and representation of the party.

Gupta countered that the alleged defamatory remark was against the BJP as a collective, not Kapoor personally. He suggested that the defamation complaint should have been filed by the party itself if it felt aggrieved.

The court had previously stayed the proceedings in November 2024, after Atishi moved the sessions court against the summons issued on May 28.

Atishi sticks to allegations

The notice accused Atishi of making baseless claims without specific evidence or details about the BJP. Atishi, however, stood firm on her allegations, asserting that the BJP is using central agencies to intimidate opposition leaders. She dismissed the threats as attempts to derail her political career.

Killings of Delhi's notorious serial killer: Chanderkant Jha targeted young men, hacked them and scattered body parts

NEW DELHI. The notes found with the murdered bodies always read, "Tumhara baap+Jijaji. CC". Chanderkant Jha, the man behind the bizarre series of killings, terrorised Delhi for years, leaving a trail of dismembered bodies and the taunting letters in his wake.

His modus operandi was to target young men, often migrants from Uttar Pradesh and Bihar, and chop off their heads, legs and hands. Born in 1967, Jha is alleged to have killed 18 victims in west Delhi between 1998 and 2007, dumped their bodies outside Tihar Jail and scattered other body parts across Delhi.

Officially, the serial killer is charged in seven murder cases and six other crimes. Arrested in 1998 for his first murder, Jha was incarcerated until 2002, when he was released due to insufficient evidence. His release only facilitated another killing spree.

During questioning, Jha blamed his parents for neglecting him in his childhood. His mother was a schoolteacher, and he felt she prioritised her profession over him. Dejected, he decided to leave his village and search for a job elsewhere. Jha eventually made his way to Delhi, where he found work selling vegetables at Azadpur Mandi.

He soon developed a grievance against the police officers in the area, who he claimed demanded bribes from him. "This instilled a strong sense of resentment towards the system," he confessed to the cops.

While working at Azadpur Mandi, Chandrakant got into a fight with fellow vegetable dealer Pandit and injured the latter hand with his knife. Pandit filed a complaint, leading to Chandrakant's arrest in Oct 1988. After his release from police custody, Jha began plotting his revenge against Pandit. He pretended to be close friends with Pandit and eventually killed him. The case remained unsolved, as Pandit's head was never found and his body remained unclaimed.

Jha relocated to Haiderpur, where he continued to sell vegetables. His first marriage was short-lived but he had five daughters from his second marriage, said police. "He would extend help to young men, often by assisting them in finding work, offering them meals and treating them like his brothers.

During the course of their stay with him he took offence to their small indulgences like drinking, eating meat, womanising or lying. Often, his demeanour took a savage turn and led to the brutal murders," said additional commissioner Sanjay Sain, who headed the special police team created to pursue the serial killer after he jumped parole.

Sandeep Dikshit corners AAP over water, air pollution

Addressing a press conference, Dikshit claimed there were around 5,500 DTC buses in 2013, but the number has now reduced to around 3,000.

NEW DELHI. Congress leader Sandeep Dikshit on Saturday blamed the AAP government for the air and water pollution in the capital, claiming it did nothing while in power over the past 10 years . Addressing a press conference, Dikshit claimed there were around 5,500 DTC buses in 2013, but the number has now reduced to around 3,000. "In 2013, 43 lakh people used to commute in DTC buses, but today only 41 lakh people travel in DTC and cluster buses.

The numbers should have increased to around 60-65 lakh, given the rise in population, but it has dropped to 41 lakh. If these surplus 20-25 lakh people are choosing private transport, it clearly adds to pollution," he said.

Dikshit also refuted Kejriwal's claim that sewage capacity in Delhi increased by 50%. "In 2013, the capacity was 613 MGD. Now, its 632 MGD," he said.

Centre-farmers' talks on February 14, fasting Jagjit Dallewal accepts medical aid

New Delhi. Farmer leader Jagjit Singh Dallewal, on an indefinite fast for 54 days, agreed to take medical aid late on Saturday after the Centre proposed a meeting with the protesting farmers on February 14 to discuss their demands, including a legal guarantee on MSP for crops.However, Dallewal will not end his indefinite fast till the Centre agreed to give a legal guarantee on MSP for crops during next month's meeting in Chandigarh, farmer leader Sukhjit Singh Hardojhande said.Later, pictures showing Dallewal taking medical aid with an intravenous drip were released by the farmers.

The breakthrough came after a delegation of Union Agricultural Ministry officials, led by Joint Secretary Priya Ranjan, met Dallewal and held a meeting with the representatives of the Samyukta Kisan Morcha (Non-Political) and Kisan Mazdoor Morcha (KMM), which have been spearheading the agitation for the last 11 months.Following the February 14 meeting announcement, farmer leaders appealed to Dallewal to take medical aid so that he could recover and participate in the talks.Earlier, farmer leader Abhimanyu Kohar said Dallewal was unable to take water and had been vomiting. He said that doctors had warned that anything could have happened to Dallewal.

Before agreeing to take medical aid, Dallewal had asked the farmer leaders to take consent from the 121 farmers who were also on an indefinite fast. A few days ago, a group of 111 farmers and later, 10 more farmers sat on a fast-unto-death in solidarity with Dallewal.The Centre's delegation also appealed to Dallewal to take medical aid so that he can participate in the proposed meeting, which will take place at the Mahatma Gandhi State Institute of Public Administration at Chandigarh at 5 pm on February 14.Talking to reporters at

the Khanauri protest site, Ranjan said a high-level delegation was sent by the Centre, keeping in mind the deteriorating health of Dallewal."We enquired about his health and held a meeting with the representatives (of the protesting farmers' bodies). We urged him (Dallewal) to break his fast and take medical aid, so that he can participate in the meeting," he said.So far, four rounds of meetings had taken place between the Centre and the protesting farmers on February 8, 12, 15 and 18 last year, but the talks remained inconclusive.Farmers protesting at the Khanauri and Shambhu border points between Punjab and Haryana said they received a proposal from the Centre to hold talks over their demands.

Farmer leader Kohar said officials fixed February 14 for the meeting as Assembly polls were due in Delhi on February 5 and the Model Code of Conduct will be in force in the national capital till February 9.Dallewal, who is the convenor of the SKM (Non-Political), has been on an indefinite hunger strike at the Khanauri border point since November 26 last year in support of various demands, including a legal guarantee on the MSP for crops.On Thursday, farmer leaders said Dallewal had lost about 20 kg of weight during his fast-unto-death. The weight of Dallewal had reduced to 66.4 kg from 86.9 kg, when he began the indefinite fast.

NEWS BOX

Unable To Move Forward Until...': Netanyahu's BIG Remark On Israel-Gaza Hostage Deal

Israel-Hamas Hostage Deal. Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu has said that Israel will not be able to move forward with an agreed framework in connection to the implementation of the ceasefire deal in Gaza until Hamas provides the list of hostages to be released. He asserted that any violations of the agreement will not be tolerated.

In a post on social media platform X, the Office of the Israeli PM quoted Netanyahu and said, "We will be unable to move forward with the framework until we receive the list of the hostages who will be released, as was agreed. Israel will not tolerate violations of the agreement. Hamas is solely responsible."

This comes after the Israeli government on Saturday gave its approval to the ceasefire and hostage release deal with Hamas by a vote of 24-8, according to a report by Times of Israel.

TRENDING NOW

Earlier on Friday, the Israeli security cabinet had approved the hostage release-ceasefire deal with Hamas and recommended the government to adopt it.The Israel government's hostages and missing persons coordination unit on Friday notified the families of the 33 Israeli hostages expected to be set free in the first phase of the Gaza ceasefire deal.Israel has not been told how many of the 33 are alive, though it expects the majority are. Israel will receive a full status report on all those on the list seven days into the ceasefire.The order of release is not yet known. The identities of those set to return are expected to be provided 24 hours before each release, as reported by the Times of Israel.

Beyond the 33 hostages set for release in phase one, Israel says 65 more hostages are currently held in Gaza, including the bodies of at least 36 confirmed dead. As the first phase progresses, talks will focus on the release of remaining hostages, ending the war, and Gaza's future reconstruction.

Gasoline Tanker Explosion In Nigeria Kills At Least 70 People

World At least 70 people were killed after a gasoline tanker exploded in north-central Nigeria, AP reported citing the country's emergency response agency.

The blast happened in the early hours of Saturday near the Suleja area of Niger state after individuals attempted to transfer gasoline from one tanker into another truck using a generator.The tragic incident of tanker explosion took place in the early hours of Saturday near the Suleja area of Niger state after individuals attempted to transfer gasoline from one tanker into another truck using a generator.

TRENDING NOW

The explosion, triggered during the fuel transfer, resulted in the deaths of both those handling the gasoline and nearby bystanders, Hussaini Isah of the National Emergency Management Agency told the Associated Press, as reported by AP.Due to the lack of an efficient railway system for cargo transport, fatal truck accidents are frequent on major roads in Nigeria, Africa's most populous nation.

Thousands Protest In Washington DC Against Trump Ahead Of Inauguration

World Thousands of people from across the country gathered in the American Capital two days before the inauguration of Donald Trump as the 47th President of the United States on January 20.

Trump, 78, succeeds Joe Biden, 82, on Tuesday as the new occupant of the White House. A coalition of nonprofit bodies, including Sakhi for South Asian Survivors, under the banner of People's March, held the demonstration here to protest against the policies of Trump.Displaying anti-Trump posters and banner, the protestors raised slogans against the next

President and also against some of his close supporters including Tesla owner Elon Musk. The same group had also held a similar protest on January 2017, when Trump was inaugurated for the first time.

TRENDING NOW

There were a series of three protests which started from three different parks and culminated near the Lincoln Memorial. "Mass protest is one of the most effective ways to demonstrate to our communities that we are not obeying in advance or bowing to fascism, and invites them to do the same," People's March said.

Amongst the coalition members are Abortion Action Now, Time to Act, SisterSong, Women's March, Popular Democracy In Action, Harriet's Wildest Dreams, The Feminist Front, NOW, Planned Parenthood, National Women's Law Center Action Fund, Sierra Club, and the Frontline.Women's March is anchoring the logistics of the mobilization. Similar marches, though at a smaller scale, were also held in various other cities including New York, Seattle and Chicago."We really wanted to come to support women, equality, immigration, everything that really feels like we don't have much of a say in right now," Brittany Martinez, one of the protesters, told USA TODAY.

Thousands rally in Washington for rights, abortion access before Trump's inauguration

WASHINGTON. Thousands of people from around the United States were rallying in the nation's capital Saturday for women's reproductive rights and other causes they believe are under threat from the incoming Trump administration, reprising the original Women's March days before President-elect Donald Trump's second inauguration.Eight years after the first historic Women's March at the start of Trump's first term, marchers said they were caught off guard by Trump's victory and are determined now to show that support remains strong for women's access to abortion, for transgender people, for combating climate change and other issues.

The march is just one of several protests, rallies and vigils focused on abortion, rights, immigration rights and the Israel-Hamas war planned in advance of inauguration Monday. Around the country, over 350 similar marches are taking place in every state.

Jill Parrish of Austin, Texas, said she initially bought a plane ticket to Washington for what she expected to be Democratic Vice President Kamala Harris's inauguration. She wound up changing the dates to march in protest ahead of Trump's swearing-in instead, saying the world should know that half of U.S. voters didn't support Trump.

"Most importantly, I'm here to demonstrate my fear, about the state of our democracy," Parrish said.Demonstrators staged in squares around Washington ahead of the march, pounding drums and yelling chants under a slate-gray sky and in a chilly wind. Protesters then marched to the Lincoln Memorial for larger rally and fair, where organizations at the local, state and national level will host information tables.

They held signs with slogans including, "Save America" and "Against abortions? Then don't have one" and "Hate won't win."

There were brief moments of tension between protesters and Trump supporters. The march paused briefly when a man in a red Make America Great Again hat and a green camo backpack walked into a line of demonstrators at the front. Police intervened and separated him from the group peacefully as marchers chanted "We won't take the bait."

As the protesters approached the Washington Monument, a small group of men in MAGA hats walking in the opposite direction appeared to draw the attention of a protest leader with a megaphone. The leader veered closer to the group and began chanting "No Trump, no KKK" through the megaphone. The groups were separated by high black fencing and police officers eventually gathered around.

Rick Glatz, of Manchester, New Hampshire, said he came to Washington for the sake of his four granddaughters: " I'm a grandpa. And that's why I'm marching."

Minnesota high school teacher Anna Bergman wore her original pink pussy hat from her time in the 2017 Women's March, a moment that captured the shock and anger of progressives and moderates at Trump's first win.With Trump coming back now, "I just wanted to be surrounded by likeminded people on a day like today," Bergman said.Rebranded and reorganized, the rally has a new name — the People's March — as a means to broaden support, especially during a reflective moment for progressive organizing after Trump's decisive win in November. The Republican takes the oath of office Monday.Women outraged over Trump's 2016 presidential win flocked to Washington in 2017 and organized large rallies in cities throughout the country, building the base of a grassroots movement that became known as the Women's March.

Trump lands in Washington ahead of inauguration, fireworks kickstart celebrations

World.US President-elect Donald Trump arrived in Washington with his family, supporters and political allies ahead of his inauguration as the 47th President on Monday.On Saturday evening, he landed at the Dulles International Airport in Virginia, and was accompanied by his wife, Melania, daughter Ivanka and her husband, Jared Kushner.Trump will host a reception for about 500 guests and a fireworks display later on Saturday evening, news agency Reuters said.

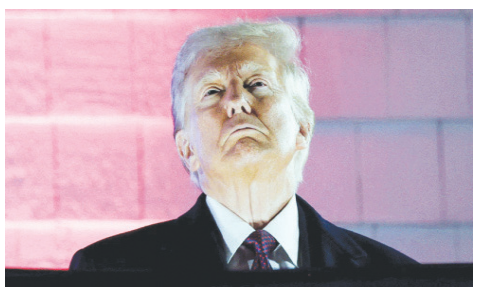

Notably, Trump's swearing-in ceremony will be held inside the US Capitol instead of outdoors due to the forecast for "dangerous" cold conditions in the capital.

TOP DEVELOPMENTS

Trump flew to Washington on an Air Force plane sent by outgoing President Joe Biden to Trump's resort on Palm Beach in Florida, where Trump was preparing for his transition after defeating Kamala Harris in the November 5 election. The flight was dubbed "Special Air Mission 47", a nod to Trump taking charge as the 47th US president.

After arriving at the Dulles Airport in suburban Virginia, Donald Trump traveled to his golf club in Sterling, Virginia, on the outskirts of Washington, news agency Reuters reported.Elvis Presley impersonator Leo Days entertained Trump and Melania ahead of the reception and fireworks display. A video on social media shows Days singing as Trump and Melania watched.

Trump is scheduled to participate in a wreath-laying ceremony at Arlington National Cemetery on Sunday, the eve of his inauguration.

Trump is scheduled to hold a rally with his supporters inside the Capital One Arena in Washington on Sunday, the eve of his inauguration, as well as a post-inauguration event on Monday afternoon. Trump's rally on Sunday will be followed by a private dinner.Trump will start with the traditional prayer service at St John's Episcopal Church on Monday, before heading to the White House for a customary tea with the outgoing President Joe Biden and first lady Jill Biden.

Hope And Tears As Youngest Israeli Hostage Turns Two Ahead Of Gaza Ceasefire

Tel Aviv, Israel. Israelis gathered in Tel Aviv to demand freedom for hostages held in Gaza, anxious the ceasefire deal would collapse, with many dwelling on the fate of Kfir Bibas, the youngest captive whose second birthday fell on Saturday."Today, I tried to write a birthday message for Kfir for the second time," his aunt Ofri Bibas Levy said. "A message for a child who cannot celebrate... A child trapped in hell. A child who might not even be alive. But no words come out, only tears."Taken alongside his now four-year-old brother Ariel and his mother and father, Shiri and Yarden, he has become a symbol of the suffering of the hostages.

"I have two orange ballons on my car," said Sigal Kirsch in Tel Aviv's "Hostage Square". The colour has become symbolic of the Bibas boys, both of whom are red-heads."I don't have the words," she said, visibly overcome with emotion.Hamas said in November 2023 that the two boys and their mother were killed in

an Israeli air strike, but the Israeli military has not confirmed their deaths.Coming together to protest barely 12 hours before the first three hostages are due to be released, many couldn't bring themselves to believe after so much false hope that the ordeal of the hostages might finally be over.

"Once they cross the (Gaza) border and they will be rejoined with their families then maybe we can breathe again," said Shahar Mor Zahiro, the nephew of slain hostage Avraham Munder.

'Hell'

Anxiety was the overwhelming mood."This past week was hell," said Kirsch, who had been every week to the gatherings at Hostage Square, across the road from Israeli military headquarters."On Tuesday we were sure that the deal would be signed... and it took until last night. So we're very, very anxious," she said.

The deal agreed between Israel and Palestinian militant group Hamas, via mediators, is broken into three phases.But, with Prime Minister Benjamin Netanyahu under pressure from far-right elements of his government opposed to a ceasefire, protesters and families of the hostages expressed fears that the deal would collapse.

"In one sense (the mood) is a little more hopeful, and in another sense, it's very sad. Because for the people who aren't in the first phase, I can't imagine how their hearts bleed at this point," said Neil Trubowiz, 75, from Tel Aviv, in Hostage Square.

What Happens After Gaza Ceasefire, How Many Hostages Will Be Released

Jerusalem/Cairo. A ceasefire in Gaza between Israel and Hamas is set to come into effect on Sunday morning with a hostage release to follow hours later, opening the way to a possible end to a 15-month war that has upended the Middle East.The agreement followed months of on-off negotiations brokered by Egypt, Qatar and the United States, and came just ahead of the Jan. 20 inauguration of U.S. President-elect Donald Trump.

The three-stage ceasefire will come into effect at 0630 GMT on Sunday.Its first stage will last six weeks, during which 33 of the remaining 98 hostages - women, children, men over 50, the ill and wounded - will be released in return for almost 2,000 Palestinian prisoners and detainees.They include 737 male, female and teen-aged prisoners, some of whom are members of militant groups convicted of attacks that killed dozens of Israelis, as well as hundreds of Palestinians from Gaza in detention since the start of the war.

Three female hostages are expected to be released on Sunday afternoon through the Red Cross, in return for 30 prisoners each.After Sunday's hostage release, lead U.S. negotiator Brett McGurk said, the accord calls for four more female hostages to be freed after seven days, followed by the release of three further hostages every seven days thereafter.

U.S. President Joe Biden's team worked closely with Trump's Middle East envoy Steve Witkoff to push the deal over the line.As his inauguration approached, Trump had repeated his demand that a deal be done swiftly, warning repeatedly that there would be "hell to pay" if the hostages were not released.

Post-War Gaza?

But what will come next in Gaza remains unclear in the absence of a comprehensive agreement on the postwar future of the enclave, which will require billions of dollars and years of work to rebuild.And although the stated aim of the ceasefire is to end the war entirely, it could easily unravel.Hamas, which has controlled Gaza for almost two decades, has survived despite losing its top leadership and thousands of fighters.

Israel has vowed it will not allow Hamas to return to power and has cleared large stretches of ground inside Gaza, in a step widely seen as a move towards creating a buffer zone that will allow its troops to act freely against threats in the enclave.In Israel, the return of the hostages may ease some of the public anger against Prime Minister Benjamin Netanyahu and his right-wing government over the Oct. 7 security failure that led to the deadliest single day in the country's history.

South Korean court extends President Yoon's detention, protests erupt

Seoul. A South Korean court on Sunday extended President Yoon Suk Yeol's detention for up to 20 days, leading to violent protests by hundreds of angry supporters who stormed the court building, smashed windows and broke inside.Yoon last week became the first sitting South Korean President to be arrested as he faces allegations of insurrection related to his stunning, short-lived December 3 declaration of martial law that has plunged the country into political turmoil.Shortly after the court's decision was announced around 3 am on Sunday, his supporters swarmed the building, overwhelming riot police trying to keep them at bay.Footage showed protesters blasting fire extinguishers at lines of police guarding the front entrance, before they flooded inside, destroying office equipment and furniture.Police, who restored order a few hours later, said they had so far arrested 4 protesters."We will track down till the end more of those who committed illegal acts or instigated and assisted," the Seoul Metropolitan Police said in a statement.There were around 40 minor injuries sustained during the chaos but no serious injuries reported, an emergency responder near the court said.

With a requirement either to petition to extend Yoon's detention or free the impeached president within 48 hours, South Korean investigators asked a Seoul court on Friday to hold him for longer after he refused to be questioned.After a 5-hour hearing on Saturday, which Yoon attended, the Seoul Western District Court opted to grant the investigators' request due to "concern that the suspect may destroy evidence", the court said in a statement.

Under the new warrant, Yoon can be detained for up to 20 days. South Korean regulations require a suspect detained under a warrant to undergo a physical exam, have a mugshot taken and wear a prison uniform.The leader is expected to continue to be held in a solitary cell at the Seoul Detention Centre."President Yoon Suk Yeol and our legal team will never give up," lawyers representing Yoon, who have called the criminal probe invalid, said in a statement."We will do our best in all future judicial procedures to correct the wrong," the lawyers said, adding that the violence at the court was an "unfortunate" incident.

Yoon's conservative People Power Party called the court's decision a "great pity"."There's a question whether repercussions of detaining a sitting president were sufficiently considered," the party said in a statement.

But the main opposition Democratic Party called the court's approval on the warrant a "cornerstone" for rebuilding order and said that "riots" by "far-right" groups would only deepen the national crisis.Support for the PPP collapsed after his martial law declaration, which he rescinded hours later in the face of a unanimous vote in parliament rejecting it. Lawmakers impeached Yoon on December 14, suspending his presidential powers.But in the turmoil since - in which the opposition-majority parliament also impeached his first replacement and investigators botched an initial attempt to arrest Yoon - the PPP's support has sharply rebounded.

NEWS BOX

Seeking old touch, hoping net gains

New Delhi. A decade ago, Kidambi Srikanth and Saina Nehwal had delighted the home fans with titles in their respective categories at the India Open. The times were different then. Indian shuttlers boasted a vibrant energy. There were several talents in singles capable of rubbing shoulders with the creme de la creme of badminton.Fast-forward to 2025, the energy seems different. Singles results have not been envious at all.

PV Sindhu (in 2017) and Lakshya Sen (in 2022) did follow the duo's footsteps but with the gradual decline of Srikanth and Saina, and Sindhu growing older, India has been starving for potential talents capable of repeating that feat. Especially in the last two years or so. Given that the ongoing edition of the India Open is a BWF Super 750-level meet (it was Super 500 in 2015), it is much more challenging to get the wins. In the ongoing edition, Sindhu and surprise entrant Kiran George were the two shuttlers who went the furthest (quarterfinals). The results have been no different in other BWF World Tour events with Satwiksairaj Rankireddy and Chirag Shetty being India's saving grace. Missing out on an Olympic medal in the 2024 Paris Games was the wake-up call.

The Badminton Association of India is

cognizant of this recent slump and is looking to reboot. The 2028 Summer Olympics in Los Angeles is 1273 days away. It might seem a long way away but every hour in the lead-up to the Games is critical for athletes with serious aspirations to challenge for medals. With the future in their mind, the BAI is looking to lay the groundwork so that shuttlers can return to the podium in LA and Games thereafter.For that the BAI is trying to look within rather than without. The focus would be more on Indian coaches. It's still early days as necessary approvals from the sports ministry and the Sports Authority of India need to be sought. But BAI does have something concrete in mind. The federation is drifting away from the personal coaches system. Indonesia's Irwansyah was recently roped in as coach and he will help India's women's singles players. Irwansyah was guiding Sindhu here but BAI is planning to form a group which will include five or six junior girls with Sindhu in the mix.

The system will be ditto in other categories. Tan Kim Her will be passing on lessons to all the doubles players including Satwik and Chirag.

Darwin Nunez late double rescues win for Liverpool in Premier League

- Liverpool has still lost only one league game all season, at home to Forest in September. The Reds had 37 shots against Brentford and scored with their final two.

New Delhi. Darwin Nunez scored twice in stoppage time as Liverpool beat Brentford 2-0 to strengthen its spot in first place in the Premier League on Saturday.Second-placed Arsenal will look to restore the four-point gap to Liverpool by defeating Aston Villa later.Brentford's fans derided Nunez after going on as a substitute in the 65th minute, but the Uruguay striker responded by turning home a cross from Trent Alexander-Arnold in the first minute of added-on time.Nunez then finished off a counterattack two minutes later and secured a first victory in three league games for Liverpool, which drew with Manchester United and Nottingham Forest either side of a loss to Tottenham in the first leg of the English League Cup semifinals.Liverpool has still lost only one league game all season, at home to Forest in September. The Reds had 37 shots against Brentford and scored with their final two."We were close to not getting what we deserved," Liverpool manager Arne Slot said.Nunez, who is sometimes criticized for wasteful finishing, doubled his tally of league goals for the sason."Darwin did really well, not only with the goals but with his attitude and the way he fights for every ball," Liverpool goalkeeper Alisson Becker said."You can say he doesn't score too much this season, but he is working hard every day."

Kluivert's second hat trick

Justin Kluivert scored his second hat trick of the season in the league to inspire Bournemouth to 4-1 at Newcastle, whose nine-match winning run in all competitions came to an end emphatically.The Dutch midfielder netted in the sixth, 44th and second-half stoppage time at St. James' Park. Milos Kerkez added the fourth goal in the sixth minute of added-on time.

Bruno Guimaraes equalized for fourth-placed Newcastle.Kluivert, whose father is former Netherlands striker Patrick Kluivert, also scored three goals against Wolverhampton in November. In that match, all of Kluivert's goals were penalties, but he scored from open play each time against Newcastle.Six of Newcastle's nine straight victories came in the league, helping to lift the Saudi-controlled team into the top four in its bid to return to the Champions League.Newcastle striker Alexander Isak failed to score, having previously netted in eight league games in a row. That left him three games short of Leicester striker Jamie Vardy's record for the longest scoring run in Premier League history.

Bournemouth dominated Newcastle despite being hampered by a long list of injuries. The south coast team extended its unbeaten run to 11 games and climbed to sixth place, tied for points with fifth-placed Chelsea. A fifth-place finish could earn a place in the Champions League next season for the first time."Why not dream big?" Kluivert posed. "We never know where we can end up."

Van Nistelrooy under pressure

Next-to-last Leicester lost a seventh straight game in the league, 2-0 to Fulham, to pile the pressure on recently hired manager Ruud van Nistelrooy.The former Manchester United and Real Madrid striker, who is in only his second senior coaching role, has won just one of his nine league games in charge — the first against West Ham on Dec. 3."We weren't good enough in all aspects," Van Nistelrooy said. "This is the first game I've felt like this."Emile Smith Rowe and Adama Traore scored for Fulham.Crystal Palace won at West Ham 2-0 thanks to two second-half goals by Jean-Philippe Mateta, the second from the penalty spot.

Mohammad Rizwan sledges Kevin Sinclair during Multan Test: Come to the graveyard

New Delhi. Pakistan wicketkeeper batter Mohammad Rizwan sledged West Indies batter Kevin Sinclair during Day 2 of the first Test between the two teams at Multan Cricket Stadium, Multan on Saturday, January 18. Pakistan completely dominated West Indies as they finished day leading by 202 runs in the second innings.They were earlier bundled out for 230 in the first innings but stormed their way back into the game courtesy of sensational spells from their spin-twins Noman Ali and Sajid Khan. West Indies batters had no answer to their vicious spin as they were reduced to 42/6 in 11.2 overs.As Noman Ali dismissed Kevin Imlach to claim the sixth wicket of the innings, Sinclair walked to the crease and was sledged by Rizwan. In a video going viral on social media, Rizwan can be heard saying, "Yeah brother, come to the graveyard. You enjoying the bowling brother," as he welcomed Sinclair to the

crease.

Watch the video here:Coming back to the action on Day 2, Pakistan resumed their first innings on 143/4 with Saud Shakeel (56*) and Rizwan (51*) at the crease. The duo extended their partnership to 141 before Sinclair got rid of Shakeel for 84. Following his dismissal, the Pakistan lower order perished against the spin duo of Sinclair (2/61) and Jomel Warrican (3/69) and were bundled out for 230. Rizwan also departed for 71 as he got trapped in front of the stumps by Sinclair.Noman Ali picks up 7th five wicket haulHowever, despite being bowled out cheaply, Pakistan managed to take a significant first innings lead of 93 runs as Noman Ali picked up his seventh wicket haul in Tests. The left-arm spinner registered figures of 5/39 and was well-supported by Sajid Khan who also picked up 4/65.As a result, the duo ran through the West Indies' batting order and bundled them out for just 137. Having taken a massive 93-run lead, Pakistan got off to a good start in the second innings with their captain Shan Masood scoring a half century (52 off 70). They finished the day on 109/3 leading West Indies by 202 runs with Kamran Ghulam (9*) and Saud Shakeel (2*) at the crease.

Coldplay's Chris Martin mentions Jasprit Bumrah during Mumbai concert

New Delhi. Coldplay's Chris Martin decided to surprise his fans during the concert in Navi Mumbai as he gave a shoutout to India's pace spearhead Jasprit Bumrah on Saturday, January 18. Martin was on stage performing one of his famous songs 'A sky full of stars' on Saturday as the fans in attendance joined in to create a wonderful experience.

As the song was going on, Martin quickly took to the mic and told the fans that they would have to end the show quickly as Bumrah wanted to come backstage and play cricket with him. The Coldplay frontman would also joke that the Indian pacer wants to bowl at him."Hold on, we have to finish the show because Jasprit Bumrah wants to come and play backstage," said Martin.

"He (Bumrah) says he needs to bowl at me now."

The fans got excited hearing the mention of Bumrah as they felt that Indian pacer could make surprise appearance on stage during the concert. However, that didn't happen in the end. You can see the full video below:

The Coldplay concert in Mumbai certainly turned into 'paradise' for the fans in Mumbai as Chris Martin captivated the crowd and even addressed them in Hindi. The Bumrah shoutout certainly added to the excitement on the night.Bumrah set for Champions Trophy assignmentWhile he may not have appeared during the Coldplay concert, Bumrah has been named in India's Champions Trophy squad. The India pacer, who picked up 32 wickets during the Border-Gavaskar Trophy in Australia, is expected to lead India's attack during the tournament.However, Bumrah is carrying a knock he picked up at the end of the Australia tour and is recovering at the moment. The India pacer will be monitored by the medical staff, according to chief selector Ajit Agarkar, as they're expecting him to be fully fit for the entire duration of the tournament.India's squad for the Champions Trophy:Rohit Sharma (C), Shubman Gill (VC), Virat Kohli, Shreyas Iyer, KL Rahul, Hardik Pandya, Axar Patel, Washington Sundar, Kuldeep Yadav, Jasprit Bumrah, Mohammed Shami, Arshdeep Singh, Yashasvi Jaiswal, Rishabh Pant and Ravindra Jadeja.

Bumrah's fitness to be tested by India against England before Champions Trophy

MUMBAI. Fast bowler Jasprit Bumrah was picked for India's Champions Trophy squad on Saturday despite doubts about his fitness.

Bumrah suffered back spasms and didn't bowl on the last day of the fifth and final test against Australia in Sydney two weeks ago. He was the leading wicket-taker in the series.

India chairman of selectors Ajit Agarkar suggested Bumrah may play the third one-day international against England on Feb. 12 in Ahmedabad to test his fitness for the Champions Trophy, which starts for India eight days later in the United Arab Emirates.

"Bumrah has been advised to off load from bowling for five weeks and he won't be available for the first two ODIs against England. We are awaiting news on his fitness and will know in early February from the medical team," Agarkar said.Captain Rohit Sharma added, "We were not sure about his fitness at the moment, and thus picked Arshdeep Singh to perform his roles with the

new and old ball."Opening batter Yashasvi Jaiswal was included even though he has yet to play an ODI.Jaiswal takes Suryakumar Yadav's spot and will be the third opener choice after skipper Sharma and Shubman Gill. Virat Kohli and Shreyas Iyer complete the top-four options.Jaiswal averages 54 in List A cricket and he will compete for the second opener's slot with Gill, who averages 58.20 in ODIs. There will also be a keen spotlight on the batting form of Sharma and Kohli who both struggled in the five tests against Australia.Missing the cut from the squad which reached the final of the 2023 ODI World Cup were Yadav, Mohammed Siraj, Ishan Kishan, Prasidh Krishna, Shardul Thakur, and Ravichandran Ashwin.

Ashwin has retired, and Yadav and Kishan have been dropped. Rishabh Pant and Lokesh Rahul are the wicketkeeper-batter options.

Australian Open: Aryna Sabalenka reaches quarters by dominating Mirra Andreeva

- Aryna Sabalenka swept aside the challenge from Mirra Andreeva with ease as she progressed to the quarterfinals of the Australian Open 2025 with a straight sets win on Sunday, January 19. Sabalenka defeated the Russian teenager in just 1 hour and 2 minutes.

New Delhi. Aryna Sabalenka continued her dominant run at the Australian Open 2025 as she breezed past Mirra Andreeva to reach the quarterfinals in Melbourne. In what was a dominant display, Sabalenka defeated Andreeva in straight sets and with a scoreline of 6-1, 6-2 to reach the quarters for the third consecutive year. The World No.1 and defending champion also extended her winning streak at the Australian Open to 18

matches, a run that has seen her as a favourite to complete a hat-trick of titles in Melbourne.Andreeva had defeated Sabalenka in the French Open quarterfinals in a big upset, but failed to just get going in the match against the World No.1. The Belarussian star set the tone with her serve in the first game and didn't allow the teenage star to get any offence going. While Andreeva returned the favour by winning the next game off her own serve, that was the best for the Russian in the first set. Sabalenka went on to break Andreeva twice to take a 5-1 lead and sealed the first set in just 24 minutes.The Russian star committed 18 unforced errors during the match and it came back to haunt her in the end. The second set started much like the first one as both women were able to win off their own serves before Sabalenka was able to break the Russian in the 3rd game.

Game 5 saw some good spirit from Andreeva as she won 5 points on the trot to hold and had Sabalenka having to dig deep to avoid a break in the next one. Unfortunately, the Russian's effort wasn't enough in the end as Sabalenka wrapped the game in one hour and 2 minutes to secure her passage into the quarterfinals.Sabalenka said that she was thrilled to get the win in straight sets against Andreeva."Always tough matches against Andreeva, she's so young but playing such great tennis," the 26-year-old said on court, as quoted by Reuters

Premier League: Liverpool extend lead with late win over Brentford, Arsenal held

- Nunez' brace helped Liverpool secure the win
- Villa came back to hold Arsenal 2-2 at the Emirates
- Liverpool have a 6-point lead at the top with a game in hand

New Delhi. Liverpool extended their lead at the top of the Premier League table to 6 points as Darwin Nunez was the hero for the Reds in stoppage time during the match against Brentford on Saturday, January 18. Arsenal, on the other hand, squandered a 2-goal lead to be held 2-2 by Aston Villa at the Emirates.Liverpool, who were coming into the game against Brentford on the back of 2 straight draws, seemed to be destined for another one as Thomas Frank's men were able to weather the storm from the Reds throughout the game. Brentford did have a chance early on to take the lead through Mikkel Damsgaard in the 5th minute, but the Denmark international ended up squandering the golden chance.Luis Diaz would also spoil his chance to give Liverpool the lead as he got his header completely wrong in the 15th minute. But the chances kept on coming for Arne slot's men with Ryan Gravenberch testing Mark Flekken and Virgil van Dijk having his header go wide. Slot would make substituitions which almost had an immediate impact as Nunez' header went wide and Alexis MacAllister hitting the side netting with his effort.Brentford would almost take the lead against the run of play with Alisson coming in clutch to produce

saves to deny Mbuemo, Kevin Schade and Yoane Wissa. Then Nunez decided to flip the script in the 91st minute as he converted from Trent Alexander-Arnold's cross from close range before adding a second with an emphatic finish to give Liverpool all 3 points.

Arsenal squander 3 points

Arsenal thought they were on course for a much-needed win to keep the pressure on Liverpool, before Ollie Watkins turned out to be the villain for them once again. Gabriel Martinelli and Kai Havertz had given the Gunners a 2-0 lead with efforts from either side of half-time.However, Villa would come back to life as Youri Tielemans pulled one back with a header. Watkins would then volley home a fine effort at 68 minutes to level the scores and set up a thrilling finale. Arsenal thought they had won when Mikel Merino's effort would bounce off Havertz into the net. However, VAR intervened and ruled that the ball had hit the German's hand.The draw means that Arsenal trail Liverpool by 6 points, having played an extra game.

Deepika Padukone

Shares Goodbye Kiss With Ranveer Singh Before Leaving Family Wedding

Deepika Padukone and Ranveer Singh never fail to make heads turn every time they are spotted together, and last night was no different! The couple were clicked by the paparazzi as they attended Ranveer's cousin's wedding in Mumbai. They redefined royalty in elegant traditional outfits, and their pictures went viral. Now, a video that has been widely shared on the couple's fan pages shows Deepika giving her hubby a goodbye kiss before leaving.In a video that is now going viral, Ranveer Singh is seen escorting Deepika to the car, making sure she was comfortable as she sat inside the car. He carefully adjusted her dress while she settled in. Deepika is then seen plating a sweet kiss on Ranveer's cheek before leaving. The viral video has left fans swooning over the lovely couple. Check it out below!

Meanwhile, an inside picture from Ranveer's cousin's wedding has also surfaced on social media. Ranveer and Deepika are seen beaming with joy as they posed with Anju Bhavnani as well as the bride and groom, and other relatives at the wedding. Ranveer is seen with his arm around Deepika's shoulder, while the actress was all smiles for the picture. Check it out below!

Ranveer Singh and Deepika Padukone, who rarely makes public appearances together since welcoming their daughter Dua, made a striking impression with their regal and coordinated traditional outfits. The 'Fighter' actress looked gorgeous in an intricately embroidered pink anarkali suit with full-length sleeves. She accessorized her look with a pair of elegant gold jhumkis with ear chains, a choker necklace, and a heavy emerald-adorned neckpiece. Meanwhile, Ranveer Singh complemented her in an ivory embroidered sherwani.

Deepika Padukone and Ranveer Singh tied the knot in 2018. They welcomed their first child, daughter Dua Padukone Singh, on September 8, 2024. They announced the news of her arrival through a heartfelt social media post with a caption that read, "Welcome, baby girl. 8.09.2024. Deepika and Ranveer."

Kartik Aaryan

Says He Has A 'Love-Hate Relationship' With Karan Johar: 'Jab Hum Logo Ne Pehli Film...'

Kartik Aaryan recently mentioned that he has a love-hate relationship with Karan Johar, since their previous film, Dostana 2 was shelved. At a recent SCREEN event, Kartik Aaryan was asked to react to a photo of him with Karan Johar. In the image, Karan pulled Kartik's ear as the actor folded his hands in front of the director.Kartik reacted, "Ispe kya bolu? (What do I say to this)." He said, "I think yeh love and hate relationship hai… Bahut acha yeh photo represent karti hai (I think this is a love and hate relationship This photo represents that very well)."

Kartik recalled that the photo was taken before they began filming Dostana 2. However, the actor didn't directly mention the film's name "Yeh moment tab ka hai jab hum logo ne pehli film, jo humari honi thi kabhi, voh sign ki thi. Toh tab ka moment hai. I think he knew ki main… photo pehle se le li thi (This was the moment when our first film, which was going to happen, was signed. This was then. I think he knew that I… so he took the picture beforehand)," he recalled.For the unversed, Karan Johar was all set to make the sequel of Dostana with Kartik Aaryan and Janhvi Kapoor. While the original film starred Abhishek Bachchan, Priyanka Chopra and John Abraham, Dostana 2 would feature Kartik and Janhvi as siblings. However, the film was shelved, resulting in a falling out between Kartik and Karan. The matter has since been resolved as Kartik and Karan are now collaborating on Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri.

Kartik Aryan said, "But abhi main inke sath film kar raha hu. And hum sath mein kar rahe hain yeh film and I hope yeh film toh hogi. Yeh film main puri tarah karunga and voh bhi puri tarah karenge yeh film. (Now I am doing a film with him. We are doing it together and I hope it happens. I will do this film and he will do it too.)" Kartik also added, "Yeh film toh bohot special hone wali hai (This film is going to be very special)."Although the film was announced weeks ago, there is no information about who will star opposite Kartik Aaryan in the film.

Mammootty And Dulquer Salmaan Attend Engagement Of Makeup Artist's Daughter

Actors Mammootty and Dulquer Salmaan are big names in the South Indian film industry. Recently, the two were spotted together at their makeup artist George Sebastian's daughter's engagement. George shared beautiful photos of Mammootty and his entire family on X. The first image showed Mammootty and his wife, Sulfath, making a rare appearance, sitting on either side of the bride-to-be. The next frame showed Dulquer Salmaan and his wife, Amal Sufiya, posing on either side of the bride.In the pictures, Dulquer Salmaan's daughter, Maryam, drew a lot of attention with her adorable appearance. The child sat on her father's lap while they posed for photos. Along with the pictures, George wrote, "A heart full of love as we marked our daughter Cynthia's sweet offering ceremony, surrounded by love, light and blessings." While Mammootty was dressed in a floral-patterned shirt and mundu, Dulquer Salmaan wore a gorgeous full-sleeve white shirt, black pants and sunglasses.

Meanwhile, Dulquer Salmaan was last seen in Lucky Baskhar. The film, written and directed by Venky Atluri, was released in Malayalam, Hindi, Tamil and Kannada languages. Dulquer Salmaan plays a commoner who is willing to go the additional mile for his family. He plays the role of a bank cashier who becomes entangled in the web of riches and greed. The film has music by GV Prakash Kumar, editing by Navin Nooli and cinematography by Nimish Ravi. The film is produced by Naga Vamsi S and Sai Soujanya through Sithara Entertainment and Fortune Four Cinemas. The film is produced by Srikara Studios. Lucky Baskhar features Dulquer Salmaan, Meenakshi Chaudhary, Ramki, Surya Sreenivas, Sachin Khedekar and others.On the other hand, Mammootty is set to reunite with Mohanlal on the big screen after over 11 years in a much-anticipated film directed by Mahesh Narayanan.

Abhishek Bachchan Recalls Quitting College Amid Amitabh Bachchan's Bankruptcy: 'He Borrowed Money...'

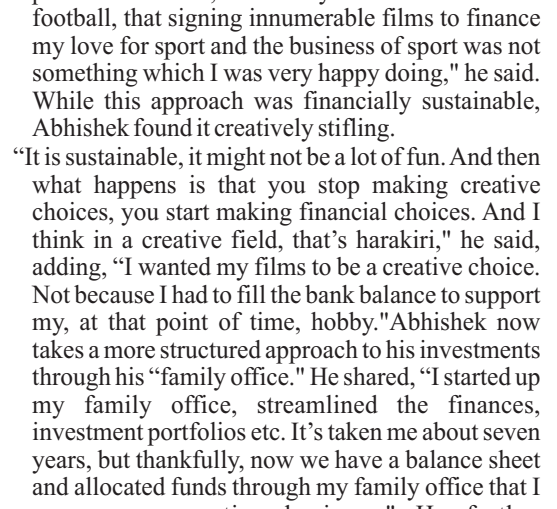

Abhishek Bachchan, a seasoned entrepreneur, recently opened up about his journey in business and how it influenced his acting career. Speaking to CNBC TV18, the actor revealed there was a time when he signed films solely to fund his sporting ventures, but he has since changed that approach, prioritizing creativity over financial necessity."I have been pitched several businesses. In the early days, when you were naive, you would get impressed by these numbers. And having run 2-3 successful sporting teams, you realise that projections are just that, they are just on paper," Abhishek explained. Reflecting on his Pro Kabaddi League team and other ventures, he admitted that his earlier strategy of financing business ventures through his acting earnings took a toll on his creative work.

"Thankfully, I have moved on from that thought process. I realised, about 2-3 years into kabaddi and football, that signing innumerable films to finance my love for sport and the business of sport was not something which I was very happy doing," he said. While this approach was financially sustainable, Abhishek found it creatively stifling.

"It is sustainable, it might not be a lot of fun. And then what happens is that you stop making creative choices, you start making financial choices. And I think in a creative field, that's harakiri," he said, adding, "I wanted my films to be a creative choice. Not because I had to fill the bank balance to support my, at that point of time, hobby."Abhishek now takes a more structured approach to his investments through his "family office." He shared, "I started up my family office, streamlined the finances, investment portfolios etc. It's taken me about seven years, but thankfully, now we have a balance sheet and allocated funds through my family office that I can run a sporting business." He further emphasized, "It is a passion for me but it is not something I am willing to lose money on and I will turn heaven and earth upside down to make sure it's profitable."Abhishek also recalled a pivotal moment from the 1990s when he quit college in Boston to support his father, Amitabh Bachchan, during a financial crisis. Speaking to Ranveer Allahabadia, he said, "He had to borrow money from his staff to put food on the table. I just felt morally obliged to be with him. I called him and I said 'You know, dad, I think I want to leave college half-way and come back and just be with you, try and help you in whatever way.'"